प्रसारित - आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद, अलीगढ़, हाथरस, कासगंज, एटा, मैनपुरी, बुलंदशहर, गाजियाबाद, लखनऊ, कानपुर
गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

साप्ताहिक
मोर्निंग सिटी
सच के साथ...

वर्ष - 11 अंक 04, 05 अप्रैल से 11 अप्रैल, 2026 | मूल्य- 10 रुपये । पृष्ठ 8 | WWW :morningcity.in

यूपी का सर्वश्रेष्ठ न्यूज प्लेटफॉर्म
मोर्निंग सिटी

ट्रंप ने ईरान को दी चेतावनी, कहा- 48 घंटे बाद बरपेगा कहर

होर्मुज से पार हुआ सातवां एलपीजी जहाज ईरान बोला- दोस्त के लिए खुला रहेगा रास्ता

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच भारत के लिए एक और राहत भरी खबर है। भारतीय झंडे वाला एलपीजी टैंकर ग्रीन शान्वी हॉर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित रूप से गुजर गया। जहाज में करीब 46,650 मीट्रिक टन एलपीजी कार्गो लदा हुआ है। इधर, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने धमकी देते हुए कहा कि ईरान के पास अहम स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को खोलने पर डील करने के लिए सिर्फ 48 घंटे बचे हैं, वरना उसे नरक का सामना करना पड़ेगा।

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली/तेहरान/दुबई

दुनिया के सबसे जरूरी समुद्री रास्ते हॉर्मुज पर ईरान ने तब से रोक लगा रखी है, जब से अमेरिका और इजरायल के साथ उसकी जंग शुरू हुई। दुनिया का 20 फीसदी तेल इसी रास्ते से जाता है, लेकिन ईरान ने कुछ दोस्त देशों को इजाजत दे रखी है कि उनके जहाज गुजर सकते हैं। भारत उन देशों में शामिल है। ग्रीन शान्वी नाम का एक भारतीय जहाज हॉर्मुज से गुजरा। यह जहाज एलपीजी यानी रसोई गैस लेकर जा रहा था, करीब 46,650 टन। यह सातवां भारतीय जहाज था जो इस बंद रास्ते से सफलतापूर्वक सुरक्षित निकला।

गुजरात के डिप्टी मुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने ट्वीट किया और कहा कि एक और जहाज, एक और जीत भारतीय कूटनीति की।

■ ईरान के बुशहर न्यूक्लियर पावर प्लांट के पास हमला, एक की मौत

भारत के कितने जहाज फंसे हैं?

अब तक 6 जहाज पहुंच चुके हैं भारतीय बंदरगाहों पर, लेकिन अभी भी करीब 17 भारतीय जहाज होर्मुज के उस तरफ फंसे हैं और इंतजार कर रहे हैं। जब पूरी दुनिया के जहाज होर्मुज पर रुके हैं, तब भारत के जहाज निकल रहे हैं। इसका मतलब है कि भारत ने ईरान से अच्छे रिश्ते बनाए हुए हैं। न अमेरिका की खुलकर नाराजगी, न ईरान से दुश्मनी।

कच्चे तेल की आपूर्ति पूरी तरह सुरक्षित

केंद्र सरकार ने कहा कि ईरान से कच्चे तेल के आयात के लिए भुगतान संबंधी कोई समस्या नहीं है। गैस मंत्रालय ने उन खबरों को खारिज किया, जिनमें ईरानी कच्चा तेल ले जा रहा एक तेल टैंकर अपने पहले से गंतव्य भारत के बजाय चीन की ओर मुड़ गया है।

भारतीय मछुआरे स्वदेश लौटे

ईरान में फंसे भारतीय मछुआरों का एक समूह आर्मेनिया के रास्ते स्वदेश लौटे। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने 345 भारतीय नागरिकों की वापसी पर आर्मेनिया के अपने समकक्ष अरारत मिर्जोयान का आभार जताया।

ईरान के पास डील करने सिर्फ 48 घंटे

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को धमकी देते हुए कहा कि ईरान के पास अहम स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को खोलने पर डील करने के लिए सिर्फ 48 घंटे बचे हैं, वरना उसे नरक का सामना करना पड़ेगा। ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, याद है जब मैंने ईरान को 'डील करने' या 'होर्मुज स्ट्रेट खोलने' के लिए दस दिन दिए थे? यहां वह 26 मार्च को दिए गए अपने अल्टीमेटम का जिक्र कर रहे थे। राष्ट्रपति ने आगे कहा, समय तेजी से निकल रहा है, 48 घंटे बाद उन पर 'नरक' टूट पड़ेगा। यह युद्ध एक महीने से भी पहले, ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमलों के साथ शुरू हुआ था।

ईरान ने यूएस के दो लड़ाकू विमान गिराए

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध दूसरे महीने में पहुंच गया है और यह अधिक भीषण होता जा रहा है। बदले की आग में सुलग रहे ईरान ने शुक्रवार को अमेरिका का एक एफ-15ई लड़ाकू विमान मार गिराया और दूसरा अमेरिकी ए-10 विमान को मार गिराया। इस विमान के एक पायलट को अमेरिका ने बचा लेने का दावा किया, लेकिन दूसरे पायलट के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी। बाद में उसकी तलाश में लगे एक अमेरिकी ब्लैक हॉक हेलिकॉप्टर को भी ईरान ने मार गिराया और उसमें सवार लोगों के बारे में भी कोई जानकारी नहीं है।

शिक्षा सिर्फ डिग्री हासिल करने का माध्यम नहीं: सीएम योगी

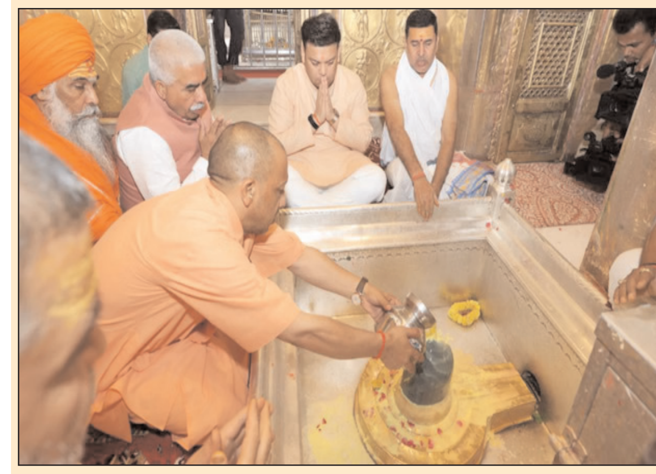

वाराणसी

शिक्षा सिर्फ डिग्री हासिल करने का माध्यम नहीं है, मनुष्य को मनुष्य बनाने का सशक्त माध्यम है। इस माध्यम को सफल बनाने की जिम्मेदारी शिक्षकों पर है, वे यदि परिश्रम करें अपने जिम्मेदारियों का निर्वहन करें तो सफलता निश्चित मिलेगा। यही वजह है कि उत्तर प्रदेश में सभी शिक्षकों ने मेहनत किया और ऑपरेशन कायाकल्प को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। हर घर से सभी बच्चों को स्कूल तक पहुंचाने का काम किया। ये बातें शिवपुर स्थित कंपोजिट विद्यालय में आयोजित स्कूल चलो अभियान कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ ने कही।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दो दिवसीय दौरे पर शुक्रवार को काशी पहुंचे। शनिवार की सुबह शिवपुर स्थित कंपोजिट विद्यालय पहुंचे। यहां से पूरे प्रदेश में स्कूल चलो अभियान की शुरूआत की गई। कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी ने जिले के पांच निपुण विद्यालय, पांच निपुण बच्चे व पांच नव प्रवेशी बच्चों को सम्मानित किया। परिसर में शिक्षा से जुड़े 12 स्टॉल लगाए गए हैं। मुख्यमंत्री और शिक्षामंत्री इन स्टॉलों का अवलोकन भी किए। शिवपुर स्थित कंपोजिट विद्यालय में अतिथियों का स्वागत, सांस्कृतिक कार्यक्रम, मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों का भाषण व सम्मान कार्यक्रम से किया गया। कंपोजिट विद्यालय, शिवपुर में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह भी मौजूद रहे। इनके साथ बेसिक शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा, डीजी मोनिका रानी, संयुक्त शिक्षा निदेशक दिनेश सिंह समेत अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

'होर्मुज खुलवाना आसान नहीं', अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट ने ट्रंप के दावों की खोली पोल

वाशिंगटन

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में 'ट्रुथ सोशल' पर दावा किया था कि "थोड़ा और समय मिलने पर हम आसानी से होर्मुज खोल देंगे और तेल पर कब्जा कर लेंगे।" हालांकि, अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट इस दावे के बिल्कुल उलट कहानी बयां कर रही है।

रिपोर्ट के अनुसार, ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को अपनी 'लाइफलाइन' और अमेरिका के खिलाफ सबसे प्रभावी 'सौदेबाजी का हथियार' बना लिया है। इंटेलिजेंस अधिकारियों का मानना है कि ईरान इस रास्ते को जल्द खोलने के पक्ष में नहीं है, क्योंकि इसी के जरिए वह वैश्विक तेल बाजार को नियंत्रित कर अमेरिका और उसके सहयोगियों पर दबाव बना रहा है। यह रिपोर्ट बताती है

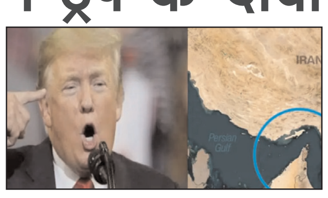

कि सैन्य ताकत के बावजूद होर्मुज को सुरक्षित रूप से फिर से शुरू करना अमेरिका के लिए बेहद जटिल और जोखिम भरा काम है। विशेषज्ञों का कहना है कि ईरान यह समझ चुका है कि दुनिया की ऊर्जा सप्लाई को रोकने की उसकी क्षमता परमाणु बम से भी अधिक शक्तिशाली है। इंटरनेशनल क्राइसिस ग्रुप के ईरान प्रोजेक्ट डायरेक्टर अली वैज के अनुसार, "ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकने की कोशिश में अमेरिका ने उसे 'महा-विनाश का हथियार' सौंप दिया है।" होर्मुज के जरिए ईरान वैश्विक अर्थव्यवस्था को बंधक बना चुका है।

रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि जब तक ईरान को अपनी शर्तों पर कोई बड़ा 'ऑफ-रैंप' नहीं मिलता, वह इस रास्ते को बंद ही रखेगा ताकि ऊर्जा की कीमतें ऊंची बनी रहें और अमेरिकी जनता के बीच ट्रंप की युद्ध नीति के खिलाफ गुस्सा बढ़े। अमेरिकी जासूसों का यह भी आकलन है कि जिस युद्ध का उद्देश्य ईरान की सैन्य शक्ति को खत्म करना था, उसने अनजाने में ईरान के क्षेत्रीय प्रभाव को और बढ़ा दिया है। होर्मुज जलमार्ग को सफलतापूर्वक बंद रखकर ईरान ने अपनी उस क्षमता का प्रदर्शन किया है जिससे पूरी दुनिया डरी हुई है। इंटेलिजेंस रिपोर्ट के अनुसार, 5 हफ्तों से चल रहे इस युद्ध ने साबित कर दिया है कि ईरान अपने सीमित संसाधनों के बावजूद दुनिया की सबसे बड़ी नौसेना को चुनौती दे सकता है।

कांग्रेस और लेफ्ट से सावधान रहने की जरूरत: पीएम मोदी

तिरुवल्ला (केरल)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केरल में भाजपा की चुनावी रैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा, 'हमारे केरलम को ईश्वर ने अपार संसाधन और संभावनाएं दी हैं। यहां समंदर में ब्लू इकोनॉमी के असीम अवसर हैं। यहां उद्योगों के लिए संभावनाएं हैं। पर्यटन के क्षेत्र में भी अपार संभावनाएं हैं, लेकिन केरल बाकी राज्यों से लगातार पीछे होता जा रहा है।'

पीएम मोदी ने आगे कहा कि राज्य में इस बार माहौल बदल चुका है और जनता बदलाव चाहती है। उन्होंने कहा कि 9 अप्रैल को मतदान के बाद 4 मई को एनडीए सरकार बनने जा रही है। उन्होंने महिलाओं के समर्थन को अपनी ताकत बताते हुए कहा कि राज्यभर में एनडीए के पक्ष में माहौल दिख रहा है। उन्होंने उम्मीदवार अनुप को समर्पित और मेहनती बताते हुए जनता से समर्थन की अपील की। रैली के दौरान उन्होंने सबरीमाला और भगवान अयप्पा का भी उल्लेख किया गया और इसे सांस्कृतिक जुड़ाव से जोड़ा। इसके साथ ही पीएम मोदी ने यह भी बोले कि केरल के लोगों को कांग्रेस और लेफ्ट से सावधान रहने की जरूरत है। केरल में रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि इस चुनाव में केरल को फायदा होगा, भले ही उन्हें खुद व्यक्तिगत रूप से कुछ नुकसान उठाना पड़े। उन्होंने कहा कि एनडीए उम्मीदवार अनूप पिछले पांच वर्षों से उनके साथ पूरी मेहनत और समर्पण के साथ काम कर रहे हैं। वह शांत, ईमानदार और दिन-रात काम करने वाले कार्यकर्ता हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि केरल को ऐसे युवा नेता की जरूरत है और आज वह अनूप को जनता के हवाले कर रहे हैं ताकि वह लोगों की सेवा कर सकें। प्रधानमंत्री ने बताया कि उन्होंने हाल ही में मेरा बूथ सबसे मजबूत अभियान के तहत केरल के भाजपा कार्यकर्ताओं से बातचीत की थी। इस दौरान 5000 शक्ति केंद्रों से 1.25 लाख से ज्यादा कार्यकर्ता जुड़े। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ताओं का एक ही संदेश था कि केरल की जनता अब एलडीएफ सरकार को हटाने का मन बना चुकी है।

बुनियादी सुविधाओं पर क्या बोले पीएम मोदी?

कहा कि रैली में आने के दौरान पूरे रास्ते लोगों की भारी भीड़ देखने को मिली। वाम दल जहां मानव श्रृंखला की बात करते हैं, वहीं केरल की जनता ने एनडीए के समर्थन में मानव दीवार खड़ी कर दी है। प्रधानमंत्री ने एलडीएफ और यूडीएफ सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि इन सरकारों ने इस क्षेत्र की लंबे समय तक अनदेखी की है। उन्होंने कहा कि यहां की सड़कें खराब हालत में हैं, वर्षों से नए पुल नहीं बने हैं और मेडिकल कॉलेज की स्थिति भी चिंताजनक है। बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण लोगों की जीवन गुणवत्ता पर बुरा असर पड़ा है। उन्होंने कहा कि जब एलडीएफ और यूडीएफ केंद्र में सत्ता में थे, तब केरल को कम फंड मिलता था। लेकिन मोदी सरकार में राज्य को पांच गुना ज्यादा फंड दिया गया है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर के राज्यों में, जहां बड़ी संख्या में ईसाई समुदाय रहता है, वहां एनडीए की सरकारें बनी हैं और विकास कार्य हुए हैं। गोवा का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि वहां भी सरकार लगातार काम कर रही है।

'चीन की ओर नहीं मुड़ा ईरान से आ रहा कोई जहाज', सरकार ने भुगतान से जुड़ी खबरों को बताया बेबुनियाद

नई दिल्ली

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने ईरानी कच्चे तेल की खेप को लेकर फैल रही खबरों और सोशल मीडिया पोस्ट्स को सिरे से खारिज किया है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि यह दावा तथ्यात्मक रूप से गलत है कि भुगतान संबंधी दिक्कतों के कारण गुजरात के वडीनार से ईरान का कच्चा तेल चीन की ओर मोड़ा गया। मंत्रालय ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि पश्चिम एशिया में सप्लाई से जुड़ी चुनौतियों के बावजूद भारतीय रिफाइनरियों ने अपनी कच्चे तेल की जरूरतों को सुरक्षित कर लिया है, जिसमें ईरान से आयात भी शामिल है।

साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि ईरानी कच्चे तेल के भुगतान को लेकर किसी तरह की कोई बाधा नहीं है, जैसा कि कुछ अफवाहों में दावा किया जा रहा है। सरकार ने दोहराया कि आने वाले महीनों के लिए भारत की कच्चे तेल की आवश्यकताएं पूरी तरह सुरक्षित हैं और सप्लाई को लेकर कोई चिंता की बात नहीं है। दरअसल, तेल बाजार पर नजर रखने वाली एजेंसी केप्लर ने दावा किया था कि

ईरान से लगभग 6 लाख बैरल कच्चा तेल लेकर भारत आ रहा एक जहाज अचानक अपना मार्ग बदलकर चीन की दिशा में बढ़ गया । यह जहाज, जिसका नाम 'पिंग शुन' है, गुरुवार रात तक अरब सागर में भारत के रास्ते पर था और इसके गुजरात के वाडिनार बंदरगाह पहुंचने की संभावना जताई जा रही थी। केप्लर में रिफाइनरी और ऑयल मार्केट मॉडलिंग के मैनेजर सुमित रितोलिया ने बताया था कि यह जहाज पिछले तीन दिनों से वाडिनार की ओर बढ़ रहा था, लेकिन मंजिल के करीब पहुंचने से ठीक पहले इसने अपनी दिशा बदल दी।

उन्होंने कहा था कि जहाज ने अब अपने घोषित गंतव्य भारत से बदलकर चीन की ओर संकेत देना शुरू कर दिया है, जिससे इस अचानक बदलाव को लेकर सवाल खड़े हो गए थे।

पश्चिम एशियाः पूर्व राजनयिक केपी फैबियन बोले-शतरंज की चाल चल रहा ईरान; कल्पना की दुनिया में जी रहे हैं ट्रंप

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी तनाव और गहराता जा रहा है। इस पूरे घटनाक्रम पर पूर्व राजनयिक केपी फैबियन ने अपनी तीखी प्रतिक्रिया दी है। न्यूज एजेंसी आईएएनएस से खास बातचीत में फैबियन ने कहा कि इस पूरे विवाद में ईरान बेहद समझदारी के साथ 'शतरंज की बिसात' बिछा रहा है। वहीं ट्रंप 'हकीकत से दूर एक काल्पनिक दुनिया' में जी रहे हैं। पूर्व राजनयिक ने अमेरिका के दावों को खारिज करते हुए कहा कि जैसा राष्ट्रपति ट्रंप कह रहे हैं, वैसा बिल्कुल नहीं है। होर्मुज जलडमरूमध्य पूरी तरह से बंद नहीं हुआ है। उन्होंने ईरान की रणनीति को समझाते हुए कहा कि ईरान का सीधा स्टैंड है कि जो देश उसके मित्र हैं, उनके जहाजों को वहां से गुजरने दिया जाएगा। लेकिन अमेरिका, इस्राइल और उनके सहयोगियों से जुड़े जहाजों को वहां से निकलने की इजाजत नहीं होगी। फैबियन ने कहा कि इसका सीधा मतलब खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के देशों से है। उन्होंने कहा कि अमेरिका इन्हीं जीसीसी देशों में बने अपने सैन्य ठिकानों का इस्तेमाल ईरान पर हमले करने के लिए कर रहा है। फैबियन ने बताया कि हाल ही में फ्रांस के एक जहाज को होर्मुज से सुरक्षित जाने दिया गया। यह बेहद ध्यान देने वाली बात है क्योंकि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने ट्रंप से कहा था कि इस समस्या का समाधान कूटनीति से निकलेगा, न कि युद्ध से। इसी तरह जापान की एक कंपनी 'मित्सुई ओएसके लाइन्स' के जहाज को भी ईरान ने रास्ता दिया। फैबियन के मुताबिक, यह वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए कोई बहुत बड़ी बात नहीं थी, वहां लगभग 200 जहाज फंसे हुए हैं। लेकिन ईरान का जापान के जहाज को जाने देना असल में जापान की तरफ दोस्ती का हाथ बढ़ाने जैसा था।

'घायल हूं इसलिए घातक हूं': राघव चड्ढा ने आम आदमी पार्टी के सभी आरोपों का दिया जवाब, कहा- हर झूठ होगा बेनकाब

चंडीगढ़

पंजाब से राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने खुद पर लगाए आरोपों पर सफाई दी है। फेसबुक पर लाइव होकर चड्ढा ने कहा कि मेरे खिलाफ एक अभियान चलाया जा रहा है। एक जैसी भाषा और एक जैसे आरोप। पहले मुझे लगा कि इसका जवाब नहीं देना चाहिए लेकिन फिर लगा कि एक झूठ को सौ बार बोला जाए तो वो सच लगने लगता है।

पहला आरोपः आम आदमी पार्टी की तरफ से मुझ पर तीन बड़े आरोप लगाए गए हैं। पहला आरोप है कि जब विपक्ष सदन से वॉकआउट करता है तो राघव चड्ढा वहीं बैठे रहते हैं। ये सरासर झूठ है। एक दिन ऐसा बताया जाए जब विपक्ष ने वॉकआउट किया हो और मैंने उनका साथ न दिया हो। संसद में हर जगह सीसीटीवी कैमरा है, आप उसकी फुटेज निकालकर दिखा दीजिए। दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा।

दूसरा आरोपः राघव ने कहा कि दूसरा आरोप मुझ पर लगाया गया कि मैंने चीफ इलेक्शन कमिश्नर को हटाने वाली याचिका पर साइन नहीं किए। ये भी सफेद झूठ है। मुझे आप के किसी नेता ने इस याचिका पर साइन करने के लिए नहीं कहा। साथ ही राज्यसभा में पार्टी के दस सांसद हैं, जिनमें से छह या सात सांसदों ने खुद ही इस याचिका पर साइन नहीं किया।

अब इसमें मेरी क्या गलती है। सारा दोष मुझ पर ही क्यों। इस याचिका के लिए रास में केवल 50 साइन चाहिए थे यानी 105 विपक्षी सांसदों में से 50 से ये याचिका पूरी हो जाती।

तीसरा आरोपः चड्ढा ने कहा कि तीसरा आरोप जो मुझ पर लगाया गया वो ये था कि राघव चड्ढा डर गए हैं और इसलिए वो बेकार मुद्दे उठाते हैं। मैं बता दूं कि मैं संसद में चीखने चिल्लाने, गाली देने या माइक तोड़ने नहीं गया। मैं वहां जनता के मुद्दे उठाने गया हूं।

मैंने कौन से मुद्दा नहीं उठाया। जीएसटी से लेकर पानी तक, पंजाब के पानी से लेकर दिल्ली की हवा की बात की। बेरोजगारी से लेकर महंगाई तक के मुद्दे उठाए। मेरा ट्रैक रिकॉर्ड उठाकर देख लीजिए। मैं संसद में इंपेक्ट क्रिएट करने गया हूं। जो लोग मुझ पर आरोप लगा रहे हैं, मैं उन्हें कहना चाहता हूं कि हर झूठ को बेनकाब किया जाएगा। हर सवाल का जवाब दिया जाएगा। मैं घायल हूं इसलिए घातक हूं।

सम्पादकीय

पश्चिम एशिया युद्ध का असर अब दुनिया के कई देशों पर

कूटनीतिक तकाजे के साथ-साथ मानवीय पहलू से भी देखें, तो होर्मुज जलमार्ग को तत्काल खोलने की जरूरत है, अन्यथा वैश्विक पैमाने पर जिस तरह का ऊर्जा संकट खड़ा होगा, उसकी भरपाई लंबे समय तक नहीं की जा सकेगी। इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि पश्चिम एशिया में युद्ध ईरान और इजराइल-अमेरिका के बीच हो रहा है, लेकिन उसकी मार वैसे देशों को भी झेलनी पड़ रही है, जो किसी भी रूप में जंग में शामिल नहीं हैं। कई देशों में अब हालत यह है कि वहां तेल और गैस की कमी की वजह से आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित होने लगा है। भारत भी उन देशों में से एक है, जहां कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति बाधित होने के कारण आम लोगों को कई तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। खासतौर पर जब से ईरान ने होर्मुज जलमार्ग को बाधित किया है, तब से कई देशों में कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति पर व्यापक असर पड़ा है। भारत में रसोई गैस सिलेंडर की उपलब्धता भी काफी प्रभावित हुई है। यह स्थिति मुख्य रूप से होर्मुज जलमार्ग को रोके जाने के कारण सामने आई है और इसमें तभी राहत मिल सकती है, जब ईरान इस मार्ग को फिर से खोले। वैश्विक स्तर पर यह चिंता गहरा रही है कि अगर होर्मुज जलमार्ग को इसी तरह बाधित करके रखा गया, तो आने वाले दिनों में स्थितियां और बिगड़ सकती हैं। शायद यही वजह है कि पश्चिम एशिया के इस संकट का हल निकालने की कोशिश के तहत ब्रिटेन की पहल पर साठ से ज्यादा देशों की बैठक हुई, जिसमें होर्मुज जलमार्ग को फिर से खोलने और फंसे हुए जहाजों तथा चालक दल की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई। इसके तहत अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों में बिना बाधा के जहाजों की आवाजाही की अहमियत को रेखांकित किया गया, क्योंकि आज के दौर में समूची दुनिया में तेल और रसोई गैस लोगों के जीवन के सबसे अहम आधार बन चुके हैं। वहीं होर्मुज जलमार्ग के बाधित होने के बाद से ही जिस तरह का ऊर्जा संकट गहराता जा रहा है, उसका भारत पर भी सीधा असर पड़ा है। जाहिर है, अन्य कई देशों की तरह भारत भी इस प्रयास में है कि जितना जल्दी हो, इस संकट का हल निकले और होर्मुज जलमार्ग को खोला जाए। बैठक में भारत ने साफ शब्दों में कहा कि युद्ध खत्म करने के लिए तनाव कम करने और सभी पक्षों के बीच संवाद के रास्ते पर लौटने की जरूरत है। यों भी, आज के दौर में कोई भी युद्ध सिर्फ उन देशों को प्रभावित नहीं करता, जिनके बीच वह लड़ा जा रहा होता है। अब यह वैश्विक चिंता का सवाल बन चुका है कि इजराइल और अमेरिका के साझा हमले के बाद ईरान ने रणनीतिक मोर्चे पर जो रुख अख्तियार किया है, उसका खमियाजा अब दुनिया के कई देशों को भुगतना पड़ रहा है। संभव है कि अमेरिका और इजराइल को जवाब देने के लिए ईरान ने हमलों के अन्य मोर्चों के साथ-साथ होर्मुज जलमार्ग को बाधित किया हो, लेकिन जो देश इस युद्ध में किसी भी पक्ष में नहीं हैं, अगर उन्हें इसकी मार झेलनी पड़ रही है और आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर विपरीत असर पड़ रहा है, तो इसे कैसे देखा जाएगा। विडंबना यह है कि ईरान और इजराइल-अमेरिका के बीच जारी युद्ध में संवाद को लेकर फिलहाल किसी भी पक्ष में कोई उत्साह नहीं दिख रहा है। मगर कूटनीतिक तकाजे के साथ-साथ मानवीय पहलू से भी देखें, तो होर्मुज जलमार्ग को तत्काल खोलने की जरूरत है, अन्यथा वैश्विक पैमाने पर जिस तरह का ऊर्जा संकट खड़ा होगा, उसकी भरपाई लंबे समय तक नहीं की जा सकेगी।

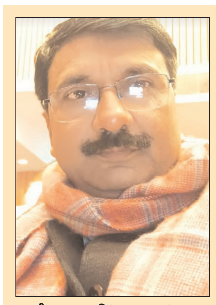
सुशील कुमार सिंह प्रधान संपादक

दंड से सुधार की ओर विश्वास आधारित न्यायिक यात्रा

भारत ने 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य रखा है। विकसित राष्ट्र बनने के लिए केवल आर्थिक विकास ही नहीं, बल्कि न्यायिक, प्रशासनिक और कानूनी सुधार भी आवश्यक हैं। जन विश्वास विधेयक इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा सकता है। सरल कानून, कम सरकारी हस्तक्षेप, तेज न्याय प्रणाली और व्यापार के लिए अनुकूल वातावरण-ये सभी विकसित राष्ट्र की पहचान होते हैं। इस दृष्टि से यह कानून भारत को आधुनिक और विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में सहायक सिद्ध होगा। यह भी स्वीकार करना होगा कि इस प्रकार के बड़े कानूनी सुधार राजनीतिक इच्छाशक्ति के बिना संभव नहीं होते। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने कई प्रशासनिक और कानूनी सुधार किए हैं, जिनका उद्देश्य शासन को सरल, पारदर्शी और जनहितकारी बनाना है, न्याय व्यवस्था को ज्यादा मानवीय एवं व्यावहारिक बनाना है। इसी कारण प्रधानमंत्री ने इस विधेयक के पारित होने पर यह आशा व्यक्त की कि इसके जरिये भरोसे पर आधारित व्यवस्था का निर्माण होने के साथ आम नागरिक सशक्त बनेंगे। जन विश्वास विधेयक उसी श्रृंखला का एक महत्वपूर्ण कदम है, जो यह दशार्ता है कि सरकार नागरिकों को दंडित करने की बजाय उनके साथ विश्वास का संबंध स्थापित करना चाहती है।

ललित गर्ग

भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था में कानून का उद्देश्य केवल दंड देना नहीं, बल्कि व्यवस्था, अनुशासन, सुधार और विश्वास का वातावरण बनाना भी होता है। इसी दृष्टि से भारत सरकार द्वारा लाया गया जन विश्वास विधेयक 2026 पहले लोकसभा के बाद अब राज्यसभा से भी पारित होने से इसके कानून के रूप में अमल का रास्ता साफ हो गया। इसके माध्यम से उस व्यवस्था को विदा देने का जतन किया गया है, जिसमें छोटी-छोटी गलतियों या सामान्य नियम-कानूनों के उल्लंघन पर जेल की सजा का प्रविधान था, अब ऐसा होने पर आर्थिक दंड लगेगा। निश्चित ही इस विधेयक का पारित होना एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम है, भारतीय कानूनी परिवेश की एक उजली भोर है। निश्चित तौर यह कानून दंडात्मक व्यवस्था से सुधारात्मक व्यवस्था की ओर बढ़ने का संकेत देता है। इसमें लगभग 79 केंद्रीय कानूनों में संशोधन कर 784 प्रविधानों में संशोधन किये गये हैं और 700 से अधिक छोटे अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर किया गया है। इससे अदालतों में मुकदमों का बोझ और न्यायिक तंत्र पर दबाव कम होगा। अब ड्राइविंग लाइसेंस की अवधि खत्म होने पर भी वह 30 दिन तक वैध रहेगा और राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम लगाने पर सजा के स्थान पर जुमार्ने का प्रविधान होगा। इसी तरह अन्य अनेक मामलों में ऐसा होगा। इनमें से कई मामले कारोबारियों से भी जुड़े हैं, जैसे पहले ड्रग्स एवं कास्मेटिक नियमों के उल्लंघन पर जेल हो सकती थी, लेकिन अब केवल जुमार्ना लगेगा। जो छोटे कारोबारी प्रायः जटिल नियम-कानूनों के अनचाहे उल्लंघन के कारण दंडित होने के दबाव में भयभीत रहते थे, वे अब भयमुक्त होंगे।

भाजपा सरकार एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रमुख लक्ष्यों में से एक है भारत की व्यवस्था एवं कानूनों का सरल एवं सुगम बनाना, यह कानून उसी दिशा में एक रचनात्मक एवं सृजनात्मक उपक्रम है। इस विधेयक से न केवल न्यायिक प्रणाली पर बोझ कम होगा बल्कि नागरिकों, उद्यमियों और निवेशकों में सरकार के प्रति विश्वास भी बढ़ेगा। इसे न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन की अवधारणा को व्यवहार में उतारने वाला कानून भी कहा जा सकता है। दंड नहीं, सुधार की भावना को बल देते हुए इस कानून से आम-जनता को कानून की जटिल प्रक्रियाओं एवं भ्रष्टाचार की व्यवस्था से मुक्ति मिलेगी। भारतीय न्याय व्यवस्था लंबे समय तक दंड आधारित रही है, जिसमें छोटे-छोटे उल्लंघनों के लिए भी आपराधिक मुकदमे चल जाते थे। इससे अदालतों में मुकदमों का ढेर लग जाता था और आम नागरिक अनावश्यक कानूनी प्रक्रियाओं में उलझ जाते थे। जन विश्वास विधेयक ने इस सोच को बदलने का प्रयास किया है। इससे कानून का उद्देश्य दंड देना नहीं, बल्कि सुधार करना और व्यवस्था बनाए रखना होगा। अपराध की गंभीरता के अनुसार दंड तय करना न्याय के मूल सिद्धांतों के अधिक अनुरूप है। इस कानून से न्यायिक प्रक्रिया तेज होगी और गंभीर अपराधों पर अधिक ध्यान दिया जा सकेगा। यह कानून न्यायिक सुधार की दिशा में भी एक बड़ा ऐतिहासिक कदम है, क्योंकि इससे न्यायालयों का समय और संसाधन बचेंगे और न्याय प्रणाली अधिक प्रभावी बनेगी। इस कानून का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य

व्यापार और उद्योग जगत में विश्वास का वातावरण बनाना भी है। पहले कई छोटे नियमों के उल्लंघन पर आपराधिक मुकदमे दर्ज हो जाते थे, जिससे उद्यमियों और निवेशकों में भय का वातावरण रहता था। अब आर्थिक दंड के प्रावधान से अनुपालन का बोझ कम होगा और व्यापार करने में आसानी होगी। इससे छोटे उद्यमियों, स्टार्टअप और उद्योगों को प्रोत्साहन मिलेगा तथा भारत में निवेश का वातावरण और बेहतर बनेगा। वैश्विक स्तर पर भी भारत की छवि एक सरल और निवेश अनुकूल देश के रूप में मजबूत होगी। इस कानून की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसकी भावना भारतीय संस्कृति के बहुत निकट दिखाई देती है। भारतीय संस्कृति में दंड से अधिक सुधार, प्रतिशोध से अधिक क्षमा और अपराध से अधिक परिमार्जन की परंपरा रही है। हमारे शास्त्रों और परंपराओं में कहा गया है कि मनुष्य से गलती होना स्वाभाविक है, लेकिन उसे सुधार का अवसर मिलना चाहिए। छोटी-छोटी गलतियों के लिए कठोर दंड देना न्याय नहीं, बल्कि अन्याय की श्रेणी में आ सकता है। इस दृष्टि से यदि कानून व्यवस्था में क्षमा, सुधार और परिमार्जन की व्यवस्था हो, तो समाज अधिक मानवीय और संवेदनशील बन सकता है। भारत की संस्कृति दंडात्मक नहीं, बल्कि सुधारात्मक और समन्वयवादी रही है। जन विश्वास विधेयक इसी भावना को आधुनिक कानूनी व्यवस्था में स्थापित करने का प्रयास प्रतीत होता है। यह कानून विश्वास आधारित शासन की ओर अग्रसर होने के साथ मेरा भारत महान् का उद्घोष है। यह कानून सरकार और नागरिकों के बीच विश्वास को मजबूत करने वाला भी है। जब सरकार नागरिकों को अपराधी मानने की बजाय जिम्मेदार नागरिक मानकर कानून बनाएगी, तो नागरिकों में भी कानून के प्रति सम्मान और पालन की भावना बढ़ेगी। विश्वास आधारित शासन किसी भी लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति होता है। भय आधारित शासन में नागरिक कानून से बचने की कोशिश करते हैं, जिससे समाज में भ्रष्टाचार को पनपने का मौका मिलता है जबकि विश्वास आधारित शासन में नागरिक कानून का पालन स्वयं करते हैं। देश एवं समाज के प्रति जिम्मेदारी का अहसास स्वतः जागता है।

भारत ने 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य रखा है। विकसित राष्ट्र बनने के लिए केवल आर्थिक विकास ही नहीं, बल्कि न्यायिक, प्रशासनिक और कानूनी सुधार भी आवश्यक हैं। जन विश्वास विधेयक इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा सकता है। सरल कानून, कम सरकारी हस्तक्षेप, तेज न्याय प्रणाली और व्यापार के लिए अनुकूल वातावरण-ये सभी विकसित राष्ट्र की पहचान होते हैं। इस दृष्टि से यह कानून भारत को आधुनिक और विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में सहायक सिद्ध होगा। यह भी स्वीकार करना होगा कि इस प्रकार के बड़े कानूनी सुधार राजनीतिक इच्छाशक्ति के बिना संभव नहीं होते। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने कई प्रशासनिक और कानूनी सुधार किए हैं, जिनका उद्देश्य शासन को सरल, पारदर्शी और जनहितकारी बनाना है, न्याय व्यवस्था को ज्यादा मानवीय एवं व्यावहारिक बनाना है। इसी कारण प्रधानमंत्री ने इस विधेयक के पारित होने पर यह आशा व्यक्त की कि इसके जरिये भरोसे पर आधारित व्यवस्था का निर्माण होने के साथ आम नागरिक सशक्त बनेंगे। जन विश्वास विधेयक उसी श्रृंखला का एक महत्वपूर्ण कदम है, जो यह दशार्ता है कि सरकार नागरिकों को दंडित करने की बजाय उनके साथ विश्वास का संबंध स्थापित करना चाहती है। यह कानून शासन और जनता के बीच विश्वास का पुल बनाने का एक सराहनीय एवं सूझबूझभरा प्रयास है। वास्तव में कानून का शासन ऐसा होना चाहिए, जिसमें मामूली गलती या किसी गफलत या अनजाने में की गई भूल कठोर सजा का कारण नहीं बननी चाहिए। अब जब जन विश्वास विधेयक से हालात में व्यापक बदलाव की उम्मीद की जा रही है, तब यह आवश्यक हो जाता है कि इस विधेयक के प्रविधानों से आम जनता को अवगत कराया जाए, ताकि वह अधिकतम लाभ उठा सके और शोषण एवं भ्रष्टाचार से भी बच सके। ध्यान रहे आम लोग सशक्त तब होते हैं, जब वे नियम-कानूनों से भली तरह अवगत होते हैं। जनता को बदले हुए नियम-कानूनों से परिचित कराने का काम सरकार को करना चाहिए। इसी के साथ उसे इसे लेकर सावधान रहना होगा कि छोटे अपराधों में जेल भेजने वाले प्रविधानों की जगह चेतावनी देने और जुमार्ना लगाने वाली नई व्यवस्था से समाज में ऐसा कोई संदेश न जाए कि नियम-कानूनों के उल्लंघन पर जुमार्ना देकर बचा जा सकता है। यदि जुमार्ना देकर नियम-कानूनों को हल्के में लेने की प्रवृत्ति बढ़ी तो इस विधेयक का उद्देश्य ही व्यर्थ हो जाएगा। सबसे महत्वपूर्ण जुमार्ना लेने की परम्परा कहीं प्रशासनिक अधिकारियों एवं न्यायिक अधिकारियों को अधिक भ्रष्ट न बना दे। लोगों को भी यह समझना आवश्यक है कि अधिकारों के साथ कर्तव्यों के पालन से ही कोई राष्ट्र प्रगति पथ पर तेजी से आगे बढ़ता है।

निश्चित तौर पर इस कानून से समूची दुनिया में भारतीय कानून अनुकरणीय बनेंगे, कहा जा सकता है कि जन विश्वास विधेयक केवल एक कानूनी संशोधन नहीं, बल्कि शासन की सोच में बदलाव का प्रतीक है। यह कानून दंड से सुधार, भय से विश्वास और जटिलता से सरलता की ओर बढ़ने का संकेत देता हैं। भारतीय संस्कृति में क्षमा, सुधार, परिमार्जन और सह-अस्तित्व की जो परंपरा रही है, यह कानून उसी भावना को आधुनिक कानून व्यवस्था में स्थान देने का प्रयास है। इस कानून का सही ढंग से क्रियान्वयन हुआ, तो यह न केवल न्यायिक व्यवस्था को सरल बनाएगा, बल्कि भारत में विश्वास आधारित शासन की स्थापना करेगा और विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगा।

संकल्प के साथ राष्ट्रीय समस्या नक्सलवाद का अंत

प्रमोद भार्गव

भारत में संकट बन चुकी राष्ट्रीय समस्याओं का समय-सीमा में अंत होना दुर्लभ है, लेकिन केंद्र की भाजपा नेतृत्व वाली सरकार ने यह कार्य करके दिखा दिया। गृहमंत्री अमित शाह लगातार कहते रहे हैं कि माओवादी नक्सलवाद का अंत 31 मार्च 2026 तक कर लिया जाएगा। उन्होंने यह करके दिखा भी दिया। वरना नक्सलवाद को संरक्षण दे रहे नगरीय तथाकथित बौद्धिक इस सशस्त्र खूनी क्रांति को राष्ट्र विरोधी संघर्ष मानते ही नहीं थे। बस्तर में 25 लाख के इनामी नक्सली सरगना पापा राव ने अपने 17 साथियों के साथ जिस तरह से हथियारों सहित समर्पण किया, उससे देश के सबसे बड़े गढ़ में माओवादी हिंसा का निर्णायक अंत हो गया। क्योंकि इस क्षेत्र का यही अंतिम सरगना शेष बचा था। नक्सलवाद का अंत ठीक उसी तरह हुआ है, जिस तरह प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव के कार्यकाल में पंजाब के उग्रवाद का अंत हुआ था। इस उपलब्धि का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की दृढ़ इच्छा शक्ति को जाता है।

अब पूरा देश मान रहा हैं कि भारत में राजनीतिक नेतृत्व दृढ़ हो तो किसी भी समस्या का निपटारा किया जा सकता है। क्योंकि देश की जिस तरह की सामाजिक-राजनीतिक परिस्थितियां हैं और सषक्त प्रशासनिक ढांचा है, उसके चलते किसी भी प्रकार की सशस्त्र क्रांति का उग्रवाद और नक्सलवाद की तरह अंत होना निश्चित है। कश्मीर का पाक प्रायोजित आतंकवाद का भी यही हश्र होना है। छत्तीसगढ और आंध्रप्रदेश की सीमा पर हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने शीर्ष माओवादी क्रूर हिंसा के प्रतीक बन चुके हिड़मा को मार गिराने के पहले छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ के जंगल में सुरक्षा बलों के नक्सल विरोधी अभियान में बड़ी सफलता तब मिली थी, जब डेढ़ करोड़ के इनामी बसव राजू समेत 27 माओवादियों को सुरक्षा बलों ने मार गिराया था। यह कुख्यात दरिंदा होने के साथ गुरिल्ला लड़ाका था। माओवादी पार्टी का इसे पर्याय माना जाता था। इसका नक्सली सफर 1985 से शुरू हुआ था। इसने वारंगल के क्षेत्रीय इंजीनियरिंग कॉलेज में पढ़ाई की थी। नक्सली हिंसा लंबे समय से देश के अनेक प्रांतों में आंतरिक मुसीबत बनी हुई है। वामपंथी माओवादी उग्रवाद देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा माना जाता रहा है। लेकिन चाहे जहां रक्तपात की नदियां बहाने वाले इस उग्रवाद पर लगभग नियंत्रण किया जा चुका है। इसलिए अमित शाह ने लोकसभा में नक्सल मुक्त भारत मुद्दे पर चली चर्चा का उत्तर देते हुए कहा कि एक समय 12 राज्य लाल

आतंक का गलियारा बन गए थे। कानून व्यवस्था नहीं थी। देश में अब नक्सलवाद खत्म हो गया है। शाह ने बताया कि इस दौरान 706 नक्सली मारे गए, 4800 ने समर्पण किया हैं और 2000 गिरफ्तार हुए हैं। इस समस्या के परिप्रेक्ष्य में कांग्रेस को घेरते हुए शाह ने कहा, 75 साल में 60 साल कांग्रेस ने राज किया। लेकिन उसने आदिवासियों को न घर दिए, न पानी न स्कूल बनाए और न ही बैंकिंग सुविधाएं पहुंचाई।' शाह का यह बयान तर्कसंगत है, क्योंकि शहरी वामपंथियों से भयभीत कांग्रेस नेतृत्व नक्सलवाद को कश्मीर के आतंकवाद और पूर्वोत्तर के उग्रवाद की तरह बड़ी चुनौती तो मानती थी, लेकिन उससे निपटने की कभी कोई कठोर रणनीति नहीं बनाई। यही कारण रहा कि छत्तीसगढ़ के जगदलपुर इलाके में नक्सली आतंक बेखौफ फलता-फूलता रहा। इसमें कोई दो राय नहीं कि छत्तीसगढ़ में नक्सली तंत्र को कमजोर करने की दृष्टि से सरकार ने बहुआयामी कदम उठाएं। सबसे पहले उन नगरीय बौद्धिकों पर शिकंजा कसा, जो इन्हें राष्ट्रविरोधी वामपंथी वैचारिक खुराक देते थे। केंद्र सरकार ने सुरक्षाबलों को आधुनिक हथियार एवं यांत्रिक सुविधाएं देकर इन्हें सशक्त बनाया। कुछ कानून शिथिल करके नक्सलवाद को खत्म करने का अभियान छेड़ दिया। इसका परिणाम निकला कि एक के बाद एक खून की इबारत लिखने वाले नक्सली मारे जाने लगे। जो नक्सली समर्पण के लिए तैयार हुए उन्हें समर्पण का अवसर और समझौते में बताई गई शर्तों पालन करने का भरोसा दिया। नतीजतन इसके पहले तक गुप्तचर एजेंसियां नक्सलियों का सुराग लगाने में असफल रहती थीं, उन्हें नक्सलियों पर शिकंजा कसने के बाद भरोसे की सूचनाएं मिलने लगीं। इस रणनीति के बाद से सैन्यबलों को सटीक सूचनाएं मिलीं और वे नक्सलियों को निशाना बनाने में लगातार कामयाब होने लगे। छत्तीसगढ़ के ज्यादातर नक्सली आदिवासी हैं। इनका कार्यक्षेत्र वह आदिवासी बहुल इलाके हैं, जिनमें ये खुद आकर नक्सली बने हैं। इसलिए इनका सुराग सुरक्षाबलों को लगा पाना मुश्किल होता है। लेकिन ये इसी आदिवासी तंत्र से बने मुखबिरों से सूचनाएं आसानी से हासिल कर एजेंसियों को खबर देने लगे। दुर्गम जंगली क्षेत्रों के मार्गों में छिपने के स्थलों और जल स्त्रोतों से भी ये खूब परिचित थे। इसलिए ये और इनकी शक्ति लंबे समय से यहीं के खाद-पानी से पोषित होती रही है। दरअसल इन वनवासियों में अर्बन माओवादी नक्सलियों ने यह भ्रम फैला दिया था कि सरकार उनके जंगल, जमीन और जल-स्त्रोत उद्योगपतियों को सौंपकर उन्हें बेदखल करने में लगी है, इसलिए यह सिलसिला जब तक थमता नहीं है, विरोध की रक्तरंजित मुहिम जारी रखनी है। सरकारें इस समस्या के निदान के लिए बातचीत के लिए भी आगे आईं, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। इन्हें बंदूक के जरिए भी काबू में लेने की कोशिशें हुई हैं। लेकिन नतीजे पूरी तरह अनुकूल नहीं रहे। एक उपाय यह भी हुआ कि जो नक्सली आदिवासी समर्पण कर मुख्यधारा में आ गए थे, उन्हें बंदूकें देकर नक्सलियों के विरुद्ध खड़ा करने की रणनीति भी अपनाई गई। इस उपाय में खून-खराबा तो बहुत हुआ, लेकिन समस्या बनी रही। गोया, आदिवासियों को मुख्यधारा में लाने से लेकर विकास योजनाएं भी इस क्षेत्र को नक्सल मुक्त करने में असफल रहीं। दरअसल, देश में अब तक तथाकथित शहरी बुद्धिजीवियों का एक तबका ऐसा भी रहा, जो माओवादी हिंसा को सही ठहराकर संवैधानिक लोकतंत्र को मुखर चुनौती देकर नक्सलियों का हिमायती बना हुआ था। यह न केवल उनको वैचारिक खुराक देकर उन्हें उकसाने का काम करता था, बल्कि उनके लिए धन और हथियार जुटाने के माध्यम भी खोले हुए था। बावजूद इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि जब ये राष्ट्रघाती बुद्धिजीवी पुख्ता सबूतों के आधार पर गिरफ्तार किए गए तो बौद्धिकों और वकीलों के एक गुट ने देश के सर्वोच्च न्यायालय को भी प्रभाव में लेने की कोशिश की थी और गिरफ्तारियों को गलत ठहराया था। माओवादी किसी भी प्रकार की लोकतांत्रिक प्रक्रिया और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को पसंद नहीं करते थे। इसलिए जो भी उनके खिलाफ जाता था, उसकी बोलती बंद कर दी जाती थी। हालांकि तत्काल तो इस चरमपंथ पर पूर्ण अंकुश लगता दिखाई दे रहा है, लेकिन सरकार को ध्यान रखना होगा कि नक्सलियों के जो भी नगरीय बौद्धिक समर्थक हैं, उनके तार देश-विदेश में उन नक्सल समर्थक वामपंथियों से जुड़े हैं, जो माओवादियों को वैचारिक खुराक, धन और हथियार उपलब्ध कराते रहे हैं। सरकार की सतर्कता कम होती दिखाई देगी तो ये वामपंथी हताश एवं निराश माओवादियों को सिर उठाने के संसाधन फिर से देने लग जाएंगे।

लघुकथा

इस पार न सही

"आज फिर वहाँ क्या कर रहे थे?" "नदी का बहना मुझे अपनी ओर खींचता है, इसलिए आज भी वहाँ था।" "नदी का बहना...? ये क्या बात हुई। "तुम्हीं तो कहा करती थीं कि तुम्हारा प्यार नदी के उस बहाव की तरह है जो ऊर्जा से कभी रिक्त नहीं होता।" उसने कहा। "वो तो ठीक है पर कभी उस बहाव का हिस्सा मत बन जाना।" "उसके लिए हिम्मत चाहिए जो मुझमें है या नहीं, मैं नहीं जानता।" उसने चाहा कि वह कह दे पर कह नहीं पाया। "कुछ बोलते क्यों नहीं? मैने कहा है कि कभी उसके साथ बह मत जाना।" "ऐसा कुछ हो गया तो तुम्हें अब क्या फर्क पड़ेगा?" वह यह भी नहीं कह पाया। "मौनव्रत ले लिया है क्या?" वो झल्लायी। "हाँ! यही समझ लो। अब मौन हो जाना चाहता हूँ। जिंदगी इतनी कठोर सतह है, इसकी तपिश अब सही नहीं जाती।

नदी का प्रवाह शायद इस तपिश को समेट ले।" "या तो बोल नहीं रहे थे और अब बोले हो तो मौन में लिपटी बातें? किसे सजा दे रहे हो इन बातों से?" "ईश्वर कुछ रिश्ते सजा देने के लिए ही बनाता है। सजा भी उन अपराधों की जो अपनी मरजी से नहीं किए जाते।" "बहुत खराब हो तुम।" "खराब ही तो हूँ। खराब न होता तो तुमसे मिलने का अपराध कैसे करता।" "अपराध तो मैंने किया है, सजा भी मुझे ही भुगतने दो।" "कब तक झूठ बोलोगी तुम?" "क्या करूं, और कोई चारा भी तो नहीं है। न इस पार आ पाई, न उस पार जा सकी।" वो भी कहना चाहती थी पर कह न सकी। उत्तर नहीं मिला तो वो उठा और फिर से नदी की ओर बढ़ गया। वह उसे जाते हुए देखती रही। उसकी आँखों में लाचारी के आंसुओं के सिवा कुछ नहीं था। उसके बुझे और थके हुए कदम उस बड़ी नदी की ओर बढे ही थे कि उसके रास्ते में उसकी तीव्र धारा से निकली एक छोटी नदी आ गयी। उसने पूछा, "कहाँ जा रहे हो?" "उस बड़ी नदी की तीव्र धारा का आलिंगन करने। अब यही मेरी नियति है।" उसने कहा। "लगता है नियति से लड़ नहीं पाए! इसीलिए बहकी-बहकी बातें कर रहे हो। जानते हो मैं और मेरा जल उसी बड़ी नदी के साथ तीव्रता से बह रहे थे। हमारी नियति तय थी परन्तु तभी मार्ग में बड़े - बड़े पत्थरों के अवरोध आ गए। हमने समर्पण नहीं किया। मार्ग बदल लिया। मार्ग बदलते ही हमारी नियति भी बदल गयी। अब हम उस बड़ी नदी और उसके साथ किसी भी अवरोध से मुक्त हैं और देखो अपने नए रूप में धरती पर बिखरे छोटे-छोटे खेतों में खड़ी फसल की प्यास बुझाने जा रहे हैं।" छोटी नदी ने गर्व से अपनी करनी का बखान किया। वह सोचने की प्रश्नवाचक मुद्रा में खड़ा हो गया। "किस दुविधा में डूबे हो। जीवन में मार्ग कभी अवरुद्ध नहीं होते। जाओ अपनी ऊर्जा, जो छिटक गयी है, उसे फिर से संचित करो, कुछ समय बाद पाओगे कि नया मार्ग तुम्हारी प्रतीक्षा कर रहा है।" छोटी नदी के जल से आवाज आयी। उसने पाया कि उसकी सारी थकान मिट चुकी है और पाँव आगे बढ़ने को आतुर हैं।

कहानी

चींटी सेना

विष्णु शर्मा

बहुत समय पहले की बात है। किसी वन में एक अजगर रहता था। वह बहुत अभिमानी तो था ही, अत्यंत क्रूर भी था। वह जब बाहर निकलता सब जीव उससे डरकर भागने लगते। एक बार अजगर शिकार की तलाश में घूम रहा था। सारे जीव उसे बाहर निकला देख भाग चुके थे। उसे कुछ न मिला तो वह क्रोधित होकर फुफकारते हुए, भोजन की तलाश करने लगा। एक हिरणी अपने नवजात शिशु को पत्तियों के ढेर के नीचे छिपाकर स्वयं भोजन की तलाश में दूर निकल गई थी। अजगर की फुफकार से सूखी पत्तियाँ उड़ने लगीं और हिरणी का बच्चा नजर आने लगा। अजगर की नजर उस पर पड़ी। हिरणी का बच्चा उस भयानक जीव को देखकर डर के मारे काँपने लगा लेकिन उसके मुँह से चीख तक न निकल पाई। अजगर ने देखते-ही-देखते नवजात हिरण के बच्चे को निगल लिया। तब तक हिरणी भी लौट आई थी, पर वह क्या करती? आँखों में आँसू भर, जड़ होकर दूर से अपने बच्चे को काल का ग्रास बनते देखती रही। दुखी हिरणी ने अजगर से बदला लेने की ठान ली। हिरणी की एक नेवले से दोस्ती थी। शोक में डूबी हिरणी अपने मित्र नेवले के पास गई और रो-रोकर उसे अपनी दुःख भरी कथा सुनाई। नेवले को भी बहुत दुःख हुआ। वह दुःख भरे स्वर में बोला, "मित्र, मेरे बस में होता तो मैं उस नीच अजगर के सौ टुकड़े कर डालता। पर क्या करें, वह छोटा-मोटा साँप नहीं है, जिसे मैं मार सकूँ, वह तो एक अजगर है। अपनी पूँछ की फटकार से ही मुझे अधमरा कर देगा। तुम चिंता मत करो। यहाँ पास ही में चींटियों की एक बाँबी है। चींटियों की रानी मेरी मित्र है। उससे सहायता माँगते हैं।" हिरणी ने निराशा भरे स्वर में कहा, "अगर तुम अजगर का कुछ नहीं बिगाड़ सकते तो भला वह छोटी सी चींटी क्या करेगी?" नेवले ने कहा, ऐसा मत सोचो। उसके पास चींटियों की एक बहुत बड़ी सेना है। संगठन में बड़ी शक्ति होती है। " हिरणी को कुछ आशा बंधी। नेवला हिरणी को लेकर चींटी रानी के पास गया और उसे सारी कहानी सुनाई। चींटी को दया आ गई, उसने सोच-विचारकर कहा, "हम तुम्हारी सहायता करेंगे । हमारी बाँबी के पास एक सँकरीला नुकीले पत्थरों भरा रास्ता है। तुम किसी तरह अजगर को उस रास्ते पर ले आओ। बाकी काम मेरी सेना पर छोड़ दो।" नेवले को अपनी मित्र चींटी रानी पर पूरा विश्वास था, इसलिए वह अपनी जान जोखिम में डालने को तैयार हो गया। अगले दिन नेवला अजगर के पास जाकर बोलने लगा। अपने शत्रु की बोलते सुनकर अजगर क्रोध से भरकर बाहर आ गया। नेवला उसी सँकरे रास्तेवाली दिशा में दौड़ा। अजगर ने पीछा किया। अजगर रुकता तो नेवला मुड़कर फुफकारता और अजगर को गुस्सा दिलाकर फिर पीछा करने को मजबूर करता। इस प्रकार अजगर उस पथरीले रास्ते पर आ गया और नुकीले पत्थरों से उसका शरीर छिलने लगा और जगह-जगह से खून टपकने लगा था। उसी समय चींटियों की सेना ने उस पर हमला कर दिया। चींटियाँ उसके शरीर पर चढ़कर छिले शरीर पर को काटने लगीं। अजगर तड़प उठा। अपना शरीर पटकने लगा, जिससे और मांस छिलने लगा और चींटियों वहीं काटने लगीं। असहाय अजगर चींटियों का कुछ नहीं बिगाड़ सकता था। वे हजारों की संख्या में उस पर टूट पड़ीं थीं। कुछ ही देर में क्रूर अजगर ने तड़प-तड़पकर दम तोड़ दिया।

किराये का दुख

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

(व्यंग्य)

प्रचार के अंतिम चरण में घपलेराम ने गांव की चौपाल पर एक 'आँसू-बैंक' स्थापित किया। यह वास्तव में एक पुराना वाटर कूलर था जिस पर उन्होंने 'संवेदना संग्राहक' लिखवा दिया था। उन्होंने गांव वालों को पट्टी पढ़ाई कि जो भी व्यक्ति उन्हें वोट देने की प्रतिज्ञा करेगा, उसके जीवन के सारे 'सामाजिक कर्तव्य' यह मशीन स्वचालित रूप से निभा देगी।

कंचनपुर गांव के चतुर सुजान 'घपलेराम' ने जब इस बार प्रधानी का चुनाव लड़ा, तो उन्होंने गांव की सबसे बड़ी और प्राकृतिक समस्या को अपना हथियार बनाया–'समय का अभाव'। घपलेराम का तर्क था कि आज का ग्रामीण इतना व्यस्त

है कि उसके पास अपने रिश्तेदारों की मृत्यु पर रोने या बीमार पड़ोसी का हाल चाल पूछने तक का समय नहीं है। उन्होंने अपने घोषणापत्र में वादा किया कि जीतते ही वे गांव में 'इमोशनल आउटसोर्सिंग केंद्र' खोलेंगे। यदि आपके घर में कोई गमी हो जाए और आपको दफ्तर जाना हो, तो सरकार की ओर से 'प्रोफेशनल रोदली' भेजी जाएगी जो आपके हिस्से का विलाप ससुरारी धुन में करेगी। गांव के लोग, जो सामाजिक लोकलाज और काम के बोझ के बीच पिसे जा रहे थे, अचानक इस 'किराये की संवेदना' वाले विचार पर ऐसे रीझे कि उन्हें घपलेराम साक्षात कलयुग के श्रवण कुमार लगने लगे। प्रचार के अंतिम चरण में घपलेराम ने गांव की चौपाल पर एक 'आँसू-बैंक' स्थापित किया। यह वास्तव में एक पुराना वाटर कूलर था जिस पर उन्होंने 'संवेदना संग्राहक' लिखवा दिया था। उन्होंने गांव वालों को पट्टी पढ़ाई कि जो भी व्यक्ति उन्हें वोट देने की प्रतिज्ञा करेगा, उसके जीवन के सारे 'सामाजिक कर्तव्य' यह मशीन स्वचालित रूप से निभा देगी। विपक्षी उम्मीदवार 'सीधे सादे राम' खड़ंजे और हैंडपंप की बात कर रहे थे, लेकिन जनता को तो उस भविष्य की चिंता थी जहाँ उन्हें किसी की तेहरवीं में बैठकर झूठी उदासी नहीं दिखानी पड़ेगी। घपलेराम ने कुछ भाड़े के कलाकारों को बुलाकर गांव में एक 'मॉक विलाप' करवाया, जिसे देखकर ग्रामीणों को लगा कि अब उनकी आत्मा का बोझ हल्का हो गया है। लोग अपनी मेहनत की कमाई घपलेराम के चरणों में अर्पित करने लगे ताकि उनका सामाजिक जीवन 'ऑटो-पायलट' मोड पर आ सके। जिस दिन चुनाव का परिणाम आया और घपलेराम की प्रचंड जीत हुई, पूरा गांव अपने 'संवेदना कूपन' लेने उनके घर पहुँचा। लोग चाहते थे कि अगले हफ्ते होने वाली एक शादी और दो मुंडनों के लिए घपलेराम अपने 'प्रोफेशनल प्रतिनिधि' भेजें। घपलेराम अपनी नई सफारी गाड़ी से उतरे और सबके हाथ में एक-एक पत्थर थमाते हुए बोले– "भाइयों, संवेदनाएं आउटसोर्स नहीं होतीं, सिर्फ बेची जाती हैं!" जनता हक्की-बक्की रह गई, "हुजूर, हमारे उन प्रोफेशनल रोने वालों का क्या हुआ?" घपलेराम ने चश्मा ठीक किया और ठहाका मारकर बोले, "मूर्खों! रोने वाले तो तुम खुद हो जो अगले पांच साल तक अपनी इस बेवकूफी पर मातम मनाओगे। मैंने तो तुम्हारी भावनाओं का सौदा करके शहर में अपना 'इवेंट मैनेजमेंट' का दफ्तर खोल लिया है। अब इन पत्थरों को अपने सीने पर रखो और खुद के भाग्य पर रोना शुरू करो।" जनता सन्न खड़ी उस सूखे वाटर कूलर को देख रही थी और घपलेराम 'इमोशनल बिजनेस' की धूल उड़ाते हुए शहर की ओर उड़नछू हो गए।

दबंगो ने नगर पंचायत की सरकारी भूमि का करा लिया बैनामा

चेयरमैन ने कहा कि महिला के नाम गलत तरीके से हो गया था पट्टा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। कुरावली नगर पंचायत की बेशकीमती भूमि पर एक महिला के नाम गलत पट्टा हो जाने पर दबंगो ने महिला को अपने झांसे में लेकर पहले तो उक्त भूमि का एग्रीमेंट करा लिया, जिसका समय पूरा भी नहीं हुआ था, उस महिला को किसी दूसरी भूमि में सुधार कराने के नाम पर सरकारी भूमि का बैनामा करा लिया। नगर पंचायत के किसी अधिकारी को इस पूरे खेल के बारे में कोई जानकारी नहीं थी, महिला और दबंगो के बीच पैसे लेनदेन को लेकर जब विवाद शुरू हुआ तब इसकी खबर नगर पंचायत को लगी, जिसके बाद नगर पंचायत ने गलत तरीके से हुए पट्टे को निरस्त कराने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

चेयरमैन धर्मेन्द्र वर्मा धम्मा ने बताया कि कुरावली नगर पंचायत की सुजरई मौजा में गाटा संख्या 299 में 0.0650 हेक्टेयर जमीन है, चेयरमैन बताते है कि इस भूमि का प्रशासन द्वारा क्षेत्र के गांव लुखरपुरा निवासी महिला रेशमदेवी पुत्री महाराज सिंह के नाम पर गलत पट्टा हो गया है, जबकि रेशमदेवी यहां पर रहती ही नहीं है। लुखरपुरा में उनका मायका है। इस भूमि का गलत पट्टा हो जाने के बाद भी इस भूमि पर कभी भी रेशमदेवी काबिज नहीं रहीं, इसकी उन्हें खबर भी नहीं थी, लेकिन जब इसकी खबर कुरावली के कैलाश चन्द्र पुत्र रामप्रकाश गुप्ता निवासी मोहल्ला कुंवरपुर नसरतपुर कुरावली, रघुनंदन सिंह पुत्र राजेंद्र कुमार निवासी फर्दखाना कुरावली, शैलेन्द्र कुमार पुत्र मोहकम सिंह निवासी नगला छड़े कुरावली व अजय कुमार पुत्र अवनीश कुमार निवासी बैदनटोला कुरावली को लगी तो इस सरकारी भूमि का इकरारनामा इन लोगो के नाम पर हो गया।

नगर पंचायत ने पट्टा निरस्त कराने की प्रक्रिया कर दी शुरू, जल्द पट्टा होगा निरस्त

कुछ ही महीनों के बाद बैनामा भी हो गया

इस इकरारनामा में पांच लाख पचास हजार रुपए की धनराशि रेशमदेवी को देना दशार्या गया हैं, इस इकरारनामा के कुछ ही महीनों के बाद इस भूमि का विशाल दिवाकर के नाम पर बैनामा भी हो गया, इकरारनामा में पांच लाख रुपए रेशमदेवी को देना दशार्या गया हैं, लेकिन अब रेशमदेवी भी बिना रुपए दिए बैनामा करा लेने की कार्रवाई के लिए भटक रहीं है। जबकि हकीकत उनके द्वारा भी नही बताई जा रहीं हैं कि बेशकीमती जमीन का पट्टा उनके नाम पर गलत तरीके से हो गया है। जबकि कि इस भूमि की असली कीमत सरकारी सर्किल रेट के अनुसार एक करोड़ 80 लाख रुपए हैं, अब लोगो को समझने में देर नहीं लगेगी कि इस भूमि का बैनामा केवल पांच लाख रुपए में हो गया, जबकि इसकी कीमत करोड़ो में है।

क्या बोले एसडीएम कुरावली

नगर पंचायत की सरकारी भूमि का गलत तरीके से किसी महिला के नाम पर पट्टा हो जाने की जानकारी चेयरमैन द्वारा दी गई हैं, अगर गलत तरीके से पट्टा हुआ है तो उसे निरस्त कराने के लिए डीएम न्यायालय में मुकदमा डालना पड़ेगा, सुनवाई के बाद पट्टा निरस्तीकरण की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। - नीरज द्विवेदी, एसडीएम कुरावली।

कुरावली के ओयो होटलों में होता है देह व्यापार का नंगा नाच

अनमैरिड कपल के लिए भी इन ओयो होटल में कमरा मिल जाता

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कुरावली/मैनपुरी। नगर के बाहर सुनसान इलाके में कुकरमुत्तो की खोले गए ओयो होटल पुलिस प्रशासन के लिए चुनौती बने हुए है। इन होटलो में देह व्यापार का नंगा नाच हो रहा हैं, लेकिन इन पर कार्रवाई न होने से इनके संचालको के हौसले बुलंद है। कुरावली में कस्वा से करीब तीन से चार किलोमीटर की दूसरी पर नेशनल हाईवे किनारे सहित अन्य स्थानों पर करीब आधा दर्जन से ज्यादा ओयो होटल खुले हुए है।

कुरावली में नेशनल हाईवे किनारे गांव नानामऊ और महादेवा के बीच में ओयो होटल खोला गया हैं, इसके संचालक की ताकत देखिए इसने तो पुलिस प्रशासन को सीधी चुनौती देते हुए बिना शादी वाले प्रेमी प्रेमिकाओं के लिए कमरा उपलब्ध होने का नेशनल हाईवे किनारे बोर्ड लगा रखा है। जब हाईवे किनारे लगे हुए बोर्ड पर सभी की निगाह पड़ती तो क्या रुटीन चेकिंग करने वाली पुलिस की निगाह कैसे नहीं पड़ी, यह एक बड़ा सवाल है। इस ओयो होटल के बारे में आसपास के ग्रामीण बताते है कि यहां पर दिन में कई बार युवक और युवतियां साथ में आते है और काफी देर रुकने के बाद चले जाते है। कुछ ग्रामीण तो आक्रोशित होते हुए देह व्यापार का नगा नाच बताते हुए ओय होटल को जल्दी बंद कराने की मांग कर रहे थें।

अवैध रुप से संचालित है ज्यादातर ओयो होटल

अगर हम ओयो होटल के संचालन की बात करें तो कुरावली में ज्यादातर ओय होटल अवैध रुप से संचालित किए जा रहे हैं, जब कि ओयो होटल के संचालन के लिए जीएसटी नंबर, नगर निगम का लाइसेंस, अग्नि सुरक्षा एनओसी, और होटल का मालिकाना हक/लीज एग्रीमेंट, होना जरुरी हैं, लेकिन कुरावली में कोई भी मानक जरुरी नहीं है।

क्या बोले सीओ कुरावली

कुरावली में संचालित ओयो होटलों की नियमित चेकिंग कराई जाएगी, अगर नियमो के विरुद्ध इनका संचालन पाया जाता हैं तो इनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।
- सच्चिदानंद सिंह, सीओ कुरावली।

सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे को लेकर एसडीएम से शिकायत

मोर्निंग सिटी संवाददाता

भोगांव/मैनपुरी। तहसील क्षेत्र के ग्राम अजीतगंज मे दवंगो द्वारा ग्राम समाज की भूमि पर अवैध कब्जा कर लेने को लेकर भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति के अध्यक्ष नरायण पाण्डेय के नेतृत्व मे ग्रामीणों ने उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौपकर अवैध कब्जा हटाये जाने की मांग की है। शनिवार को किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष नरायण पाण्डेय ने उपजिलाधिकारी को सौपे ज्ञापन मे कहा है कि तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत अजीतगंज मे गाटा संख्या 789 जो कि राजस्व अभिलेखो मे ग्राम समाज की भूमि मे दर्ज है इस भूमि पर गांव के मलिखान सिंह एंव अन्य लोगो ने अवैध कब्जा कर लिया है उन्होने उपजिलाधिकारी से राजस्व टीम को भेजकर पैमाइश करवाकर कब्जा हटवाये जाने की मांग की है। सतेन्द्र सिंह, मन्जू दुबे, नवलकिशोर दुबे, अमित पाण्डेय, सुमित पाण्डेय, इकरार मुहम्मद, सलमान खान आदि मौजूद थे।

परिवार परामर्श केन्द्र पर पत्रावलियो की सुनवाई

मोर्निंग सिटी संवाददाता

भोगांव/मैनपुरी। समाज मे आये दिन पति पत्नी के विवाद बढने से नौवत तलाक तक पहुचने लगी है जिसको लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तहसील मुख्यालय मे स्थित थानों पर परिवार परामर्श केन्द्र पर महिलाओ के उत्पीडन को लेकर समिति का गठन किया है थाना कोतवाली मे लगभग आठ माह से परिवार परामर्श केन्द्र स्थित है जो दर्जनो की संख्या मे पति पत्नी के विवाद को निस्तारण कराया जा चुका है किन्तु उसके बाबजूद भी बहुत से मामले आज भी निस्तारित होने के लिये प्रतीक्षारत है हालाकि समिति की प्रभारी मोनिका चौधरी एंव महिला सदस्यो द्वारा निस्तारण के लिये हर सम्भव प्रयास किये जा रहे है। शनिवार को थाना कोतवाली मे स्थित परिवार परामर्श केन्द्र पर 11 पत्रावलिंया की सुनवाई होनी थी जिसमे बनकिया की एलिस मैसी पत्नी निर्मोद के आपस मे सुलह समझौता हुआ है लेकिन दोनो पति पत्नी को समझने के लियें अगली तारीख निर्धारित की गई है। चार पत्रावलिंयो मे एक पक्ष आया जबकि दूसरा पक्ष न आने के कारण अगली तारीख दी गई। महिला आरक्षी सोनू ने बताया कि पति पत्नी की आमने सामने बैठकर काउसिलिंग कराई जाती है किन्तु अनेको मामले ऐसे सामने आते है जिसमे महिला बातचीत करने के बाबजूद भी कोई निष्कर्ष नही निकाल पाती है। इस मौके पर ममता भदौरिया, साधना तिवारी आदि मौजूद थे।

खलियान की भूमि पर नामजदों ने कर लिया कब्जा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

किशनी/मैनपुरी। गांव दौलतपुर कमलपुर निवासी राजवीर पुत्र श्यामलाल ने तहसील दिवस में लिखित प्रार्थना पत्र देकर बताया कि गांव कमलपुर में खलियान के नाम पर भूमि अभिलेखों में दर्ज है। उन्होंने आरोप लगाया कि उक्त जमीन पर उनके गांव का ही कुछ नामजद गुंडागर्दी के बल पर अबैध कब्जा किए हुए हैं जिससे गांव वालों को काफी नुकसान और परेशानी हो रही है। उनका कहना है कि उन लोगों की फसले गेहूं चना लहसुन आदि रखने के लिए कोई खाली स्थान नहीं है। खलियान खाली न होने कारण उनकी फसले खेतों में पड़ी है। जब उन्होंने उक्त नामजद से कब्जा हटाने को कहा तो वह गाली गलौज पर उतारू हो गया और लड़ाई झगड़े पर आमादा है। उन्होंने लेखपाल द्वारा पैमाइश का उक्त खलियान की जमीन को रिक्त कराने की मांग की है।

गेहूं की फसल काटने से रोकने पर शिकायत

मोर्निंग सिटी संवाददाता

किशनी/मैनपुरी। जगदीश पुत्र साहब सिंह निवासी आवाजपुर मुडौसी ने एसडीएम को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उनकी जमीन गाटा संख्या 1308मि पर वह खेती करते चले आ रहे हैं उन्होंने आरोप लगाया कि उन्होंने अपने खेत में गेहूं की फसल बोई थी जब उन्होंने आधी फसल काट ली तो उनके परिवार के ही हाकिम पुत्र मनोज ने पुलिस बुला ली और आधा खेत अपना बताकर गेहूं की कटाई पर रोक लगा दी। उन्होंने कहा कि खेत में फसल उन्होंने बोई थी इसलिए उनको फसल काटने दी जाए।

भागवत कथा से मानव भव सागर से तर जाता

मोर्निंग सिटी संवाददाता

भोगांव/मैनपुरी। नगर के मुहल्ला चौधरी मे श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह के प्रथम दिन कथा से पूर्व बैण्ड बाजो के साथ कलश यात्रा निकाली गई जिसमे परीक्षित बने विकास मिश्रा सहित महिलाओ ने कलश यात्रा मे बढ चढकर भाग लिया। शनिवार को नगर के मुहल्ला चौधरी मे भानु मिश्रा एंव विकास मिश्रा के संयोजकत्व मे श्रीमद् भागवत कथा के आयोजन से पूर्व आचार्य डा0 पंकज मिश्रा ने बेद मंत्रों के उच्चारणो के साथ कलश यात्रा का शुभारम्भ करवाया। कलश यात्रा नगर के सोमेश्वर नाथ मन्दिर, गमा देवी मन्दिर सहित विभिन्न मन्दिरो मे भ्रमण कर रही थी तो वही युवा बैण्ड बाजो की धुन पर थिरकते हुयें साथ चल रहे थें महिलाये पीताम्बर बस्त्र पहनकर मंगलगीत गा रही थी, कलश यात्रा कथा स्थल पर जाकर समाप्त हुई।

हनुमान जी पर आपत्तिजनक टिप्पणी से माहौल गरमाया

आरोपी के खिलाफ थाने पर दी तहरीर, पर्यटन मंत्री बोले, धार्मिक आस्था से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी/एलाऊ। जनपद में इन दिनों एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जिसने क्षेत्र में आक्रोश का माहौल पैदा कर दिया है। वायरल वीडियो में एक युवक भगवान हनुमान जी के प्रति बेहद आपत्तिजनक, अशोभनीय एवं अपमानजनक भाषा का प्रयोग करता हुआ दिखाई दे रहा है। वीडियो सामने आने के बाद लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं और क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन गई है।

शनिवार शाम थाना कोतवाली सदर क्षेत्र के गांव खरपरी निवासी लकी चौहान पुत्र उभयराज सिंह ने थाना एलाऊ पहुंचकर एक शिकायती प्रार्थना पत्र दिया। शिकायत में उन्होंने आरोप लगाया कि थाना एलाऊ क्षेत्र के गांव भावत निवासी गौरव जाटव पुत्र सियाचरण ने एक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर प्रसारित किया है। आरोपी युवक ने वीडियो में भगवान हनुमान जी को लेकर अभद्र टिप्पणी करते हुए उन्हें बंदर बताया तथा अश्लील भाषा का प्रयोग किया। इतना ही नहीं उसने भगवान शिव को पत्थर की मूर्ति कहकर हिंदू धर्म की मान्यताओं को पाखंड बताया। इस तरह की टिप्पणी कर उसने धार्मिक आस्था का उपहास उड़ाते हुए समाज में वैमनस्य और तनाव फैलाने का प्रयास किया है।

मुकदमा दर्ज करके कानूनी कार्रवाई की मांग

उन्होंने मांग की है कि आरोपी के खिलाफ सुसंगत धाराओं में तत्काल मुकदमा दर्ज कर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति इस प्रकार की हरकत करने का साहस न कर सके। साथ ही उन्होंने कहा अगर पुलिस इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं करती है, तो हम और हमारी टीम एवं सभी हिंदू संगठन एकत्रित होकर बड़ा प्रदर्शन करने के लिए मजबूर होंगे। फिलहाल पुलिस मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच में जुटी हुई है और प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी

वहीं इस मामले पर मैनपुरी पहुंचे पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने भी कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि किसी भी धर्म, वर्ग या समुदाय की धार्मिक आस्थाओं को ठेस पहुंचाने का किसी को अधिकार नहीं है। जो भी व्यक्ति इस प्रकार की गतिविधियों में शामिल पाया जाएगा, उसके खिलाफ प्रदेश सरकार कड़ी कार्रवाई करेगी।

क्या बोले थानाध्यक्ष एलाऊ

इस संबंध में थाना अध्यक्ष एलाऊ अवनीश त्यागी ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में आ चुका है और इसकी जांच की जा रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जांच के बाद उक्त व्यक्ति के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

फांसी के फन्दे पर लटका मिला हलवाई का शव

शादी समारोह में हलवाई का करता था काम, मचा कोहराम

मोर्निंग सिटी संवाददाता

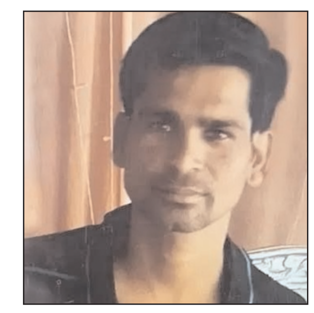

मैनपुरी। कोतवाली सदर थाना क्षेत्र के मोहल्ला भरतवाल में शुक्रवार की रात 29 वर्षीय युवक का शव घर के कमरे में फंदे पर लटका मिला, युवक हलवाई का काम करता था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से उतरवाने के बाद मोर्चरी में रखवाया, शनिवार को पोस्टमार्टम कराया गया हैं।

मोहल्ला भरतवाल निवासी 29 वर्षीय नेत्रपाल गोस्वामी शादी व अन्य कार्यक्रमों में हलवाई का काम करते थे। पिता की मौत के बाद वही परिवार की जिम्मेदारी उठा रहे थे। शुक्रवार रात करीब 10.30 बजे बिजली चली गई, कुछ देर बाद परिजन ने कमरे में जाकर देखा तो नेत्रपाल का शव फंदे पर लटका हुआ था, शोर शराबा सुनकर आसपास के लोग एकत्रित हो गए। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जानकारी जुटाई। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से जांच के लिए नमूने एकत्र किए। शनिवार को पोस्टमार्टम कराने के बाद पुलिस ने शव अंतिम संस्कार के लिए परिजन के सुपुर्द कर दिया। नेत्रपाल की मौत के बाद घर में मातम छाया है। परिजन का रो-रोकर बुरा हाल है।

अज्ञात वाहन की टक्कर बाइक सवार युवक की मौत

साथी घायल, दिल्ली से लौटकर ननिहाल जा रहा था मृतक

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी/कुरावली। शुक्रवार की रात्रि दिल्ली से लौटकर बाइक से अपनी ननिहाल जा रहे युवक की बाइक में अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे युवक गंभीर रुप से घायल हो गया, सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां पर डॉक्टरो ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेजा है।

कुर्रा थाना क्षेत्र के गांव नगला कुआं निवासी 23 बर्षीय शैलेंद्र शाक्य पुत्र राजेंद्र सिंह अपने साथी अरुण कुमार निवासी सिकंदरपुर खिमसेपुर थाना मोहम्मदावाद जिला फरुखार्वाद को साथ लेकर बाइक द्वारा दिल्ली से लौटकर सिकंदरपुर खिमसेपुर थाना मोहम्मदावाद जिला फरुखार्वाद स्थित अपनी ननिहाल जा रहा था, शनिवार की सुवह 5 बजे कुरावली थाना क्षेत्र में एटा अंडरपास के निकट किसी अज्ञात वाहन ने शैलेंद्र की बाइक में टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रुप से घायल हो गया, सूचना मिलने पर कोतवाल ललित भाटी पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे, पुलिस ने घायल युवक को सीएचसी में भर्ती कराया, जहां पर चिकित्सको ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस की सूचना पर मृतक युवक के परिजन भी थाने पहुंच गए थें। परिजनों का रो रोकर बुरा हाल था।

मेला में आने श्रद्धालुओं और आमजन की सुरक्षा सर्वोपरि

श्रीदेवी मेला प्रदर्शनी की सुरक्षा का एसपी ने लिया जायजा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। कोतवाली सदर क्षेत्र कुरावली रोड स्थित शीतला माता मंदिर परिसर में आयोजित श्री देवी मेला एवं ग्राम सुधार प्रदर्शनी (नुमाइश) का शनिवार की देर सायं पुलिस अधीक्षक गणेश प्रसाद साहा ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मेले में उमड़ी भारी भीड़, सुरक्षा इंतजामों और पुलिस बल की तैनाती का गहनता से जायजा लिया। एसपी गणेश प्रसाद साहा ने मेला प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र सिंह चौहान के साथ पूरे मेला क्षेत्र का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं एवं आमजन की सुरक्षा सर्वोपरि है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने विशेष रूप से भीड़ नियंत्रण, यातायात व्यवस्था, संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रखने तथा महिला सुरक्षा को लेकर सतर्क रहने के निर्देश दिए। इसके साथ ही मेले में लगे पुलिस सहायता बूथ का भी निरीक्षण किया और वहां उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। सहायता बूथ के माध्यम से खोया-पाया, प्राथमिक चिकित्सा और अन्य जरूरी सेवाएं मुहैया कराई जा रही हैं।

मेला में पर्याप्त पुलिसवल तैनात किया गया

एसपी ने कहा कि मेले में बढ़ती भीड़ को देखते हुए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है और पूरे क्षेत्र में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। उन्होंने मेला प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र सिंह चौहान की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए पुलिस टीम का उत्साहवर्धन भी किया। मेले में सुरक्षा को लेकर पुलिस पूरी तरह सतर्क नजर आई और चप्पे-चप्पे पर निगरानी रखी जा रही है, जिससे श्रद्धालु सुरक्षित वातावरण में मेले का आनंद ले सकें।

हाईवे पर वसूली का वीडियो वायरल के चार दिन बाद भी जांच लटकी

एडीजी जोन के निदेशों के बावजूद कार्रवाई नहीं, पुलिस की कार्यशैली पर उठे सवाल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। कुरावली थाना क्षेत्र में बेसहारा पशुओं से लदे वाहन से अवैध वसूली से जुड़ा वायरल वीडियो के मामले में तीन दिन बीत जाने के बाद भी जांच की प्रक्रिया अधूरी बनी हुई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए एडीजी जोन आगरा द्वारा तत्काल कार्रवाई के निर्देश जारी किए गए थे, लेकिन स्थानीय स्तर पर अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है, जिससे प्रशासनिक कार्यशैली पर सवाल खड़े होने लगे हैं।

ज्ञात हो कि तीन दिन पूर्व एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ था, जिसमें नेशनल हाईवे से गुजरने वाले पशुओं से लदे वाहनों को रोककर अवैध वसूली किए जाने का मामला सामने आया था। वीडियो में एक युवक, जो कथित रूप से पुलिस से जुड़ा बताया जा रहा है, वाहनों से वसूली करता हुआ दिखाई दे रहा है। इस घटना के सामने आने के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया था। और लोगों में आक्रोश भी देखने को मिला था। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि वायरल वीडियो में दिख रहे युवक के मोबाइल की कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) की निष्पक्ष जांच कराई जाए, तो इस पूरे काले कारनामे से जुड़े कई अहम खुलासे हो सकते हैं।

थाने के सीसीटीवी रिकॉर्डिंग भी अहम

इसके अलावा, थाने में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच भी बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। लोगों का दावा है कि संबंधित युवक का थाने में शाम के समय नियमित आना-जाना रहा है, जिससे संदेह और गहरा हो गया है। ग्रामीणों और सामाजिक संगठनों ने इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि खुलेआम इस तरह अवैध वसूली का होना कानून- व्यवस्था पर सीधा सवाल खड़ा करता है। वहीं, इस मामले ने पुलिस की कार्यप्रणाली को भी कठघरे में खड़ा कर दिया है।

आखिर कब होगी दोषियो पर कार्रवाई

एक तरफ जहां प्रदेश सरकार पशु क्रूरता और अवैध गतिविधियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाने की बात करती रही है, लेकिन इसके बावजूद इस तरह की घटनाएं सामने आना चिंता का विषय बना हुआ है। अब सबकी नजरें प्रशासन पर टिकी हैं कि आखिर कब तक इस मामले में निष्पक्ष जांच पूरी कर दोषियों पर ठोस कार्रवाई की जाएगी।

बेटी की जुदाई न सह सका धर्मपाल, चार दिन बाद मौत

मां की मौत के बाद बिन मां की बेटी को संघर्षों से पाला

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी/किशनी। थाना क्षेत्र के नगला दूंदे में बिना मां की बेटी की शादी के बाद विदा के समय पिता उसकी जुदाई सहन नहीं कर सका और उसकी तबियत बिगड़ गई। परिजन उसको आनन-फानन में सीएचसी किशनी ले गए। हालत गंभीर होने पर उसको पीजीआई सैफई में भर्ती कराया। उपचार के दौरान शनिवार को उनकी मौत हो गई।

किशनी क्षेत्र के गांव नगला दूंदे निवासी 45 वर्षीय धर्मपाल नाथ की पत्नी की 10 वर्ष पहले मौत हो गई थी। पत्नी की असमय मौत के बाद उसने दो बेटियों और एक बेटे का पालन पोषण किया। धर्मपाल ने एक बेटे और एक बेटी की शादी कर दी थी। मंगलवार को उसकी दूसरी बेटी रश्मि की बरात कन्नौज जिले के गांव रुपे पुरवा हसरैन से आई थी। बुधवार को विदाई के समय धर्मपाल बेटी की जुदाई सहन नहीं कर सका और उसकी तबियत बिगड़ने लगी। परिजन उसको किशनी में निजी अस्पताल ले गए।

डॉक्टरों ने कहीं और दिखाने को कहा। परिजन उसको जिला अस्पताल इटावा ले गए। उपचार के बाद शाम को उसे घर ले आए। शुक्रवार की सुबह धर्मपाल की तबियत अचानक फिर बिगड़ने लगी। परिजन उसे सीएचसी लेकर आए। हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने सैफई यूपीयूएमएस के लिये रेफर कर दिया। सैफई में उपचार के दौरान शनिवार की सुबह धर्मपाल की मौत हो गई।

बेटी की बिदाई के बाद होने लगी थी दिक्कत

मृतक धर्मपाल के बहनोई गोपीनाथ ने बताया कि धर्मपाल ने पत्नी की मौत के बाद तीनों बच्चों को मुसीबत से पाला था। एक बेटा और एक बेटी की शादी करने के बाद मंगलवार को छोटी बेटी की बारात आई थी। बुधवार को विदाई के समय वह बेटी की जुदाई सहन नहीं कर पाया और उसके सीने में दिक्कत होने लगी। चार दिन बाद धर्मपाल की मौत हो गई।

रोडवेज बस अड्डा के गेट पर टैंपो चालको का कब्जा

हाईवे के सर्विस रोड पर ही रहता है कब्जा, पुलिस से की कार्यवाही की मांग

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी/किशनी। नगर में टेंपो और ई रिक्शा संचालकों का आतंक बढ़ गया है हर रोज टेंपो और रिशा चालक बस स्टेंड के मुख्य गेट ब हाइवे पर किनारे खड़े करके मार्ग को अवरोध करते है वही इनके कारण हादसे का भी खतरा बना रहता है, साथ ही हाइवे के किनारे सर्विस रोड पर भी इनका कब्जा बना हुआ है जिस कारण आवागमन करने बालो को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है, स्थानीय लोगों ने पुलिस से कार्यवाही करने की मांग की है।

स्थानीय निवासी गुड्डू शर्मा, अमित सिंह, मनोज कुमार, आनंद कुमार आदि ने बताया कि नगर में हर रोज आधा सैकड़ा से अधिक टेंपो और रिक्शा किशनी वेवर कुसमरा, इटावा मार्ग पर संचालित होते है, दिनों दिन इनकी संख्या अचानक और बढ़ गई जिस कारण आज हालात यह है कि भोर सुबह से लेकर देर शाम तक नगर के रोडवेज बस स्टेंड के मुख्य गेट पर इनका आतंक बना रहता है, कभी कभी रोडवेज की बसे भी इनके कारण स्टैंड के अन्दर नहीं जा पाती है आज हालात यह है कि गेट के साथ साथ हाइवे के किनारे डिवाइडर के पास टेंपो खड़े कर दिए जाते है जिस कारण मार्ग पर खतरे का अंदेशा बना रहता है और हाइवे पर निकल रहे वाहन स्वामियों को भी असुविधा का सामना करना पड़ता है, हाइवे के किनारे डिवाइडर के पास से निकल रही सर्विस रोड पर भी यह अपने वाहन खड़े कर देते है जिस कारण स्थानीय लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ता है, स्थानीय लोगों ने थाना पुलिस से इनके खिलाफ कार्यवाही की मांग की है।

सरकारी पाइप लाइन से निजी पाइपलाइन जोड़कर की जा रही सिंचाई

मोर्निंग सिटी संवाददाता

किशनी/मैनपुरी। कस्बा कुसमरा निवासी रामकुमार उर्फ पिंटू पुत्र वीरेंद्र सिंह ने तहसील दिवस में कुसमरा के वार्ड संख्या 10 की सभासद के खिलाफ एसडीएम को शिकायत कर बताया कि सभासद की राजनीतिक पहुंच होने का नाजायज लाभ उनके पति उठाते हैं उन्होंने कहा की सभासद पति ने अधिशाषी अधिकारी से सांठगांठ कर नगर पंचायत की पेयजल की पाइपलाइन से अपना निजी पाइप डालकर उससे अपना तथा अपने अन्य साथियों के खेतों की सिंचाई कर रहे हैं, जिससे नगर पंचायत की जल आपूर्ति बाधित हो रही है। उन्होंने बताया कि सभासद पति द्वारा पेयजल की पाइप लाइन का फसलों की सिंचाई के लिए निजी प्रयोग करने पर फसलों में पड़ने वाली विषैली दवाई का पेय जल में मिलने पर लोगों को विषाक्त जल पीना पड़ सकता है जिससे बड़ी घटना हो सकती है उनका कहना है कि उन्होंने मुख्यमंत्री के जनता दरबार में भी एक शिकायत की थी जिसके जवाब में अधिशाषी अधिकारी कुसमरा द्वारा कार्यालय में बैठे-बैठे ही उनसे बिना संपर्क किये मनमानी आख्या लगा दी गई उन्होंने आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है।

क्या बोले सभासद पति

वहीं सभासद के पति धर्मेंद्र शाक्य का कहना है कि उन्होंने नगर पंचायत कुसमरा से विधिवत कनेक्शन लिया है जिसका 1 साल का बिल वह नगर पंचायत को अग्रिम तौर पर भुगतान कर चुके हैं। शिकायतकर्ता रंजिशन उनकी शिकायत करता है।

स्कूली बच्चों की सुरक्षा के लिए जिले में बड़ा अभियान

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। स्कूली बच्चों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से परिवहन विभाग ने जनपद में व्यापक अभियान शुरू कर दिया है। परिवहन आयुक्त, उत्तर प्रदेश द्वारा शुरू किए गए यूपी इंटीग्रेटेड स्कूल व्हीकल मैनेजमेंट पोर्टल के तहत अब जिले के सभी विद्यालयों को 15 अप्रैल तक अनिवार्य रूप से पोर्टल पर ऑनबोर्ड किया जाएगा।

संभागीय परिवहन अधिकारी दीपक शाह के निर्देशन में परिवहन विभाग, जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग की संयुक्त टीम द्वारा सभी स्कूलों में तेजी से कार्यवाही की जा रही है। इस अभियान के अंतर्गत प्रत्येक विद्यालय चाहे उसके पास स्कूल वाहन हो या नहीं को पोर्टल पर पंजीकृत किया जा रहा है। साथ ही, विद्यालयों में संचालित सभी वाहनों का विवरण अपलोड कर उनका भौतिक निरीक्षण भी सुनिश्चित किया जा रहा है।

प्रशासनिक एवं परिवहन अधिकारियों ने बताया कि यह पहल बच्चों की सुरक्षा के लिहाज से अत्यंत महत्वपूर्ण है। पोर्टल के माध्यम से स्कूली वाहनों की निगरानी, फिटनेस, वैधता और सुरक्षा मानकों की प्रभावी जांच संभव हो सकेगी, जिससे परिवहन व्यवस्था अधिक पारदर्शी और सुरक्षित बनेगी।

जिले की सभी तहसीलों में संबंधित उप जिलाधिकारी की अध्यक्षता में शनिवार को बैठक आयोजित कर स्कूल प्रबंधकों और प्रधानाचार्यों को विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने बताया गया कि वे पोर्टल पर अपने विद्यालय के यूडाइस (वऊक्रए) कोड से लॉगिन कर प्रोफाइल अपडेट करें और विद्यालय व वाहनों का पूरा विवरण अनिवार्य रूप से दर्ज करें।

संभागीय परिवहन अधिकारी दीपक शाह ने सभी स्कूल प्रबंधकों, प्रधानाचार्यों से अपील की है कि वे इस महत्वपूर्ण अभियान में सक्रिय सहयोग करते हुए निर्धारित समयसीमा के भीतर अपने विद्यालय और वाहनों को पोर्टल पर ऑनबोर्ड कराना सुनिश्चित करें, ताकि स्कूली बच्चों की सुरक्षित यात्रा की दिशा में यह पहल सफल हो सके।

ऑपरेशन के बाद युवक की मौत, अस्पताल में हंगामा, परिजनों ने लगाए गंभीर आरोप

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़ । थाना क्वार्सी क्षेत्र से एक बेहद गंभीर और संवेदनशील मामला सामने आया है, जहां एक युवक की ऑपरेशन के बाद मौत हो जाने पर अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा हुआ। मृतक के परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही और जबरन पैसे वसूलने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं।बताया जा रहा है कि जवां क्षेत्र के सुमेरा गांव निवासी मेहंदी हसन को अचानक पेट में तेज दर्द उठा था। हालत बिगड़ने पर परिजन उन्हें क्वार्सी इलाके में एमएस पेट्रोल पंप के सामने स्थित नेशनल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद अपेंडिक्स का ऑपरेशन करने की बात कही। परिजनों का आरोप है कि बिना पूरी संतुष्टि और उचित जानकारी दिए जल्दबाजी में ऑपरेशन कर दिया गया।

मृतक के भाई नईम के अनुसार, ऑपरेशन के बाद भी मेहंदी हसन की हालत में कोई सुधार नहीं हुआ। करीब 9 दिनों तक अस्पताल में भर्ती रखने के बावजूद मरीज की स्थिति लगातार बिगड़ती रही और आखिरकार देर रात अस्पताल प्रशासन ने उसकी मौत की सूचना दे दी। जैसे ही यह खबर परिवार तक पहुंची, अस्पताल में चीख-पुकार मच गई और गुस्साए परिजनों ने जमकर हंगामा शुरू कर दिया।

परिजनों का आरोप है कि इलाज के नाम पर अस्पताल ने उनसे अब तक करीब दो लाख रुपये वसूल लिए। इसके लिए परिवार को कर्ज लेना पड़ा, यहां तक कि जमीन तक बेचनी पड़ी। अब आरोप है कि अस्पताल प्रशासन शव देने के बदले और पैसों की मांग कर रहा है, जिससे परिवार पूरी तरह टूट चुका है। मृतक की महिला परिजनों ने अस्पताल परिसर में रो-रोकर न्याय की गुहार लगाई। उनका कहना है कि अगर समय पर सही इलाज होता या रेफर किया जाता, तो शायद मेहंदी हसन की जान बच सकती थी। परिजनों ने यह भी दावा किया कि ऑपरेशन अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के जेएन मेडिकल कॉलेज के एक प्रतिष्ठित डॉक्टर द्वारा किया गया था, जिससे उम्मीदें और भी बढ़ गई थीं।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को काबू में करने की कोशिश की। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और अस्पताल प्रशासन से भी पूछताछ की जा रही है। यह घटना एक बार फिर निजी अस्पतालों की कार्यप्रणाली और स्वास्थ्य सेवाओं की पारदर्शिता पर सवाल खड़े करती है। आखिर कब तक मरीजों और उनके परिजनों को इस तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ेगा? क्या इस मामले में दोषियों पर कार्रवाई होगी? यह देखना अब बेहद अहम होगा।

तुझे ढावा चलाना है तो मुझे हर महीने पैसे देगा...

कोतवाल और कारखास सिपाहियों पर घूस मांगने का आरोप

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। कुरावली कोतवाली के कोतवाल और उनके कारखास सिपाहियों पर एक ढावा संचालक से घूस मांगने के आरोप लगाए गए है। पीड़ित ढावा संचालक ने मामले की शिकायत एसपी से की है। एसपी ने मामले में जांच के आदेश दिए है।

कुरावली थाना क्षेत्र के गांव नानामऊ निवासी विशाल मिश्रा गांव नानामऊ के सामने ही नेशनल हाईवे किनारे एक ढावा का संचालन करते है, विशाल मिश्रा का आरोप है कि कोतवाल ललित भाटी और उनके सिपाही लकी व एक अन्य सिपाही आए दिन उनके ढावा पर आकर उन्हे परेशान करते हैं, ढावा की पार्किग में खड़े बाहनो की फोटो खींच ले जाते है, और वाहन चालक को चालान होने की धमकी दी जाती हैं, तथा दोबारा ढावा पर न रुकने के लिए भी कहा जाता है।

मामले की शिकायत पर्यटन मंत्री से भी हो चुकी

पीड़ित ढावा संचालक ने एसपी को दिए शिकायती पत्र में कहा है कि वह मामले की शिकायत पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह से भी कर चुका है। जिसके बाद कोतवाल और सिपाही बोलते है कि देखते है तू क्या कर लेगा, इसके साथ ही जेल में डालने की धमकी दी जाती है। यह लोग कहते है कि ढावा चलाना चाह रहा है तो हर महीने मुझे पैसे देगा।

क्या बोले एसपी मैनपुरी

कोतवाल और सिपाहियो द्वारा ढावा संचालक को परेशान करने और घूस मांगने जैसा मामला संज्ञान में नहीं है। पीड़ित के द्वारा अगर शिकायती पत्र दिया गया है तो मामले की जांच के लिए भेजा गया हैं, जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।– गणेश प्रसाद साहा, एसपी मैनपुरी।

जिला अस्पताल में मरीज सुविधाओं को लेकर सख्त कदम, व्यवस्थाओं में सुधार के निर्देश

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़ । जिला अस्पताल में मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. जगबीर सिंह ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि अस्पताल में किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या असुविधा मरीजों को नहीं होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि हाल के दिनों में सामने आई समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए तत्काल सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। बिजली आपूर्ति को सुचारु बनाए रखने के लिए वैकल्पिक व्यवस्थाओं को मजबूत किया जा रहा है, ताकि मरीजों के उपचार में किसी प्रकार की बाधा न आए। डॉ. जगबीर सिंह ने कहा कि अस्पताल प्रशासन का प्राथमिक उद्देश्य मरीजों को सुरक्षित, सहज और गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराना है। इसके लिए सभी वार्डों में नियमित निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, चिकित्सा स्टाफ को भी मरीजों के प्रति संवेदनशील और जिम्मेदार रहने को कहा गया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। अस्पताल में साफ-सफाई, बिजली, पेयजल और अन्य बुनियादी सुविधाओं को दुरुस्त करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ने भरोसा दिलाया कि आने वाले दिनों में जिला अस्पताल की व्यवस्थाएं और बेहतर होंगी तथा मरीजों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

एक साल पुराने वैवाहिक विवाद का सुखद अंत, परिवार न्यायालय में हुआ पुनर्मिलन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़ । प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय संजीव फौजदार की अदालत में चल रहे एक वर्ष पुराने वैवाहिक विवाद का शनिवार को सुखद समाधान हो गया। धारा 9 हिंदू विवाह अधिनियम के अंतर्गत दायर वाद में काउंसलिंग के दौरान पति-पत्नी ने आपसी मतभेद भुलाकर साथ रहने का निर्णय ले लिया। मामले में वादी पति थाना गोंडा क्षेत्र का निवासी है, जबकि विपक्षी पत्नी थाना मडराक क्षेत्र की रहने वाली है। पत्रावली कोर्ट संख्या-4 में काउंसलिंग के लिए प्रस्तुत हुई, जहां पत्नी अपने पुत्र के साथ उपस्थित हुई। काउंसलिंग के दौरान दोनों पक्षों को विस्तार से समझाया गया। काउंसलर योगेश सारस्वत के प्रयासों से दोनों के बीच आपसी सहमति बनी। सकारात्मक संवाद के बाद पति-पत्नी ने साथ रहने का निर्णय लिया। काउंसलिंग के उपरांत वादी पति अपनी पत्नी और पुत्र को अपने साथ ले गया और दोनों ने हंसी-खुशी वैवाहिक जीवन आगे बढ़ाने की सहमति व्यक्त की। लगभग एक वर्ष से लंबित यह मामला काउंसलिंग के माध्यम से सुलझने पर न्यायालय परिसर में संतोष का वातावरण देखा गया।

एसडीएम ने सुनी समस्याएं, एक दर्जन आई शिकायतें

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी/किशनी। शनिवार को तहसील पर समाधान दिवस का आयोजन किया गया, उपजिलाधिकारी गोपाल शर्मा ने मौजूद रहकर लोगों की समस्याओं को सुना और जल्द ही निस्तारण का भरोसा दिया। इस मौके पर एक दर्जन लोगों ने समाधान दिवस में आकर शिकायत दर्ज कराई,एसडीएम ने कहा कि इस समय ओपीडा का कार्य तेजी से चल रहा है तहसील के अधिकांश लेखपाल इसी कार्य में लगे हुए है,जिस कारण शिकायतकर्ता परेशान न हो जल्द ही उनकी समस्या का भी निस्तारण किया जायेगा, सभी लेखपाल अपने क्षेत्र में माइनर और तालाबों का भी निरीक्षण कर ले। गर्मी का मौसम शुरू हो चुका है जल्द ही तालाबों में पानी भरना सुनिश्चित किया जायेगा, खराब पड़े हैडपंपों की लिस्ट बनाए जिससे कि उनको रिबोर किया जाए, इस अवसर पर तहसीलदार घासीराम, नायब तहसीलदार पुष्पेंद्र कुमार, डॉ नीरज अवस्थी, खंड शिक्षा अधिकारी सुनील दुबे, एसडीओ शेर सिंह, एडीओ अंजनी कुमार, मनोज प्रभाकर, लेखपाल संदीप यादव, वैभव कुमार, स्वदेश कुमार आदि मौजूद थे।

सेवानिवृत्ति होने पर गांव में डॉ. शैलेन्द्र का भव्य स्वागत

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कुरावली/मैनपुरी। शुक्रवार को गांव महादेवा निवासी डॉ. शैलेन्द्र सिंह यादव (पुत्र स्व. सौदान सिंह यादव), जो कि फिरोजाबाद स्थित जिला एवं प्रशिक्षण संस्थान में कार्यरत थे, अपनी सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत्त हो गए। सेवानिवृत्ति के उपरांत जब वे अपने पैतृक गांव महादेवा पहुंचे तो गांव वासियों और परिजनों ने उनका जोरदार स्वागत एवं सम्मान किया।

इस अवसर पर पूरे गांव में खुशी का माहौल देखने को मिला। ग्रामीणों ने फूल-मालाओं और सम्मान समारोह के माध्यम से डॉ. यादव के दीर्घकालीन सेवाकाल की सराहना की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मोहब्बत सिंह यादव, अनिल यादव, तिलक यादव, रामदास यादव, उपेंद्र सिंह यादव, बंटू यादव, रामनिवास यादव, प्रेमराज यादव, लालू यादव, शिवम यादव, रजत यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

क्रिकेट टूनामेंट में भोगांव रॉयल्स और किंग्स ने जीते मुकाबले

लक्ष्य का पीछा करने उतरी भोगांव नाइट राइडर्स टीम 84 रन पर ढेर

मोर्निंग सिटी संवाददाता

भोगांव/मैनपुरी। नगर के रामलीला मैदान में चल रहें अंशु त्रिवेदी स्मृति बीपीएल नाइट क्रिकेट टूनामेंट में शुक्रवार को खेले गए मुकाबलों में भोंगाव रॉयल्स एंव भोगांव किंग्स ने अपने अपने मुकाबले जीत लिये।

शुक्रवार की रात्रि आयोजित पहले मुकाबले में नाइट राइडर्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। भोगांव रॉयल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवर में 6 विकेट खोकर 128 रन बनाए जिसमे फरमान ने शानदार 56 रन, हर्देश ने 32 और अब्दुल्ला ने 18 रन का योगदान दिया। गेंदबाजी में मनजीत ने 3 विकेट, जबकि अंकित और नितेश ने एक-एक विकेट लिया। जवाब में भोगांव नाइट राइडर्स की टीम 8 ओवर में 84 रन पर सिमट गई और 44 रन से मैच हार गई जिसमे नीतीश ने 52 और निखिल ने 13 रन बनाए। रॉयल्स की ओर से फरमान ने 3 विकेट, प्रबल और नदीम ने दो-दो विकेट लिए। ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए फरमान को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

दूसरे मैच में भोगांव किंग्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। सनराइजर्स ने 10 ओवर में 6 विकेट पर 140 रन बनाए, जिसमें शाकिर ने 40, रजनीश ने 31 और गौरव ने 22 रन बनाए। किंग्स की ओर से सहदेव और महताब ने दो-दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए भोगांव किंग्स ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया और 7 ओवर में ही 1 विकेट खोकर 141 रन बनाकर 9 विकेट से मैच जीत लिया। जिसमे अजहर ने शानदार 80 रन, सहदेव ने 32 और मुमताज ने 25 रन बनाए। सनराइजर्स की ओर से अभिषेक को एक विकेट मिला। अजहर को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया।

टूनामेंट में इन्होने यह भूमिका निभाई

मैच का आंखों देखा हाल ऋषि चौहान ने सुनाया, जबकि स्कोरिंग की जिम्मेदारी नितिन और दीपू ने निभाई। अंपायर की भूमिका अमन और रवि ने निभाई। इस दौरान अनुज राजपूत, प्रबल ठाकुर, नीतेश राजपूत, अंशुमन यादव, प्रदीप राजपूत, अजय यादव, उत्तम शाक्य, अभिषेक शाक्य, अजय शाक्य, मंगल राजपूत और मनीष राजपूत सहित कई लोग मौजूद रहे।

रहस्यमयी हालात में ट्रांसपोर्टर की मौत

आगरा। थाना शाहगंज क्षेत्र के भोगीपुरा स्थित प्रकाश नगर में शनिवार तड़के एक ट्रांसपोर्ट संचालक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सड़क किनारे शव मिलने की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की गहन जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान मेवाती गली निवासी 55 वर्षीय अजहर अली के रूप में हुई है, जो लंबे समय से ट्रांसपोर्ट व्यवसाय से जुड़े थे। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया है और परिजनों ने मौत को संदिग्ध बताते हुए हत्या की आशंका जताई है। परिजनों के अनुसार, अजहर अली शुक्रवार रात जूते का माल लेकर जयपुर के लिए रवाना हुए थे। रात करीब दो बजे उन्होंने फोन कर बताया कि रास्ते में उनकी गाड़ी को एक जीएसटी अधिकारी ने रोक लिया है और वे आवश्यक कार्रवाई के लिए जीएसटी कार्यालय जा रहे हैं। इसके बाद उनसे संपर्क टूट गया और उनका मोबाइल फोन बंद हो गया। परिवार के लोग लगातार संपर्क करने का प्रयास करते रहे, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसी बीच तड़के करीब पांच बजे ट्रांसपोर्ट कंपनी से सूचना मिली कि अजहर अली का शव सड़क किनारे पड़ा हुआ है।

जनपद की तीनों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित, 152 शिकायतें दर्ज, 11 का मौके पर निस्तारण

मोर्निंग सिटी संवाददाता

गौतमबुद्धनगर। जनपद गौतमबुद्धनगर की तीनों तहसीलों दादरी, जेवर एवं सदर में आज संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुल 152 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 11 शिकायतों का निस्तारण संबंधित अधिकारियों द्वारा मौके पर ही कर दिया गया। शेष शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण हेतु संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया। तहसील दादरी में अपर जिलाधिकारी भू/अ0 बच्चू सिंह की अध्यक्षता में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में 106 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 08 का मौके पर निस्तारण किया गया। इसी क्रम में तहसील जेवर में अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे की अध्यक्षता में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में 41 शिकायतें दर्ज की गई, जिनमें से 02 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। इसी प्रकार तहसील सदर में उप जिलाधिकारी सदर आशुतोष गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में 05 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 01 शिकायत का मौके पर निस्तारण किया गया।

संपूर्ण समाधान दिवस में एसडीएम ने सुनीं शिकायतें

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कुरावली/मैनपुरी। शनिवार को तहसील परिसर में आयोजित समाधान दिवस में एसडीएम नीरज द्विवेदी ने क्षेत्रीय लोगों की समस्याओं को सुना।

इस दौरान कुल 16 शिकायती प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किए गए, जिनके निस्तारण के निर्देश एसडीएम ने संबंधित विभागों को दिए। इस दौरान क्षेत्रीय लोगों द्वारा राजस्व विभाग से संबंधित 11 प्रार्थना पत्र, खंड विकास कार्यालय से संबंधित 3 प्रार्थना पत्र, बिजली विभाग से संबंधित 1 प्रार्थना पत्र, बिछवा पुलिस से संबंधित 1 प्रार्थना पत्र दिए गए।

एसडीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर तहसीलदार अरविंद गौतम, नायब तहसीलदार अखिल गोयल, खंड विकास अधिकारी सुनील कुमार सहित क्षेत्रीय लेखपाल मौजूद रहे।

छोटी खबरें

भारतीय किसान संघ की बैठक में नई कार्यकारिणी घोषित

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। भारतीय किसान संघ ब्रज प्रांत की एक महत्वपूर्ण बैठक सासनी में आयोजित की गई, जिसमें संगठन की मजबूती और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान सासनी ब्लॉक की नई कार्यकारिणी की घोषणा भी की गई। बैठक में जिला अध्यक्ष राजपाल सिंह ने शिव कुमार शर्मा को सासनी ब्लॉक का अध्यक्ष मनोनीत किया, जबकि मनोज मिश्रा (रुदायन) को ब्लॉक उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। ब्रज प्रांत संगठन मंत्री धर्मेंद्र कुमार के सानिध्य में आयोजित इस बैठक में ब्लॉक प्रभारी एवं जिला महिला प्रमुख माधवी सिंह भी उपस्थित रहीं। संगठन के निर्देशानुसार जिला सह मंत्री मुकेश पाठक ने पूर्व कार्यकारिणी को भंग करने की घोषणा की, जिसके बाद नई टीम का गठन किया गया। बैठक में 21 अप्रैल 2026 को आयोजित होने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा भी तय की गई, जो आगरा रोड स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में आयोजित होगा। इस कार्यक्रम में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष साईं रेड्डी के शामिल होने की जानकारी दी गई। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने नवनियुक्त टीम को बधाई दी और उम्मीद जताई कि वे किसानों एवं मजदूरों की समस्याओं को प्रभावी तरीके से उठाएंगे। इस दौरान बड़ी संख्या में संगठन के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ओलावृष्टि से फसलें बर्बाद, किसानों के लिए मुआवजे की मांग

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। जनपद में बीते दिनों आई तेज आंधी, मूसलाधार बारिश और ओलावृष्टि ने किसानों को भारी नुकसान पहुंचाया है। कई गांवों में गेहूं, सरसों, आलू और चना जैसी प्रमुख फसलें पूरी तरह नष्ट हो गई हैं, जिससे किसानों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। जिला पंचायत अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद सीमा रामवीर उपाध्याय ने इस स्थिति को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर प्रभावित किसानों के लिए तत्काल सर्वे, मुआवजा और विशेष राहत पैकेज की मांग की है। उन्होंने बताया कि 3 अप्रैल को आई आपदा से जनपद के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में खड़ी फसलें गिरकर नष्ट हो गईं, जबकि कटाई के बाद रखी फसल भी बारिश में भीगकर खराब हो गई। उन्होंने कहा कि किसानों की महीनों की मेहनत एक ही दिन में खत्म हो गई, जिससे उनकी आजीविका पर संकट आ गया है। ऐसे में शीघ्र राहत पहुंचाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सरकार से मांग की कि प्रभावित क्षेत्रों का तुरंत सर्वे कर वास्तविक नुकसान का आकलन किया जाए और किसानों को जल्द मुआवजा दिया जाए। साथ ही पूरी तरह नष्ट फसल वाले किसानों के लिए विशेष राहत पैकेज लागू करने और फसल बीमा दावों का शीघ्र निस्तारण करने की भी मांग की है। उन्होंने भविष्य में ऐसी प्राकृतिक आपदाओं से बचाव के लिए ठोस कदम उठाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। इस संबंध में पत्र की प्रतिलिपि कृषि मंत्री, मुख्य सचिव, अपर मुख्य सचिव कृषि, प्रमुख सचिव राजस्व, मंडलायुक्त अलीगढ़ और जिलाधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारियों को भी भेजी गई है।

चंदपा में आंधी से पेड़ गिरा, बड़ा हादसा टला

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। चंदपा क्षेत्र में तेज आंधी के चलते एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जब एक विशाल पेड़ अचानक गिरकर एक दुकान पर आ गिरा। घटना में दुकान को भारी नुकसान पहुंचा, जबकि गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। आंधी के दौरान पेड़ गिरते ही क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और लोग डर के कारण इधर-उधर भागने लगे। स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और दुकान मालिक को सुरक्षित बाहर निकाला। हालांकि दुकान में रखा सामान क्षतिग्रस्त हो गया। बताया जा रहा है कि आंधी के कारण कई पेड़ कमजोर हो चुके हैं, जिससे इस तरह की घटनाओं का खतरा लगातार बना हुआ है। घटना के बाद लोगों ने प्रशासन से शिकायत कर जर्जर पेड़ों को हटाने की मांग की। सूचना मिलने पर संबंधित अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति का निरीक्षण कर नुकसान का आकलन शुरू किया। प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि नगरपालिका को निर्देश देकर जल्द ही जर्जर पेड़ों की छंटाई कराई जाएगी, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों से बचा जा सके।

सिकंदराराऊ में सड़क हादसा, एक युवक की मौत, दूसरा गंभीर

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। सिकंदराराऊ क्षेत्र में तेज रफ्तार ऑटो की टक्कर से एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। हादसे में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें स्थानीय लोगों की मदद से तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां एक युवक को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि दूसरे की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोग तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों को अस्पताल भिजवाया। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है, वहीं लोगों में आक्रोश भी देखा गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तेज रफ्तार इस हादसे का मुख्य कारण रही। घटना के बाद सड़क सुरक्षा को लेकर सवाल उठने लगे हैं और लोगों ने प्रशासन से सख्त कदम उठाने की मांग की है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी। वाहन चालक की तलाश की जा रही है तथा प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ की जा रही है। अधिकारियों को घटना की जानकारी दे दी गई है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से ऐसे हादसों को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है, वहीं पीड़ित परिवार को न्याय मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

दिनदहाड़े घर के बाहर से बाइक पार

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

बकेवर/इटावा। थाना बकेवर क्षेत्र में चोरों के हौसले बुलंद नजर आ रहे हैं। दिनदहाड़े घर के बाहर खड़ी मोटरसाइकिल चोरी होने की घटना से क्षेत्र में रोष का माहौल है। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर जल्द कार्रवाई और बाइक बरामद करने की मांग की है। कस्बा बकेवर निवासी युवक के अनुसार 1 अप्रैल 2026 को दोपहर करीब 12:30 बजे उसने अपनी मोटरसाइकिल घर के बाहर खड़ी की थी। कुछ देर बाद वापस लौटने पर मोटरसाइकिल वहां से गायब मिली। काफी खोजबीन के बाद भी वाहन का कोई सुराग नहीं लग सका। चोरी हुई मोटरसाइकिल का नंबर वढ75 अ 9372 बताया गया है। घटना के बाद पीड़ित ने थाना बकेवर पुलिस को लिखित शिकायत देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। क्षेत्र में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं को लेकर स्थानीय लोगों में चिंता और आक्रोश का माहौल है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

टीबी जांच के लिए नई मशीन स्थापित

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

महेवा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महेवा में टीबी की जांच को और अधिक सुलभ व तेज बनाने के उद्देश्य से नई जांच मशीन स्थापित की गई है। इससे अब अस्पताल आने वाले मरीजों की टीबी जांच आसानी और तेजी से की जा सकेगी, जिससे समय पर रोग की पहचान और उपचार में मदद मिलेगी। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में अधीक्षक डॉ. अभिषेक वर्मा, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. राघव गुप्ता, बीपीएम दिलीप अग्रहरि, एलटी-टीबी नीतीश मिश्रा, एसटीएलएस देविंदर दीक्षित तथा एसटीएस किरण दीक्षित सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि नई मशीन की स्थापना से क्षेत्र के मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी और टीबी जैसी गंभीर बीमारी पर नियंत्रण पाने में भी सहायता मिलेगी।

पीडीए जनसंदेश साइकिल यात्रा आज,

इटावा। समाजवादी पार्टी के बैनर तले रविवार को पीडीए जनसंदेश साइकिल यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा की शुरूआत सुबह 10 बजे मानिकपुर मोड़ से होगी। कार्यक्रम का नेतृत्व जिला पंचायत अध्यक्ष अभिषेक यादव अंशुल करेंगे, जो मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार साइकिल यात्रा मानिकपुर मोड़ से शुरू होकर हविलिया, हड़ौली, अड्डा तलैया मोड़, मुसावली मोड़, मुसावली की मड़ियां, बूसा मोड़, नगला गहलोत, जोधपुर चौराहा, रायपुरा, नगला पीते, नगला चौहान, पृथ्वीपुर मोड़, गोपाल भट्टा, ईश्वरीपुरा चौराहा, रामनारायण इंटर कॉलेज, ददोरा, पीपरीपुरा भट्टा, चंद्रपुरा निहाल सिंह, लवेदी तिराहा, जैतपुरा, नगला शिव सिंह, पहाड़पुर तिराहा, ईकरी और लखना नहर पुल होते हुए पुष्प श्री गेस्ट हाउस पर समाप्त होगी।

"मांगी नाव न केवट आना,कहहि तुम्हार मरमु मै जाना"

साधना पथ के बिना जीवन अधूरा - महामंडलेश्वर

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

नोएडा। सेक्टर 82 स्थित ईडब्ल्यूएस पॉकेट 7 सेंट्रल पार्क में आयोजित श्रीराम कथा के सातवें दिन कथा व्यास अनंत श्री विभूषित महामंडलेश्वर श्री श्री १००८ स्वामी पंचमानंद जी महाराज ने आगे का प्रसंग सुनाते हुए बताया कि भगवान राम, लक्ष्मण,सीता और गृह राज निषाद के साथ गंगा पार उतरकर मां गंगा को प्रणाम करके आगे बढ़ते हैं। प्रयागराज पहुंचकर वह त्रिवेणी में स्नान करते हैं और मुनि भारद्वाज जी के आश्रम पहुंचते हैं।

मुनि की दंडवत प्रणाम करते हैं और भारद्वाज जी उनको गले से लगाकर आशीर्वाद देते हैं। भारद्वाज जी आनन्द मग्न हो जाते हैं और सोचते हैं कि आज हमारी तपस्या सफल हो गई , मेरा जीवन धन्य हो गया। मुनि प्रभु राम सहित सभी को पवित्र आसान बैठने के लिए देते हैं और खाने में कंद मूल फल देते हैं। सभी प्रकार से संतुष्ट कर प्रभु की वंदना करते हैं लेकिन मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान राम कहते हैं कि हे मुनि जिस को आपका आशीर्वाद मिल जाता है वही बड़ा हो जाता है। रात्रि विश्राम के बाद प्रभु राम मार्ग पूछकर आगे के लिए प्रस्थान कर जाते हैं। इस अवसर पर श्री राम कथा आयोजन समिति के मीडिया प्रभारी देव मणि शुक्ल ने बताया कि 5 अप्रैल को राम भरत मिलाप सहित कई प्रसंगों का वर्णन किया जाएगा। इस मौके पर देव मणि शुक्ल , रवि राघव, गोरे लाल, अंगद सिंह तोमर, रमेश वर्मा, संजय पांडे,हंस मणि शुक्ल,हरि शंकर सिंह, संजय शुक्ला, रमेश दास, विष्णु शर्मा, संगम प्रसाद मिश्र, अनूप सिंह,विकास शर्मा, सिया राम, विश्वनाथ त्रिपाठी, गौरव, रविंद्र सिंह , अंगद सिंह तोमर, अजय सिंह,देवेंद्र गुप्ता, सत्येन्द्र प्रताप सिंह,प्रकाश जोशी , रमेश चंद्र शर्मा, उपेंद्र सिंह, राजवीर सिंह, सी एल तिवारी, धर्मेंद्र सिंह, विनोद मुद्गल, नागेश सिंह, दिनेश पाठक, प्रशांत पाठक,विकास कुमार, बिजेंद्र सिंह, दीपक तिवारी, सर्वेश तिवारी, राकेश कुमार, संजीव ढाली, शिव चौधरी, अनिल कुमार शर्मा, सुभाष चन्द्र शर्मा, पान सिंह, विजय कुमार झा, अटल गुप्ता, आयुष तिवारी, देव नारायण तिवारी, अवनीश कुमार शर्मा, नीरज शर्मा , राजेश कुमार पाठक, पद्मम सिंह, बृजेश चंद्र पांडेय, विनोद मिश्रा, राम भरोस झा, पी के पांडेय, अंशु झा, पप्पू सिंह, राम बदन सिंह, आशीष कुड्डू, बी के भारद्वाज, संजीव मिश्रा, राम लाल, प्रकाश जोशी, ललित फुलेरा, कमल यादव, सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

रील बनाने के चक्कर में युवक गिरफ्तार, पुलिस वाहन में बैठकर बनाया था वीडियो

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

बकेवर (इटावा)। सोशल मीडिया पर लाइक और फॉलोअर्स बढ़ाने के चक्कर में एक युवक को पुलिस वाहन में बैठकर रील बनाना महंगा पड़ गया। थाना बकेवर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया। थाना प्रभारी विपिन कुमार मलिक ने बताया कि सोशल मीडिया सेल की निगरानी के दौरान एक वीडियो सामने आया, जिसमें एक युवक थाना बकेवर क्षेत्र में खड़े पुलिस के सरकारी वाहन में अनधिकृत रूप से घुसकर उस पर बैठकर रील बनाता दिखाई दे रहा था। वीडियो में पुलिस की छवि धूमिल करने वाले आपत्तिजनक शब्दों का भी प्रयोग किया गया था, जिससे समाज में गलत संदेश प्रसारित हो रहा था।

मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने जांच शुरू की और आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए युवक की पहचान ऋषभ प्रताप पुत्र संतेंद्र सिंह, निवासी महावीर पुरम, कल्याणपुर, थाना कल्याणपुर, जनपद कानपुर नगर के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफकी धारा 356 तथा 2000 की धारा 66ए के तहत मुकदमा दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग और सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक सामग्री प्रसारित करना किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत महिलाओं को किया गया जागरूक

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण को प्राथमिकता देते हुए हाथरस पुलिस द्वारा मिशन शक्ति 5.0 के दूसरे चरण में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा के निर्देशन में जनपद के सभी थानों, एंटी रोमियो टीम और महिला बीट आरक्षियों ने विभिन्न क्षेत्रों में कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं को उनके अधिकारों व सुरक्षा उपायों की जानकारी दी।अभियान के तहत ग्राम, कस्बों, मोहल्लों और शिक्षण संस्थानों में चौपाल एवं जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें लिंगानुपात, लैंगिक समानता, बाल विवाह, महिला हिंसा, स्वास्थ्य एवं शिक्षा जैसे विषयों पर जागरूक किया गया। थाना हाथरस जंक्शन क्षेत्र के शनिवार बाजार में महिलाओं को 1090, 112, 181, 1076, 102, 108 और 1930 जैसे हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए पंपलेट वितरित किए गए।थाना सिकन्द्राराऊ में कस्तूरबा गांधी विद्यालय की छात्राओं तथा थाना सादाबाद में रामश्री गर्ल्स इंटर कॉलेज की बालिकाओं को सुरक्षा सेवाओं और हेल्पलाइन नंबरों के बारे में जागरूक किया गया। वहीं थाना हसायन क्षेत्र में विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।कार्यक्रम के दौरान महिला पुलिसकर्मियों ने बाजारों, चौराहों और शिक्षण संस्थानों में भ्रमण कर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने और आपात स्थिति में हेल्पलाइन नंबरों का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही साइबर अपराधों से बचाव और सोशल मीडिया पर सावधानी बरतने के बारे में भी जानकारी दी गई।पुलिस द्वारा बताया गया कि सभी थानों में महिला हेल्पडेस्क संचालित हैं, जहां महिलाओं की शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाता है। साथ ही एंटी रोमियो स्क्वायड द्वारा सार्वजनिक स्थलों पर नियमित चेकिंग कर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है।

नवनिर्मित भवन में शुरू हुआ बाल विकास परियोजना कार्यालय का संचालन

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

बकेवर (इटावा)। लंबे समय के बाद बाल विकास परियोजना कार्यालय को उसका अपना सरकारी भवन मिल गया है। ब्लॉक मुख्यालय महेवा में बने नवनिर्मित भवन में गुरुवार से कार्यालय का संचालन शुरू कर दिया गया। बताया गया कि बाल विकास परियोजना कार्यालय पिछले करीब 15 वर्षों से महेवा के पश्चिमी छोर पर किराए के भवन में संचालित हो रहा था। प्रदेश सरकार द्वारा हाल ही में ऐसे ब्लॉक मुख्यालयों पर, जहां बाल विकास विभाग के अपने भवन नहीं थे, नए भवनों का निर्माण कराया गया है। इन भवनों का लोकार्पण मुख्यमंत्री द्वारा किया गया था। इसी क्रम में महेवा ब्लॉक के बाल विकास परियोजना कार्यालय भवन का भी लोकार्पण हुआ। गुरुवार को बाल विकास परियोजना अधिकारी ने कार्यालय का सामान नए भवन में स्थानांतरित कर विधि-विधान से हवन-पूजन कर कार्यालय में प्रवेश किया। इस दौरान मुख्य सेविका सुरभि बाजपेई, सिम्मी खान, मोनिका चौहान, रश्मि देवी, लिपिक दीपक कुमार, नीरज तथा क्षेत्रीय आंगनवाड़ी कार्यकत्री अल्पना, रेखा तिवारी, अंजली तिवारी, शारदा कुशवाहा और किरण कुमारी मौजूद रहीं। कार्यक्रम में खंड विकास अधिकारी महेवा बृज बिहारी त्रिपाठी, सहायक विकास अधिकारी पंचायत इंद्रपाल सिंह भदौरिया, सहायक विकास अधिकारी ग्राम्य विकास प्रवीण शाक्य, समाजसेवी राजू दुबे, मीनाक्षी चौहान, अजय जादौन और महेश बाथम सहित अन्य लोग भी उपस्थित रहे।

समाधान दिवस में शिकायतों के निस्तारण की धीमी रफ्तार, फरियादियों में निराशा

196 शिकायतों में से मात्र 11 का मौके पर समाधान

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। संपूर्ण समाधान दिवस में शिकायतों के अपेक्षित निस्तारण न होने से फरियादियों में निराशा देखने को मिली। जनपद में आयोजित समाधान दिवस के दौरान कुल 196 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से मात्र 11 का ही मौके पर निस्तारण हो सका।तहसील हाथरस में जिलाधिकारी अतुल वत्स ने पुलिस अधीक्षक चिरंजीवनाथ सिन्हा के साथ जनसुनवाई करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि समाधान दिवस का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान करना है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।तहसील हाथरस में कुल 62 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 5 का मौके पर निस्तारण किया गया, जबकि शेष शिकायतों को संबंधित विभागों को भेजते हुए शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए गए। इसके अलावा सिकन्द्राराऊ तहसील में 79 में से 2, सादाबाद में 22 में से 2 और सासनी तहसील में 33 में से 2 शिकायतों का ही निस्तारण हो सका।जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि भूमि विवाद सहित अन्य मामलों में मौके पर जाकर स्थलीय निरीक्षण कर समस्याओं का समाधान करें। उन्होंने चेतावनी दी कि शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।समाधान दिवस में विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे, जिन्होंने फरियादियों की समस्याएं सुनीं और उनके समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

सासनी के स्कूल में अग्नि सुरक्षा कार्यशाला, 500 छात्रों को दिया प्रशिक्षण

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। सासनी-विजयगढ़ रोड स्थित एसबीएस पब्लिक स्कूल में अग्नि सुरक्षा को लेकर एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें 500 से अधिक छात्र-छात्राओं को आग से बचाव और आपातकालीन प्रबंधन के व्यावहारिक तरीके सिखाए गए।कार्यशाला में दमकल विभाग के विशेषज्ञों ने छात्रों को आग लगने की स्थिति में घबराने के बजाय सूझबूझ से काम लेने की सलाह दी।

उन्होंने बताया कि सही समय पर सही निर्णय लेकर जान-माल के नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है।मुख्य अग्निशमन अधिकारी अल्वी और अग्नि सुरक्षा सहायक प्रभु दयाल ने छात्रों को अग्निशमन उपकरणों के उपयोग की जानकारी देते हुए लाइव प्रदर्शन भी किया। इस दौरान आग लगने पर उठाए जाने वाले तत्काल कदमों और सुरक्षित निकासी के तरीकों को विस्तार से समझाया गया।विद्यालय के निदेशक डॉ. विकास सिंह ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि विद्यालय जन-जागरूकता अभियानों में सहयोग के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानाचार्य दुर्गेश पचौरी ने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए किताबों के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान भी आवश्यक है।कार्यक्रम में स्कूल के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भी भाग लेकर अग्नि सुरक्षा प्रोटोकॉल की जानकारी प्राप्त की।

मुरसान में प्रशिक्षण महाभियान, संगठन सशक्तिकरण पर जोर

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। मुरसान स्थित राधा गार्डन में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के अंतर्गत एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रामवीर सिंह पौनिया ने की, जबकि मुख्य वक्ता के रूप में क्षेत्रीय मंत्री डौली माहौर उपस्थित रहीं। आयोजन के संयोजक मंडल अध्यक्ष अरुण चौधरी रहे।कार्यक्रम में पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने सक्रिय सहभागिता की। मुख्य वक्ता ने कार्य विस्तार की रणनीति पर चर्चा करते हुए कहा कि उद्देश्य केवल संपर्क बढ़ाना नहीं, बल्कि समाज की आवश्यकताओं को समझकर उन्हें राष्ट्र और समग्र विकास की विचारधारा से जोड़ना है। संगठन को अधिक सशक्त और प्रभावी बनाने के लिए कार्यकताओं की भूमिका को मजबूत करने तथा जनहित से जुड़े विषयों को प्राथमिकता देने पर जोर दिया गया।उन्होंने कहा कि पन्ना प्रमुख से लेकर सभी पदाधिकारियों और कार्यकताओं के साथ नियमित संवाद संगठन की मजबूती के लिए आवश्यक है। कार्यक्रम में मंडल के पदाधिकारी एवं अन्य कार्यकताओं ने भी भाग लिया।

जिला अस्पताल में कन्या जन्मोत्सव, नवजात बालिकाओं को मिला सम्मान

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। महिला कल्याण विभाग द्वारा जिला चिकित्सालय में कन्या मिशन शक्ति अभियान एवं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत कन्या जन्मोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नवजात बालिकाओं के जन्म पर उत्सव मनाते हुए उन्हें सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान ने नवजात कन्याओं को बेबी किट, ड्रेस एवं मिठाई वितरित की। इस दौरान जिला महिला चिकित्सालय में जन्मी बालिकाओं को उपहार देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं के उत्थान और उनके बेहतर स्वास्थ्य के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने महिलाओं से अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने और नवजात बालिकाओं के उचित पालन-पोषण पर विशेष ध्यान देने की अपील की।कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, जिला प्रोबेशन अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी सहित अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

अमांपुर में हनुमान जी को भक्तों ने चोला चढ़ाया

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। अमांपुर कस्बा में हनुमान जन्मोत्सव शोभायात्रा के उपलक्ष्य में शनिवार को कालेज रोड पर स्थित प्रचीन श्रीराम जानकी मंदिर प्रांगण में सुबह हवन-यज्ञ व हनुमान चालीसा के पाठ का आयोजन धूमधाम से किया गया। भक्तों ने हनुमान जी की प्रतिमा पर चोला चढ़ाया और श्रृंगार किया। पंडित गुड्डू पाराशर ने विधि-विधान पूर्वक वैदिक मंत्रोच्चारण से हवन-यज्ञ सम्पन्न कराया। यज्ञ में श्रद्धालुओं ने आहुति देकर विश्व के कल्याण की कामना की। इस दौरान वेद मंत्रों के स्वर गूंजते रहे। इसके साथ ही दोपहर में कस्बा के एटा रोड, कालेज रोड, गुडमंडी, सहावर रोड पर हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में भंडारे का आयोजन भी किया गया। जिसमें श्रद्धालुओं को पूड़ी, सब्जी के साथ बूंदी के प्रसाद का वितरित किया गया। कस्बा के लोगों ने भी भंडारे में सहयोग प्रदान करते हुए भगवान के प्रसाद का आनंद लेकर पुण्य कमाया। देर शाम तक लोगो ने भंडारा छका। इस दौरान बजरंग दल के कार्यकताओं ने जय श्रीराम व हनुमान जी के जयकारे लगाए। इस मौके प्रधानाचार्य जागन सिंह सोलंकी, नगर संघचालक राकेश पाराशर, कमल गुप्ता, नगर अध्यक्ष विजय प्रकाश गुप्ता, शीलेन्द सोलंकी, केशवदेव गुप्ता, मनोज गुप्ता, देवेन्द्र पालीवाल, अनुज राघव, आकाश गुप्ता सर्राफ, मोनू दीक्षित, राहुल जौहरी, सजीव माहेश्वरी, सोनू गुप्ता, बसंत अग्रवाल, राजीव शाक्य, अवनीश माहेश्वरी, अशोक शाक्य, कंचन सोलंकी, राजेश शर्मा, गौरव गुप्ता, अनुज सोलंकी, सुखबीर चैहान, आयुष भारद्वाज, बिट्टू पालीवाल, सोनू मित्तल, विष्णु गोयल, पंकज राठौर, सौरभ गुप्ता, रुपेंद्र गुप्ता, डां राजीव गुप्ता, शुभ भारद्वाज, मोहनलाल शाक्य, सुखबीर शाक्य, गौरव यादव,वंश आदि भक्तगण मौजूद रहे।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में तहसील कासगंज में हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन

तहसील कासगंज में 65 प्रार्थना पत्र प्राप्त, 17 मौके पर ही निस्तारित

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। जिलाधिकारी प्रणय सिंह व पुलिस अधीक्षक ओम प्रकाश सिंह ने तहसील कासगंज के सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन कर आम जनमानस की समस्याओं व शिकायतों का निस्तारण किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि शिकायतों का त्वरित, गुणवत्तापरक एवं निष्पक्ष निस्तारण ही शासन की प्राथमिकता है। सभी अधिकारी प्राप्त प्रार्थना पत्रों को शीघ्रता से निस्तारित करना सुनिश्चित करें। जिससे पीड़ितों को पूर्ण संतुष्टि मिले। इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाये। जिलाधिकारी के समक्ष इस अवसर पर अधिक धनराशि के बिजली के बिल आने, विधवा व वृद्वावस्था पेंशन न मिलने, राशन कार्ड बनवाने, भूमि की पैमायश कराने, अवैध कब्जा हटवाने, राजस्व, भूमि विवाद, उत्पीड़न, आपसी विवाद आदि से सम्बंधित 65 प्रार्थना प्रत्र प्राप्त हुये। जिनमें से 17 प्रार्थना पत्रों को मौके पर ही निस्तारित कर दिया गया। जिलाधिकारी ने सभी प्रार्थना पत्रों को गंभीरतापूर्वक सुनकर सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को प्राप्त हुई शिकायतों व समस्याओं के प्रभावी व गुणवत्तापरक निस्तारण के निर्देश दिये। सम्पूर्ण समाधान दिवस पर तहसील में उपजिलाधिकारी, उपजिलाधिकारी न्यायिक, अधिशाषी अभियंता विद्युत एवं समस्त जिला स्तरीय अधिकारी तथा सीओ, तहसीलदार, समस्त क्षेत्रीय खण्ड विकास अधिकारी एवं थाना प्रभारी उपस्थित रहे। सम्पूर्ण समाधान दिवस पर जिले की अन्य दोनों तहसील सहावर एवं पटियाली में अधिकारियों द्वारा जनता की समस्याओं व शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना गया तथा विभागीय अधिकारियों को यथाशीघ्र प्रार्थना पत्रों को निस्तारित करने के निर्देश दिये गये।

जनपद में इसी माह होगा विज्ञान बस का भ्रमण

27 अप्रैल से 11 मई तक प्रस्तावित है जनपद में बस भ्रमण का कार्यक्रम

बस में विज्ञान संबंधित उपकरणों की जानकारी करेंगे विद्यार्थी

तीनों तहसीलों में बनाए जाएंगे नोडल प्रभारी

कासगंज। आईआईटी कानपुर के द्वारा विज्ञान बस का निर्माण किया गया है। यह बस शीघ्र ही जिले में आएंगी। इस बस में विज्ञान पर आधारित उपकरण होंगे। बस का अवलोकन कर उस विज्ञान के उपकरणों से परिचित होंगे और उनका उपयोग करना भी जानेंगे। जिले की तीनों तहसीलों में बस के भ्रमण को लेकर कार्य योजना तैयार की जा रही है।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश लखनऊ के प्रमुख सचिव के निर्देश पर सभी जिलों में वैज्ञानिक गतिविधियों के अंतर्गत विज्ञान बस का संचालन जिला विज्ञान क्लब के माध्यम से किया जाएगा। जिसके लिए 27 अप्रैल से 11 मई तक जनपद में भ्रमण कार्यक्रम प्रस्तावित है।

विज्ञान बस जिले में 15 दिनों तक रहेगी। जिससे अधिक से अधिक विद्यार्थी लाभान्वित हो सकें। विज्ञान बस का संचालन विद्यार्थियों के लिए नि:शुल्क किया जाएगा। इस बस को विज्ञान के उपकरण एवं साज सज्जा कानपुर आईआईटी के द्वारा की गई है। जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक जागरूकता उत्पन्न करना है। जिला विज्ञान क्लब समन्वयक डा. जयंत कुमार गुप्ता ने बताया कि विज्ञान बस में विज्ञान के प्रयोगों के लिए उपकरण जैसे आप्टीकल बैंच, मीटर ब्रिज, माइक्रोस्कोप, बर्नियर कैलीपर्स, स्कूगेज, मैगनेटिक स्टिरर इत्यादि उपलब्ध रहेंगे है। इसके साथ ही साथ विज्ञान के क्षेत्र में और अधिक रूचि उत्पन्न करने के उद्देश्य से टेलीस्कोप, थ्रीडी प्रिंटर इत्यादि की स्थापना भी की गई है। यह बस जिले की तीनों तहसीलों एवं सातों ब्लाकों के भ्रमण करेगी। जिससे कि विद्यार्थियों में ज्ञानार्जन, नवाचार एवं नवीन जिज्ञासाओं का विकास हो सके। बस के भ्रमण की तिथियां अनुमोदन के लिए शासन को भेज दी गई है।

पूर्व माध्यमिक विद्यालय में परीक्षाफल किए वितरण

कासगंज। गंजडुंडवारा कस्बा के थाना रोड स्थित पूर्व माध्यमिक विद्यालय में शनिवार को विद्यार्थियों को परीक्षाफल वितरित किया गया। साथ ही कक्षा आठ उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों को विदाई दी गई। कक्षा 8 में मानवी ने प्रथम, कुश ने द्वितीय एवं लव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। तीनों मेधावियों को सम्मानित भी किया गया। विद्यालय के इंचार्ज प्रधानाध्यापक मोहम्मद काशिफ ने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की। छात्र-छात्राएं परीक्षाफल पाकर बहुत आनंदित हुए। इंचार्ज प्रधानाध्यापक मोहम्मद काशिफ ने समस्त अभिभावकों को विभागीय इच्छा अनुरूप प्रत्येक बच्चे का विद्यालय में नामांकन एवं छात्र उपस्थिति में ठहराव के लिए विभिन्न बिंदुओं पर जागरूक किया। इस दौरान प्राथमिक विद्यालय कादरगंज रोड के प्रधानाध्यापक निसार अहमद, ज्ञानेंद्र सिंह, सूर्यकांत शर्मा, जफर बानो समेत अन्य मौजूद रहे।

ढोलना पुलिस ने जुआ के अड्डे पर मारा छापा, तीन गिरफ्तार

कासगंज। ढोलना थाना पुलिस ने क्षेत्र में जुआ के अड्डे पर छापेमार कार्रवाई की। इस दौरान पुलिस ने जुआ खेलते हुए तीन आरोपियों को पकड़ लिया। आरोपियों के पास से पुलिस ने 3250 रुपये की नकदी, ताश गड्डी बरामद की है। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की है। ढोलना इंस्पेक्टर जगदीशचंद्र ने बताया कि शुक्रवार की देर रात कासगंज-अलीगढ़ रोड पर एक मंदिर के निकट जुआ की जानकारी मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने जुआ खेल रहे ओमप्रकाश पुत्र रूपराम निवासी सतपुरा माफी ढोलना, राजेन्द्र पुत्र बाबूराम निवासी सलेमपुर ढोलना, तलाफत खां पुत्र शहीद खां निवासी मुबारिकपुर माफी ढोलना को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के पास से 3250 रुपये नगद, ताश पत्ते, एक टार्च बरामद की है। गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया है।

अभियान के दूसरे दिन भी यातायात पुलिस ने वाहनों की चेकिंग

कासगंज। जनपद में यातायात नियम पालन को यातायात पुलिस ने शुरू किए तीन दिवसीय विशेष अभियान के दूसरे दिन शनिवार को भी वाहन चेकिंग जारी रखी। इस दौरान मॉडीफाइड साइलेंसर मिलने पर पांच बुलेट बाइक सीज की गईं। जबकि 203 अन्य वाहनो के चालान की कार्रवाई पूरी करते हुए 454200 रुपये का शमन शुल्क भी अधिरोपित किया गया।

एसपी ओमप्रकाश सिंह ने बताया कि विशेष अभियान के तहत शनिवार को कस्बा सहावर में वाहन चेकिंग की गई। अभियान के दौरान यात्री वाहनों में क्षमता से अधिक सवारी बैठाने, गलत दिशा में वाहन चलाने, बिना फिटनेस वाहन संचालन, बिना हेलमेटध्सीट बेल्ट, मॉडिफाइड साइलेंसर, दो पहिया वाहन पर तीन सवारी, मालवाहक वाहनों में सवारियां ले जाने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग, हूटर, प्रेशर हॉर्न का दुरुपयोग आदि के विरुद्ध कार्रवाई की गई। इस अभियान के दौरान 05 बुलेट मोटरसाइकिल मॉडिफाइड साइलेंसर मिलने पर सीज की गईं। कुल 203 वाहन चालकों के विरुद्ध यातायात नियमों के उलंघन करने पर चालान किए गए। चालान के तहत कुल 454200 का ऑनलाइन शमन शुल्क अधिरोपित किया गया। इस दौरान पुलिस ने वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने की भी अपील की।

विद्युत करंट की चपेट में आकर युवक की मौत

निजी गेस्ट हाउस में कार्य करते समय करंट की चपेट में आया था युवक

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। जनपद कासगंज की सोरों कोतवाली क्षेत्र में एक निजी गेस्ट हाउस में दावत के कार्यक्रम के दौरान करंट लगने से एक युवक की मौके पर मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बता दें कि मृतक का नाम 20 वर्षीय दीपक पुत्र प्रेमपाल था, जो सोरों कोतवाली क्षेत्र के हिमायुपुर गांव का निवासी था। दीपक बीती देर शाम सोरों कोतवाली के राधा मोहन गेस्ट हाउस में वेटर का काम कर रहा था। तभी टेंट के पोल में आ रहे करंट की चपेट में आ गया और वह गंभीर रूप से झुलस गया। लोगों द्वारा उसे तत्काल कासगंज के जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। दीपक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। परिजन जिला अस्पताल पहुंचे, जहां शव देखकर उनकी चीख-पुकार मच गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दीपक के परिवार में तीन भाई और दो बहनें हैं। उसके पिता गांव में मजदूरी करते हैं।

पेड टूटकर बाइक सवारों पर गिरा, भाई-बहन की मौत, दो गम्भीर

मोर्निंग सिटी संवाददाता

इगंजडुंडवारा कोतवाली क्षेत्र में नवादा के समीप बीती देर रात तेज आंधी में अचानक एक पेड़ टूटकर गुजर रहे बाइक सवारों पर जा गिरा। दुर्घटना में बाइक पर सवार सगे भाई बहन की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही परिवार के लोग मौके पर पहुंच गए। परिजनों ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस ने मृतकों के शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिए हैं। एक साथ परिवार में दो लोगों की मौत के बाद से कोहराम मचा हुआ है।

परिजनों के मुताबिक थाना सुन्नगढ़ी क्षेत्र के गांव गजोरा निवासी 24 वर्षीय शिवसागर पुत्र अशोक, 22 वर्षीय संजू पुत्र अशोक, 18 वर्षीय आरती पुत्री अशोक, 12 वर्षीय संध्या पुत्री अशोक एक ही बाइक पर गंजडुंडवारा कोतवाली क्षेत्र के गांव बहोटा में खेत में कटी पडी गेहूं की फसल को एकत्रित करके बहोटा से अपने गांव लौट रहे थे। जैसे ही वह नवादा के समीप पहुंचे, अचानक तभी तेज आंधी आ गई। जब तक वह कुछ समझ पाते, कटहल का पेड़ टूटकर उनके ऊपर जा गिरा। गंभीर चोट आने की वजह से आरती पुत्री अशोक, संजू पुत्र अशोक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि संध्या और शिवसागर गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी मिलते ही परिवारीजन पहुंच गए। मृतकों व घायलों को घर ले गए। जहां से घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती करा दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और शव कब्जे में लेकर अग्रिम कार्रवाई की। परिजनों की मानें तो आरती पुत्री अशोक की शादी तय कर दी थी, आगमी 18 अप्रैल को बारात आनी थी, संजू की भी शादी तय कर दी गई थी। एक साथ परिवार में दो लोगों की मौत से कोहराम मचा हुआ है।

मुख्यमंत्री द्वारा वाराणसी से स्कूल चलो अभियान का किया गया शुभारंभ

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 में शत-प्रतिशत नामांकन एवं ट्रांजिशन सुनिश्चित करने वाले व्यापक स्कूल चलो अभियान का कंपोजिट विद्यालय, शिवपुर, वाराणसी से शुभारंभ किया गया। मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा निपुण विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित किया गया। जनपद कासगंज के खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय, वि०ख०-कासगंज से स्कूल चलो अभियान-2026 का शुभारम्भ श्री रजनीकान्त माहेश्वरी, मा० सदस्य, विधान परिषद, श्री देवेन्द्र सिंह राजपूत, मा० सदर विधायक, कासगंज, श्री हरिओम वर्मा, मा० विधायक, अमॉपुर, जिलाधिकारी प्रणय सिंह की उपस्थिति में स्कूल चलो अभियान कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा शुभारंभ कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देखा और सुना गया। इस अवसर पर मा0 जनप्रतिनिधियों व जिलाधिकारी द्वारा स्कूली बच्चों को पाठ्य पुस्तक प्रदान कर बच्चों का उत्साह वर्धन किया गया तथा शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। मा० जनप्रतिनिधियों, जनपद स्तरीय अधिकारियों, छात्र-छात्राओं द्वारा मा० मुख्यमंत्री जी द्वारा स्कूल चलो अभियान के अन्तर्गत बच्चों का नामांकन परिषदीय विद्यालयों में कराये जाने सम्बन्धी दिये गये उद्बोधन को सुना गया, तदोपरान्त उपरोक्त समस्त माननीय व जिलाधिकारी द्वारा हरी झण्डी दिखाकर जनपदीय स्कूल चलो अभियान रैली का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम के दौरान जिला विद्यालय निरीक्षक, समस्त खण्ड शिक्षा अधिकारी एवं जिला समन्वयक व अन्य कार्मिक उपस्थित रहें।

पटियाली के फैसल नबी बने डॉक्टर

दादा का सपना किया साकार, एमबीबीएस डिग्री लेते ही भावुक हुआ परिवार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। पटियाली कस्बे के मोहल्ला मुल्लाटोला निवासी डॉ. फैसल नबी ने अपनी मेहनत, लगन और समर्पण के बल पर वह मुकाम हासिल कर लिया, जिसका सपना उनके दिवंगत दादा हाजी गुलाम नबी ने देखा था। फैसल ने एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी कर न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

गुरुवार, 2 अप्रैल 2026 को आगरा स्थित एफएस मेडिकल कॉलेज में आयोजित भव्य ग्रेजुएशन समारोह में फैसल नबी को एमबीबीएस की डिग्री प्रदान की गई। यह पल उनके जीवन का सबसे महत्वपूर्ण और भावुक क्षण बन गया। समारोह के दौरान एक बेहद भावुक दृश्य तब देखने को मिला, जब फैसल ने अपनी ग्रेजुएशन टोपी और डिग्री अपने पिता इस्लाम नबी को समर्पित कर दी। बेटे की इस उपलब्धि को देखकर पिता की आंखों से खुशी के आंसू छलक पड़े और वहां मौजूद सभी लोग भावुक हो उठे। परिजनों ने बताया कि फैसल के दादा हाजी गुलाम नबी का सपना था कि उनका पोता डॉक्टर बने और समाज की सेवा करे। आज जब फैसल ने यह मुकाम हासिल कर लिया है, तो पूरा परिवार गर्व और भावनाओं से भर गया है। परिवार के लोगों ने कहा कि अगर दादा आज जीवित होते, तो यह पल उनके लिए सबसे बड़ी खुशी का होता। डॉ. फैसल नबी ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और दादा के सपनों को दिया। उन्होंने कहा कि उनके दादा हमेशा उन्हें प्रेरित करते थे कि डॉक्टर बनकर समाज की सेवा करें और पैसे को कभी प्राथमिकता न दें। फैसल ने यह भी कहा कि वह अपने दादा के इस संदेश को जीवनभर निभाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने आगे बताया कि उनका अगला लक्ष्य डक की पढ़ाई करना है, जिसके लिए वह तैयारी शुरू कर चुके हैं। उनकी इस उपलब्धि से क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है। शनिवार को उनके पटियाली स्थित आवास पर बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। मोहल्ले और क्षेत्र के कई गणमान्य लोग उन्हें शुभकामनाएं देने पहुंचे और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत निकली गई रैली

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत आज बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा छात्र-छात्राओं की रैली निकाली गई। इससे पूर्व मा मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश शासन योगी आदित्यनाथ ने बनारस के कंपोजिट विद्यालय शिवपुर में स्कूल चलो अभियान का शुभारंभ किया। जिसका सजीव प्रसारण दूरदर्शन एवं मुख्यमंत्री की सोशल मीडिया हैंडलूस के माध्यम से कासगंज के ब्लाक परिसर स्थित सभागार में छात्र-छात्राओं एवं जनमानस को वृहद एलईडी के माध्यम से दिखाया गया। तत्पश्चात डीआईओएस जगदीश प्रसाद शुक्ल द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित समस्त जनप्रतिनिधियों एवं जिलाधिकारी को बुके देकर स्वागत किया गया। डीआईओएस जगदीश प्रसाद शुक्ल ने बताया की स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत प्रथम चरण में शैक्षिक सत्य के प्रारंभ में दिनांक 1 अप्रैल से 15 अप्रैल तक तथा द्वितीय चरण में 1 जुलाई से 15 जुलाई तक जनपद मुख्यालय, तहसील ब्लॉक एवं विद्यालय स्तर पर शैक्षिक गतिविधियां से संबंधित कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। प्रभारी बीएसए राजेश चैधरी द्वारा कार्यक्रम का संक्षिप्त परिचय दिया गया। इस अवसर पर जिला समन्वयक विज्ञान क्लब डॉ जयंत कुमार गुप्ता, खंड शिक्षा अधिकारी सुरेंद्र अहिरवार, प्रीति गोयल, शशिकांत यादव, राजकुमार,प्रधानाचार्य राजेश यादव, डीसी अमित सक्सेना,सनी मिश्रा, सदाशिव,नितिन सहित बेसिक तथा माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

3 वर्ष से अधूरे पडे चैंबर निर्माण को लेकर अधिवक्ताओं में आक्रोश

मोर्निंग सिटी संवाददाता

न्यायालय परिसर में प्रदर्शन कर सरकार से जल्द कार्य शुरू कराने की उठाई मांग

कासगंज। जिला कांग्रेस कमेटी विधि विभाग कासगंज के नेतृत्व में जनपद न्यायालय परिसर में अधिवक्ताओं ने करीब 3 वर्ष से अधिक समय से अधूरे पड़े अधिवक्ताओं के चैंबर निर्माण का कार्य जल्द शुरू कराए जाने हेतु सरकार से मांग करते हुए आक्रोश व्यक्त कर विरोध प्रदर्शन किया।

चेयरमैन सत्येन्द्र पाल सिंह बैस ने कहा करीब 1 वर्ष पूर्व बार का प्रतिनिधिमंडल माननीय मुख्यमंत्री जी से व्यक्तिगत मिलकर अधूरे पड़े चैंबर निर्माण कार्य को जल्द शुरू कराए जाने के संबंध अवगत कर चुका है माननीय मुख्यमंत्री जी के आश्वासन के बाद भी 1 वर्ष बीत जाने के बाद भी जनपद न्यायालय कासगंज में अधिवक्ताओं के चैंबर निर्माण का कार्य शुरू नहीं हो सका है जिससे अधिवक्ताओं में भारी आक्रोश है अधिवक्ता बरसात, गर्मी, सर्दी मौसम की बेरुखी झेलते हुए विषम परिस्थितियों में टीन के नीचे बैठने को मजबूर हैं। हमारे कई अधिवक्ता साथी बीमार भी पड़े हैं और एक अधिवक्ता साथी की मृत्यु भी हो चुकी है। उन्होंने आगे कहा हम सरकार से विनम्र अनुरोध के साथ कहना चाहते हैं कि जनपद न्यायालय कासगंज में अधूरे पड़े चैंबर निर्माण कार्य के लिए सरकार जल्द से जल्द धन राशि अवमुक्त करा कर चंबल निर्माण कार्य जल्द जल्द शुरू कराए जिससे जनपद न्यायालय कासगंज के अधिवक्ता अपने चेंबर में बैठकर सुचारू रूप से विधि व्यवसाय कर सकें। चेयरमैन बैस ने यह भी कहा कि जनपद न्यायालय कासगंज भवन निर्माण शुरू करने के लिए भी अधिवक्ताओं ने एक लंबी लड़ाई लड़ी और जिला बचाओ आंदोलन संघर्ष समिति बनाकर आंदोलन किया तब जाकर बहुत ही सुंदर जनपद न्यायालय भवन बनकर तैयार हुआ है। वरिष्ठ अधिवक्ता उपेंद्र मिश्रा ने कहा अधिवक्ताओं के पास चेंबर ना होने से वह सुचारू रूप से अपना विधि व्यवसाय नहीं कर पा रहे हैं, उन्होंने आगे कहा सरकार जनपद न्यायालय कासगंज में अधिवक्ताओं के अधूरे पड़े चैंबर निर्माण का कार्य जल्द शुरू कराए अन्यथा की स्थिति में जनपद कासगंज के अधिवक्ता एक ठोस रणनीति के तहत आंदोलन के लिए मजबूर होंगे। जिसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी। विरोध प्रदर्शन करने वालों में सुभाष यादव, महेंद्र पाल सिंह वर्मा,डॉक्टर विजेंद्र सिंह यादव, अब्दुल हई, राहत हुसैन, सत्येंद्र सैनी, मोहम्मद अकलीम, अरविंद गोला, धर्मेश शर्मा, धर्मेंद्र कुमार सिसोदिया,मोहम्मद अयाज आदि अधिवक्ता मौजूद रहे।

नगला नरायण में पुरानी रंजिश में युवक को मारी गोली, रेफर

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। गंजडुंडवारा थाना क्षेत्र में एक 27 वर्षीय युवक को गोली मारकर घायल कर दिया गया। गंभीर हालत में उसे इलाज के लिए अलीगढ़ रेफर किया गया है। पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है। घटना गंजडुंडवारा कोतवाली क्षेत्र के नगला नारायण गांव में हुई। घायल युवक की पहचान विजितेंद्र पुत्र अतर सिंह के रूप में हुई है, जो इसी गांव का निवासी है। उसे माथे पर गोली लगी है। गोली मारने का आरोप गांव के ही जगमोहन और दो अन्य लोगों पर लगा है। युवक को इलाज के लिए अलीगढ़ रेफर किया गया है। जानकारी शुक्रवार रात 10 बजे मिली। परिजनों के अनुसार, विजितेंद्र रात का खाना खाने के बाद घर के बाहर सड़क पर टहल रहा था। तभी गांव के ही जगमोहन और दो अन्य व्यक्तियों ने पुरानी रंजिश के चलते उसे गोली मार दी। गोली मारने के पीछे प्लॉट विवाद को मुख्य वजह बताया जा रहा है। घायल विजितेंद्र को तत्काल कासगंज के जिला अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए अलीगढ़ रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार जिला अस्पताल पहुंचे और घायल के परिजनों से मामले की जानकारी ली। पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है और मामले की गहनता से जांच कर रही है।

छोटी खबरें

डीएम-एसपी की मौजूदगी में सम्पूर्ण समाधान दिवस, शिकायतें सुनीं

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

अकबरपुर (कानपुर देहात)। तहसील अकबरपुर में शनिवार को आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी कपिल सिंह और पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय ने फरियादियों की शिकायतें सुनीं। इस दौरान विभिन्न गांवों से पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं। डीएम और एसपी ने राजस्व व पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि शिकायतों के निस्तारण के लिए टीम बनाकर मौके पर जाकर जांच की जाए और सभी मामलों का निष्पक्ष व समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से भूमि से जुड़े मामलों में राजस्व और पुलिस की संयुक्त टीम बनाकर कार्रवाई करने के निर्देश दिए, ताकि फरियादियों को अलग-अलग विभागों के चक्कर न लगाने पड़ें और प्रकरणों का त्वरित, पारदर्शी व न्यायपूर्ण निस्तारण हो सके। इसी क्रम में समस्त क्षेत्राधिकारी भी अपने-अपने सर्किल की तहसीलों में समाधान दिवस आयोजित कर लोगों की समस्याएं सुनी।

अपहरण के आरोपित को गिरफ्तार कर भेजा जेल

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

सट्टी (कानपुर देहात)। थाना सट्टी पुलिस ने अपहरण की घटना में नामजद एक आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। यह कार्रवाई जनपद में अपराध नियंत्रण व घटनाओं के खुलासे के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। पुलिस के अनुसार बुधवार को वादी ने थाना सट्टी में तहरीर देकर बताया कि वह ग्राम कथरी स्थित कात्यायनी माता मंदिर में दर्शन करने गया था। मंदिर के बाहर से मोनू, अजीत, रवि व कार संख्या वढ77ङ6066 के चालक (नाम पता अज्ञात) ने उसे जबरन कार में डालकर अपहरण कर लिया। वादी के शोर मचाने पर आरोपित उसे पटेल चौक, कस्बा व थाना सिकंदरा क्षेत्र में छोड़कर भाग गए। मामले में थाना सट्टी में मुकदमा अपराध संख्या 13/2026 धारा 140(3) बीएनएस के तहत मोनू पुत्र नत्थू निवासी ग्राम खरतला थाना राजपुर, अजीत, रवि व अज्ञात चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई। पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर नामजद आरोपित मोनू उर्फ रविन्द्र सिंह पुत्र नत्थूराम निवासी ग्राम खरतला थाना राजपुर को ग्राम सट्टी में गैस एजेंसी के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई कर उसे न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जिला कारागार माती भेज दिया गया।

यातायात नियमों के उल्लंघन पर 224 वाहनों का चालान

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

कानपुर देहात। सड़क सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए जनपद पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की। अभियान के दौरान 224 वाहनों का मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालान किया गया। यह अभियान पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय के निर्देशन और अपर पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में चलाया गया। इसका उद्देश्य जनपद में अपराध व अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण रखने के साथ यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाना है। पुलिस द्वारा चलाए गए अभियान में बिना नंबर प्लेट के वाहन चलाना, ट्रिपल राइडिंग, हेलमेट न पहनना और बिना ड्राइविंग लाइसेंस के वाहन चलाने जैसे नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई। पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें, ताकि सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सके और सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित हो सके। जनपद में सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

सीडीओ ने विभागीय कार्यों की समीक्षा की, दिए सख्त निर्देश

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

कानपुर देहात। विकास भवन सभागार में मुख्य विकास अधिकारी विधान जायसवाल की अध्यक्षता में ई-केवाईसी, फैमिली आईडी, फार्मर रजिस्ट्री और 15वें वित्त आयोग से संबंधित कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला स्तरीय अधिकारी, खंड विकास अधिकारी, पंचायत सचिव और तकनीकी कार्मिक उपस्थित रहे। बैठक के दौरान सीडीओ ने निर्देश दिए कि जनपद में संचालित सभी योजनाओं में ए-ङ उ की प्रगति शत-प्रतिशत सुनिश्चित की जाए, जिससे लाभार्थियों का सत्यापन पारदर्शी और त्रुटिरहित ढंग से हो सके। उन्होंने ॠ८ क्ळ के निर्माण और सत्यापन में तेजी लाने, छूटे हुए परिवारों का सर्वे कर पंजीकरण पूर्ण कराने तथा डेटा की शुद्धता बनाए रखने के निर्देश दिए। इसी क्रम में के अंतर्गत अधिक से अधिक किसानों का पंजीकरण कराने, भू-अभिलेखों से मिलान कर डेटा अपडेट रखने तथा कृषि, राजस्व और पंचायत विभाग के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया गया। सीडीओ ने 15 के अंतर्गत ग्राम पंचायतों को प्राप्त धनराशि के पारदर्शी उपयोग, कार्यों की समयबद्ध पूर्णता और गुणवत्ता नियंत्रण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही ऑनलाइन पोर्टल पर समय से प्रविष्टि करने को भी कहा। अकबरपुर ब्लॉक के सचिव अभिषेक शुक्ला द्वारा 15वें वित्त आयोग के कार्यों में अपेक्षित प्रगति न मिलने पर सीडीओ ने उनका स्पष्टीकरण तलब करते हुए प्रतिकूल प्रविष्टि देने के निर्देश दिए। वहीं सचिव दीपिका यादव, आकाश कुमार और ब्रह्मराज बैठक में बिना अनुमति अनुपस्थित पाए गए, जिस पर उनका स्पष्टीकरण मांगते हुए एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश दिए गए। उन्होंने स्पष्ट किया कि वित्त आयोग के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही मिलने पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बैठक में उपायुक्त श्रम रोजगार अशोक कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी विकास पटेल, उप कृषि निदेशक तथा सभी खंड विकास अधिकारी मौजूद रहे।

तालाब की जमीन से हटाया गया अवैध कब्जा, प्रशासन की कार्रवाई से मचा हड़कंप

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

बकेवर (इटावा)। ब्लॉक क्षेत्र की ग्राम पंचायत दलीपनगर के ग्राम बिरहाईं में तालाब की जमीन पर किए जा रहे अवैध कब्जे को लेकर शुक्रवार को प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए अतिक्रमण हटवा दिया। जानकारी के अनुसार तालाब गाटा संख्या 111 की भूमि पर कुछ लोग इंटरलॉकिंग और आरसीसी निर्माण कराने की तैयारी कर रहे थे, जिससे गांव में तनाव की स्थिति बन गई। मामले की सूचना मिलने पर ग्राम प्रधान विनीता देवी और पंचायत सचिव मौके पर पहुंचे, लेकिन हालात बिगड़ते देख प्रशासन को सूचना दी गई। उपजिलाधिकारी के निर्देश पर पुलिस बल और राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची। राजस्व टीम के बालेंद्र सिंह, ग्राम प्रधान विनीता देवी और पुलिस की मौजूदगी में तालाब से अवैध कब्जा हटवा दिया गया। कार्रवाई के दौरान मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और कब्जा करने वाले लोगों में हड़कंप मच गया। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि सरकारी जमीन, विशेषकर तालाबों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दोबारा कब्जे की कोशिश करने पर संबंधित लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई के बाद गांव में चर्चा का माहौल बना हुआ है और लोग प्रशासन की सख्ती को लेकर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना-2026 के क्रियान्वयन को लेकर डीएम ने की बैठक

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

कानपुर देहात। प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी कपिल सिंह की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद की सभी ग्राम पंचायतों को सुगम परिवहन सेवा से जोड़ने को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने योजना के विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक ब्लॉक और ग्राम पंचायत को ध्यान में रखते हुए विस्तृत व व्यवहारिक रूट चार्ट तैयार किया जाए, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों को ब्लॉक, तहसील और जिला मुख्यालय से सीधे जोड़ा जा सके। उन्होंने कहा कि योजना का मुख्य उद्देश्य अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सुरक्षित, सुलभ और किफायती परिवहन सुविधा पहुंचाना है। बैठक में बताया गया कि योजना के तहत 15 से 28 सीट क्षमता वाले डीजल, सीएनजी या इलेक्ट्रिक वाहनों का संचालन निजी सहभागिता के माध्यम से किया जाएगा। इससे दूरस्थ और परिवहन सुविधाओं से वंचित ग्राम पंचायतों को मुख्यधारा से जोड़ा जा सकेगा। डीएम ने निर्देश दिए कि प्रत्येक ब्लॉक में कम से कम दो वाहनों का संचालन सुनिश्चित किया जाए तथा हर ग्राम पंचायत को प्रतिदिन कम से कम दो बार परिवहन सुविधा उपलब्ध हो। मुख्य विकास अधिकारी विधान जायसवाल ने योजना के क्रियान्वयन की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि आवेदन, चयन और वाहन उपलब्धता की प्रक्रिया निर्धारित समय-सीमा में पूरी की जाएगी। उन्होंने बताया कि योजना के तहत प्राप्त पांच आवेदनों की जांच जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा की जाएगी। अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) अमित कुमार ने कहा कि योजना के सफल संचालन के लिए सभी विभागों के बीच समन्वय आवश्यक है। वहीं रोडवेज व परिवहन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि योजना के अंतर्गत संचालित वाहनों को टङ्क३ङ्क१ श्रॅ ि२ अू३ 1988 की धारा 66 के तहत परमिट की अनिवार्यता से छूट दी गई है, जिससे संचालन में आसानी होगी और निजी निवेश को बढ़ावा मिलेगा। बैठक के अंत में जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को समयबद्ध ढंग से कार्यवाही सुनिश्चित करने और योजना की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह योजना ग्रामीण विकास को गति देने के साथ ही आमजन को बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण साबित होगी। योजना की प्रक्रिया 13 अप्रैल 2026 से पहले पूरी करने के निर्देश दिए गए। बैठक में एआरएम रोडवेज मो. अशफाक, जिला पंचायत राज अधिकारी विकास पटेल, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

भाजपा का दो दिवसीय पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण वर्ग शुरू

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

झींझक (कानपुर देहात)। भारतीय जनता पार्टी की रसूलाबाद विधानसभा का दो दिवसीय पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण वर्ग शांति विद्या निकेतन इंटर कॉलेज, झींझक में प्रारंभ हो गया। कार्यक्रम का उद्घाटन भाजपा जिलाध्यक्ष रेणुका सचान, विधायक पूनम शंखवार, पूर्व जिलाध्यक्ष राजेंद्र सिंह चौहान तथा मदन पांडेय ने किया।

जिलाध्यक्ष रेणुका सचान ने वैचारिक अधिष्ठान विषय पर अपने संबोधन में कहा कि पार्टी का उद्देश्य भारत का पुनर्निर्माण कर समाज में जागरण लाते हुए उसे सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाना है। उन्होंने कहा कि भाजपा के सिद्धांत हमारी प्राचीन सभ्यता और संस्कृति में निहित हैं, जो आधुनिकता, विज्ञान, तकनीक और लोकतंत्र में भी विश्वास रखते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सभी नागरिकों को राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक न्याय तथा समान अवसर दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। धार्मिक विश्वास की स्वतंत्रता केवल संवैधानिक प्रावधान नहीं, बल्कि जीवन का मूल मूल्य है। विधायक पूनम शंखवार ने बूथ प्रबंधन और ह्यमन की बातह्व विषय पर संबोधित करते हुए कहा कि संगठन के लिए यह कार्यक्रम राष्ट्रीय स्तर के संदेशों को जमीनी स्तर तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि भाजपा अपने विचारों और कार्यों के बल पर दो सीटों से बढ़कर 303 सीटों तक पहुंची है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार नें के तहत करोड़ों लोगों को आवास उपलब्ध कराए हैं और अ८४रॅंल्ल ईॅं१३ योजना के माध्यम से करोड़ों लोगों को प्रतिवर्ष पांच लाख रुपये तक का निशुल्क इलाज मिल रहा है। कार्यक्रम के दौरान पार्टी के विकास कार्यों को दशार्ती एक प्रदर्शनी भी लगाई गई। इस मौके पर कार्यक्रम संयोजक बबलू शुक्ला, पूर्व जिलाध्यक्ष मनोज शुक्ला, राजेश सचान, केपी सिंह, रागिनी भदौरिया, ऋषि सिंह, जीतेंद्र द्विवेदी, अमित तिवारी, सोनू श्याम, मोहन दुबे, बब्बन शर्मा, दिग्वेंद्र प्रताप सिंह, रंजना दुबे, अटल वाजपेई, राजेश सिंह, पंकज दुबे, बृजेश त्रिपाठी, बाल जी शुक्ला, अंशु तिवारी समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत महिला सुरक्षा को लेकर चलाया गया जागरूकता अभियान

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

कानपुर देहात। मिशन शक्ति फेज-5 के द्वितीय चरण के तहत शनिवार को जनपद पुलिस ने बाजारों, सार्वजनिक स्थानों तथा ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में महिलाओं व बालिकाओं को जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाया।

यह अभियान पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय के निर्देशन में संचालित किया गया। अभियान के दौरान थाना पुलिस द्वारा सैकड़ों महिलाओं और बालिकाओं को महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण, कानूनी अधिकारों और अपराधों से बचाव के उपायों के बारे में जानकारी दी गई। पुलिस ने महिलाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी, जिनमें 181 महिला हेल्पलाइन, 1090 महिला शक्ति लाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 112 इमरजेंसी हेल्पलाइन और 1076 पुलिस कंट्रोल रूम शामिल हैं। साथ ही UPCOP App के माध्यम से पुलिस सेवाओं का त्वरित लाभ लेने की प्रक्रिया भी बताई गई। अभियान के दौरान सोशल मीडिया से जुड़े साइबर अपराध जैसे फिशिंग, साइबर स्टॉकिंग और फर्जी प्रोफाइल के जरिए होने वाली धोखाधड़ी से बचाव के बारे में भी व्यावहारिक जानकारी दी गई। इसके साथ ही महिलाओं को और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम से जुड़े कानूनी अधिकारों की जानकारी भी दी गई। पुलिस ने कहा कि मिशन शक्ति 5.0 के तहत महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन सुनिश्चित करने के लिए यह अभियान लगातार चलाया जा रहा है। साथ ही महिलाओं से अपील की गई कि किसी भी प्रकार की असुरक्षा या अपराध की स्थिति में तुरंत नजदीकी पुलिस थाने या हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क करें।

बुजुर्ग को मृत दिखाकर जमीन हड़पने का आरोप, समाधान दिवस में एसडीएम से गुहार

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

सिकंदरा (कानपुर देहात)। तहसील समाधान दिवस में शनिवार को एक चौंकाने वाला मामला सामने आया। खानपुर डिलवल निवासी एक बुजुर्ग ने अपने ही सगे भतीजों पर कागजों में मृत घोषित कर उनकी कृषि भूमि हड़पने की साजिश रचने का आरोप लगाते हुए एसडीएम से शिकायत कर न्याय की गुहार लगाई। जानकारी के अनुसार वर्तमान में लखनऊ के जानकीपुरम निवासी सेवानिवृत्त बैंक कर्मचारी सतीश कुमार सिंह गौर की पैतृक कृषि भूमि ग्राम खानपुर डिलवल में स्थित है। आरोप है कि उनके भतीजे अभय प्रताप सिंह और अश्वनी कुमार सिंह ने कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर उन्हें मृत दशार्ते हुए स्वयं को उत्तराधिकारी बताकर राजस्व अभिलेखों में नाम दर्ज कराने का प्रयास किया। बताया गया कि पहले आरसी प्रपत्र-9 के तहत दिया गया आवेदन निरस्त हो गया था, लेकिन इसके बाद भी आरोपियों ने धारा 34 राजस्व संहिता के तहत नायब तहसीलदार न्यायालय सिकंदरा में वाद दायर कर दिया। वाद संख्या टी-202603400500125 में कथित रूप से गलत तथ्यों के आधार पर न्यायालय को गुमराह कर पीड़ित की जमीन पर रोक भी लगवा दी गई है। पीड़ित सतीश कुमार सिंह गौर का कहना है कि उन्हें इस मामले की जानकारी मुकदमे के माध्यम से हुई। इससे पहले न तो उन्हें कोई नोटिस मिला और न ही कोई सूचना दी गई। उनका आरोप है कि उन्हें मृत दिखाकर उनकी पत्नी और बच्चों को दरकिनार करते हुए जमीन पर कब्जा करने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने भतीजों को दबंग बताते हुए अपनी जान-माल की सुरक्षा की भी मांग की है। इस संबंध में उपजिलाधिकारी प्रद्युम्न कुमार ने बताया कि शिकायत प्राप्त हुई है। मामले की निष्पक्ष जांच कराकर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

मानदेय न मिलने से नाराज रोजगार सेवक हड़ताल पर, बीडीओ को सौंपा ज्ञापन

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

राजपुर (कानपुर देहात)। विकास खंड राजपुर में ग्राम रोजगार सेवक एकता संघर्ष समिति के बैनर तले रोजगार सेवकों ने अपनी मांगों को लेकर गुरुवार से अनिश्चितकालीन कलमबंद हड़ताल पर जाने की घोषणा की। इस संबंध में समिति के ब्लॉक अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार पाल ने खंड विकास अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर सूचना दी।

ब्लॉक अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार पाल ने बताया कि ग्राम रोजगार सेवकों को पिछले 19 माह से मानदेय नहीं मिला है। मानदेय न मिलने के कारण उनके त्योहार भी फीके पड़ जाते हैं और परिवार के भरण-पोषण में गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि कई बार रोजगार सेवकों को अपनी ग्राम पंचायत के साथ-साथ अन्य रिक्त ग्राम पंचायतों का कार्य भी सौंप दिया जाता है, जबकि यह नियमों के विरुद्ध है। इसके बावजूद उनका लंबित मानदेय नहीं दिया जा रहा है। रोजगार सेवकों की प्रमुख मांगों में सभी का लंबित मानदेय तत्काल जारी करना तथा वित्तीय वर्ष 2025-26 से पहले मानदेय और ईपीएफ की धनराशि यूएएन खातों में स्थानांतरित करना शामिल है। रोजगार सेवकों ने ब्लॉक अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार पाल के नेतृत्व में खंड विकास अधिकारी हरगोविंद गुप्ता को ज्ञापन सौंपकर ब्लॉक परिसर में अनिश्चितकालीन कलमबंद हड़ताल करने की अनुमति भी मांगी। इस संबंध में बीडीओ हरगोविंद गुप्ता ने बताया कि रोजगार सेवकों का ज्ञापन प्राप्त हो गया है और इसकी जानकारी उच्चाधिकारियों को भेजी जाएगी। इस मौके पर विजय सिंह, संजय सिंह, हरनारायण, कमलेश कुमारी, राकेश बाबू, जितेंद्र सिंह, अबुज कुमार, सपना, प्रमोद कुमार, राम गोविंद, आशीष कुमार, मंजू देवी, रामसिंह, नीरज कुमार, अमरेश बाबू, सीमा देवी, कालिदी और मुन्नीलाल सहित कई रोजगार सेवक मौजूद रहे।

श्रीमद्भागवत कथा में गोवर्धन पूजा का प्रसंग सुनाया, श्रद्धालु हुए भावविभोर

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

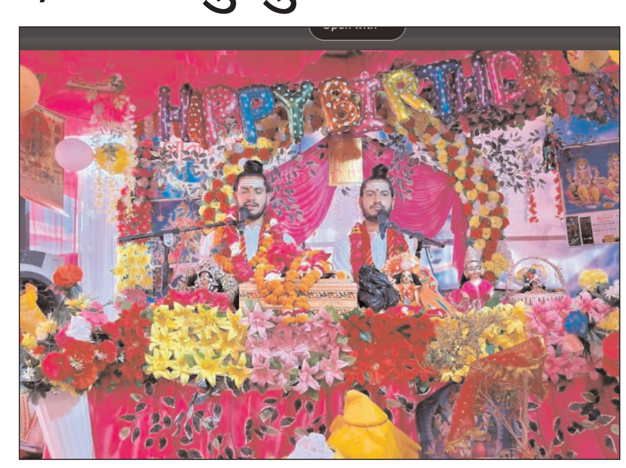

राजपुर (कानपुर देहात)। कस्बा के अशोक नगर में 30 मार्च से चल रहे श्रीमद्भागवत एवं श्रीराम कथा ज्ञान यज्ञ में शुक्रवार को पांचवें दिन कथा के दौरान गोवर्धन पूजा और नंद उत्सव का प्रसंग सुनाया गया। कथा श्रवण कर रहे बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्ति भाव में डूब गए।

कथावाचक पं. राम श्याम महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण की माखन चोरी और उनकी चंचल बाल लीलाओं का वर्णन करते हुए बताया कि किस प्रकार बालकृष्ण की मोहकता से पूरे ब्रज में आनंद और उल्लास का वातावरण बना रहता था। उन्होंने गोकुलवासियों के साथ श्रीकृष्ण के स्नेहपूर्ण व्यवहार का भी विस्तार से वर्णन किया।

कथा में आगे गोवर्धन पूजा का प्रसंग सुनाते हुए बताया कि भगवान श्रीकृष्ण ने प्रकृति पूजन का संदेश दिया और गांववासियों को सही मार्ग दिखाया। जब इंद्र के क्रोधित होकर मूसलाधार वर्षा बरसाने और ब्रजवासियों को संकट में डालने की कथा सुनाई गई तो श्रद्धालुओं ने जय श्रीकृष्ण के उद्घोष से पूरा पांडाल गुंजा दिया।

भागवताचार्य ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी कनिष्ठ उंगली पर गोवर्धन पर्वत धारण कर पूरे ब्रज की रक्षा की, जिससे उनकी दिव्य शक्ति का परिचय मिलता है। कथा के अंत में कंस वध प्रसंग का भी मार्मिक वर्णन किया गया। वहीं रात्रि में आयोजित श्रीराम कथा में कथावाचक सीताशरण रामायणी महाराज ने पुष्प वाटिका, राम विवाह और अहिल्या उद्धार का प्रसंग सुनाया। कार्यक्रम के अंत में परीक्षित शैली पोरवाल, पत्नी स्व. रामकुमार पोरवाल ने श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया। इस मौके पर गोविंद माधव, घनश्याम दास, संदीप पोरवाल, विनय पोरवाल, पवन पोरवाल, प्रियम पोरवाल, अजय पोरवाल, मनोज पोरवाल, बाबू नेता, निर्मल कटियार और आलोक गुप्ता समेत कई लोग मौजूद रहे।

अवैध तमंचा व कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

गजनेर (कानपुर देहात)। थाना गजनेर पुलिस ने संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग के दौरान एक युवक को अवैध तमंचा और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ आयुध अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय भेज दिया।

पुलिस के अनुसार अपराध नियंत्रण व घटनाओं की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत शनिवार को पुलिस टीम संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग करते हुए ग्राम गोगूमऊ होते हुए दुलारी की ओर जा रही थी। इसी दौरान ग्राम मन्नापुर जाने वाले मोड़ की पुलिया के पास एक युवक पुलिस वाहन को देखकर घबराकर दूसरी दिशा में तेज कदमों से जाने लगा। संदेह होने पर पुलिस ने पीछा कर युवक को पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम शत्रुघन सिंह उर्फ टीपू पुत्र जितेंद्र सिंह निवासी ग्राम करसा थाना गजनेर बताया। तलाशी लेने पर उसके पास से एक अवैध देशी तमंचा .315 बोर और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ थाना गजनेर में मुकदमा संख्या 85/2026 धारा 3/25 आयुध अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया है।

बहन की हत्या में दो सगे भाइयों को भेजा गया जेल, अन्य की तलाश

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

मूसानगर (कानपुर देहात)। थाना मूसानगर क्षेत्र के मुर्तजा नगर में पैतृक मकान के विवाद में 32 वर्षीय महिला की लोहे के सब्बल से हमला कर हत्या कर दी गई। पुलिस ने मामले में मृतका के दो सगे भाइयों समेत कई लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है, जबकि अन्य की तलाश जारी है।

पुलिस के अनुसार मृतका मूल रूप से सिकंदरा थाना क्षेत्र की रहने वाली थी और पति से अनबन के चलते पिछले करीब छह वर्षों से मायके में रह रही थी। करीब डेढ़ वर्ष पूर्व पिता के निधन के बाद मुगल रोड किनारे स्थित पैतृक मकान का हिस्सा मृतका के नाम कर दिया गया था। इसी मकान पर प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना के तहत निर्माण कार्य भी चल रहा था, जिसे लेकर परिवार में लंबे समय से विवाद चल रहा था। मृतका की बड़ी बहन सीमा, निवासी हरदुआ गांव थाना भोगनीपुर, ने बताया कि उसकी बहन अक्सर भाइयों द्वारा प्रताड़ित किए जाने की बात बताती थी। शनिवार दोपहर करीब चार बजे उससे आखिरी बार बात हुई थी, जिसमें उसने भाइयों द्वारा जान से मारने की धमकी मिलने की जानकारी दी थी और वह काफी डरी हुई थी।

स्थानीय लोगों के मुताबिक शनिवार को मकान के विवाद को लेकर झगड़ा इतना बढ़ गया कि भाइयों ने लोहे के सब्बल से उसके सिर पर कई वार कर दिए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी संजय वर्मा और थाना प्रभारी रीना गौतम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए, जबकि पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामले में मुइनुद्दीन उर्फ बड़े, शाजदा पत्नी मुइनुद्दीन, नियाजुद्दीन उर्फ नियाज पुत्र मोहम्मद अहमद निवासी मुर्तजा नगर फत्तेपुर थाना मूसानगर सहित चार-पांच अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। पुलिस ने मंगलवार को नियाजुद्दीन उर्फ नियाज (42) को हलिया मोड़ के पास से गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त सब्बल बरामद किया। इसके बाद शुक्रवार को मुखबिर की सूचना पर मुइनुद्दीन उर्फ बड़े को बिबियापुर मोड़ के पास से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। पुलिस अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही है।

'भूल भुलैया 2' न सही तो 'भूत बंगला' से सपना सच हो गया'

बातचीत के दौरान वामिका ने इस फिल्म को लेकर अपनी खुशी, 'भूल भुलैया 2' से जुड़ा एक पुराना किस्सा, अक्षय और प्रियदर्शन की आपसी समझ, सेट पर अनुशासन और भविष्य की योजनाओं पर खुलकर बात की।
काफी वक्त से कॉमेडी फिल्म करना चाहती थी वामिका कहती हैं, 'मैं काफी समय से कह रही थी कि मुझे ऐसी फिल्म करनी है। मैं 'गरम मसाला', 'भूल भुलैया', 'हलचल' और 'भागम भाग' जैसी फिल्मों को देखकर बड़ी हुई हूं। हमेशा सोचती थी कि काश मैं भी ऐसी एक फिल्म का हिस्सा बनूं। जब पता चला कि प्रियदर्शन सर और अक्षय सर साथ में फिल्म कर रहे हैं तो मेरे लिए यही बात अपने आप में बहुत बड़ी थी।'

'भूल भुलैया 2' करते-करते रह गई थी

वामिका ने बातचीत के दौरान यह भी बताया कि वह पहले भी इस कॉमेडी स्पेस का हिस्सा बनने के करीब पहुंच चुकी थीं। उन्होंने कहा, 'जब 'भूल भुलैया 2' बन रही थी, तब मैंने भी उस फिल्म के लिए ऑडिशन दिया था। मैंने ऑडिशन दिया था, फिल्म करने के काफी करीब भी पहुंच गई थी लेकिन किसी वजह से यह होते-होते रह गया। अब देखो, मैं 'भूत बंगला' कर रही हूं। जो सपना इतने साल का था, वो आखिरकार पूरा हुआ।'

कभी-कभी लगता था, सेट पर दो पुराने दोस्त खड़े हैं

सेट पर अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की आपसी समझ कैसी थी पूछा जाने पर वामिका ने कहा, 'इनको देखकर कभी-कभी मुझे लगता था कि दो पुराने दोस्त साथ खड़े हैं, जो एक-दूसरे के साथ मजाक कर रहे हैं। वहीं कभी-कभी ऐसा लगता था जैसे गुरु और शिष्य के बीच कोई अनकही समझ चल रही हो। प्रियदर्शन सर कुछ कहते थे और अक्षय सर तुरंत समझ जाते थे। उनकी यह समझ सेट पर सामने देखना अपने आप में बहुत दिलचस्प था।'

अक्षय समय पर है तो आप देरी नहीं कर सकते अक्षय कुमार के अनुशासन पर बात करते हुए वामिका ने कहा, 'सेट पर समय से पहुंचने का दबाव तो होता था। जब आपको पता हो कि अक्षय सर सेट पर समय से आते हैं, अनुशासित हैं, तो आप आराम से या देर से नहीं पहुंच सकते। लेकिन वह दबाव नकारात्मक नहीं होता। वह आपको प्रोफेशनल बनाता है।'

अक्षय सर के साथ एक्शन फिल्म करूंगी

बातचीत के अंत में वामिका ने यह भी कहा कि 'भूत बंगला' के बाद अब उनकी इच्छा अक्षय कुमार के साथ एक्शन फिल्म करने की भी है। फिल्म 'भूत बंगला' को वामिका गब्बी अपने लिए यादगार मानती हैं। वह कहती हैं, 'मेरे लिए ये सिर्फ एक फिल्म नहीं थी। ये बहुत खास अनुभव था। जिस तरह की फिल्में मुझे पसंद हैं, उसी तरह की फिल्म में काम करना, प्रियदर्शन सर जैसे निर्देशक और अक्षय सर जैसे कलाकार के साथ काम करना यादगार रहा है।

मैं कभी एक्टिंग में नहीं आना चाहते था, मुझे म्यूजिक ज्यादा पसंद है

अक्षय कुमार और वामिका गब्बी की हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'भूत-बंगला' 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म को यूए-16 की रेटिंग के साथ रिलीज की अनुमति मिली है। फिल्म में बंगाली एक्टर जिशु सेनगुप्ता ने भी अहम किरदार निभाया है। अब उन्होंने फिल्म में अक्षय कुमार और डायरेक्टर प्रियदर्शन के साथ काम करने को किसी सपने के सच होने जैसा बताया है। बातचीत में जिशु सेनगुप्ता ने कहा, डायरेक्टर प्रियदर्शन के साथ काम करना उनके लिए सपने का सच होने जैसा है, क्योंकि जब वे सीरियस फिल्म बनाते हैं, तब सेट पर गंभीरता का पैमाना अपने आप सेट हो जाता है और जब वे कॉमेडी फिल्म बनाते हैं तो सेट पर कॉमेडी के नए आयाम स्थापित हो जाते हैं। मेरी पहली मुलाकात इनसे सीसीएल में हुई थी, जब मैंने उनके साथ काम करने की इच्छा जाहिर की थी। हालांकि समय ज्यादा लग गया, लेकिन उनके साथ काम करना मेरे लिए गर्व की बात है। डायरेक्टर प्रियदर्शन के साथ सेट पर काम करने के अनुभव पर जिशु सेनगुप्ता ने कहा, 'पहले कुछ दिन अजीब लगता है, मैं नर्वस नहीं था, लेकिन समझ नहीं पा रहा था क्योंकि सेट पर एक के बाद दूसरा शॉट हो रहा था और नहीं पता कि सीन में कोई कमी तो नहीं है। मैंने पूछा तो पता चला कि सब कुछ परफेक्ट है। जब सब कुछ परफेक्ट होता तो डायरेक्टर कुछ नहीं बोलते और जब कमी होती तो वे सामने से आकर बोलते थे। उन्होंने बताया कि डायरेक्टर सेट पर सबकी सुनते थे। अक्षय सर कुछ बताते तो वो तुरंत मान जाते थे।' 'भूत-बंगला' के लिए 'हां' करने के सवाल पर अभिनेता ने कहा कि भले ही फिल्म में बहुत सारे किरदार हैं, लेकिन हर किरदार का अपना अस्तित्व है और अलग कहानी है। मेरे लिए अच्छा किरदार बहुत मायने रखता है और यही कारण है कि मैंने फिल्म को करने के लिए 'हां' की।
फिल्मों में अपने करियर की शुरुआत को लेकर अभिनेता का कहना है कि वो कभी भी एक्टिंग में नहीं आना चाहते थे, क्योंकि उनके पिता थिएटर एक्टर थे। उन्होंने कहा, 'मेरी मां नहीं चाहती थी कि मैं फिल्मों में आऊं और न ही मैं आना चाहता था। मुझे म्यूजिक ज्यादा पसंद है और खुद का बैंड भी है, लेकिन किस्मत पता नहीं कैसे सिनेमा में ले आई।' अभिनेता ने खुलासा किया कि वे कभी अपनी खुद की फिल्में नहीं देखते हैं।

प्रियदर्शन की 100वीं फिल्म में नजर आएंगे मोहनलाल

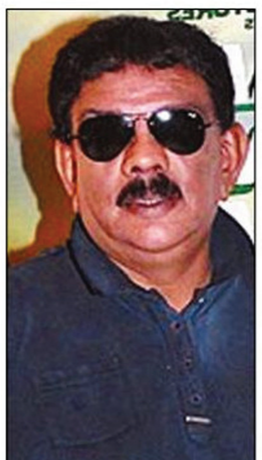

मलयालम सिनेमा के दिग्गज अभिनेता मोहनलाल और डायरेक्टर प्रियदर्शन एक बार फिर साथ आ रहे हैं। यह प्रियदर्शन के करियर की 100वीं फिल्म होगी। खास बात यह है कि मोहनलाल ने ही प्रियदर्शन की पहली फिल्म में लीड रोल निभाया था और अब वे उनकी 'सेंचुरी' वाली फिल्म का भी हिस्सा बनेंगे। यह फिल्म एक 'म्यूजिकल ड्रामा' होगी, जिसे आशीर्वाद सिनेमाज के बैनर तले बनाया जाएगा। हालांकि इस प्रोजेक्ट का नाम अभी तय नहीं हुआ है। मोहनलाल ने सोशल मीडिया पर एक नोट लिखकर फिल्म पर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने लिखा, 'कुछ उपलब्धियां किसी एक व्यक्ति की नहीं होतीं। मेरे प्रिय मित्र प्रियन (प्रियदर्शन) अपनी 100वीं फिल्म की ओर कदम बढ़ा रहे हैं और मेरे पास शब्द नहीं हैं कि यह मेरे लिए क्या मायने रखता है। 100 फिल्में सिर्फ एक नंबर नहीं हैं, बल्कि कहानियों से भरा एक जीवन है। मैं इस सफर का हिस्सा बनकर खुद को सम्मानित महसूस कर रहा हूं।'

एंथोनी पेरुम्बावूर करेंगे प्रोड्यूस

इस फिल्म को मोहनलाल के करीबी और मशहूर प्रोड्यूसर एंथोनी पेरुम्बावूर प्रोड्यूस कर रहे हैं, जबकि बिनू जॉर्ज अलेक्जेंडर को-प्रोड्यूसर होंगे। फिल्म की कहानी को लेकर अभी ज्यादा जानकारी साझा नहीं की गई है,लेकिन मेकर्स ने साफ किया है कि यह प्रियदर्शन की सिग्नेचर कॉमेडी फिल्मों से अलग एक म्यूजिकल फिल्म होगी। फिल्म की शूटिंग जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है।

भारतीय सिनेमा में बनेगा नया रिकॉर्ड

यह फिल्म भारतीय सिनेमा में एक नया रिकॉर्ड सेट कर सकती है। बहुत कम ऐसा देखा गया है कि जिस अभिनेता ने किसी डायरेक्टर की पहली फिल्म में काम किया हो, वही उसकी 100वीं फिल्म में भी मुख्य भूमिका निभाए। मोहनलाल और प्रियदर्शन की जोड़ी ने पिछले चार दशकों में 'बोइंग बोइंग', 'चित्रम', 'कालापानी' और 'ओप्पम' जैसी कई क्लासिक फिल्में दी हैं।

पुराने दोस्त हैं प्रियदर्शन और मोहनलाल

प्रियदर्शन ने अपने करियर की शुरुआत 1980 के दशक में की थी। उन्होंने न केवल मलयालम बल्कि बॉलीवुड में भी 'हेरा फेरी', 'भूल भुलैया' और 'हंगामा' जैसी सुपरहिट फिल्में दी हैं। मोहनलाल के साथ उनकी जोड़ी को मलयालम इंडस्ट्री की सबसे सफल जोड़ी माना जाता है। उनकी पिछली बड़ी फिल्म 'मरक्कर: लॉयन ऑफ द अरेबियन सी' थी, जिसने नेशनल अवॉर्ड जीता था।

धनुष के साथ काफी कंफर्टेबल महसूस करती हैं संयुक्ता

धनुष के साथ फिल्म 'वाथी' में अपने अभिनय से सुर्खियां बटोरने वाली अभिनेत्री संयुक्ता इस साल कई फिल्मों में नजर आने वाली हैं। हालांकि, एक्ट्रेस ने फिर से धनुष के साथ काम करने की संभावनाओं के बारे में बात की। साथ ही उन्होंने बताया कि क्यों धनुष के साथ वो काफी कंफर्टेबल महसूस करती हैं।

बातचीत में जब संयुक्ता से पूछा गया कि वह किस अभिनेता के साथ दोबारा काम करना चाहेंगी? इस पर एक्ट्रेस ने कहा कि मैं उन सभी मलयालम अभिनेताओं के साथ काम करना चाहूंगी, जिनके साथ मैंने काम किया है। साथ ही धनुष के साथ भी मैं दोबारा काम करना चाहूंगी। वह शानदार अभिनेता हैं। जब वो कोई स्क्रिप्ट चुनते हैं, तो आप समझ जाते हैं कि वो अच्छी कहानी है। 'वाथी' में धनुष के साथ काम करने के अनुभव को याद करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि उनके साथ काम करना बहुत बढ़िया था। मेरा मतलब है मुझे यकीन है कि आपने इसे देखा होगा। उनके साथ एनर्जी लेवल अलग ही होता है। वो कम बोलने वाले, बेहद पढ़ने वाले व्यक्ति हैं। वो अपने काम में मग्न रहते हैं। कैमरे के सामने उनका शांत स्वभाव, पर्दे पर उनकी ताकत को दिखाता है। ऐसा लगता है जैसे वो अपना सारा जोश कैमरे के सामने वाले उस एक पल के लिए बचाकर रखते हैं। जब निर्देशक एक्शन कहते हैं, तो वो अपना पूरा जोर लगा देते हैं। वेंकी अटलुरी द्वारा निर्देशित पीरियड एक्शन ड्रामा 'वाथी' 2023 में रिलीज हुई थी। यह उस साल की सबसे अधिक कमाई करने वाली तमिल फिल्मों में से एक है।

मुझे स्टोरी और लोगों की भावनाएं उत्साहित करती हैं

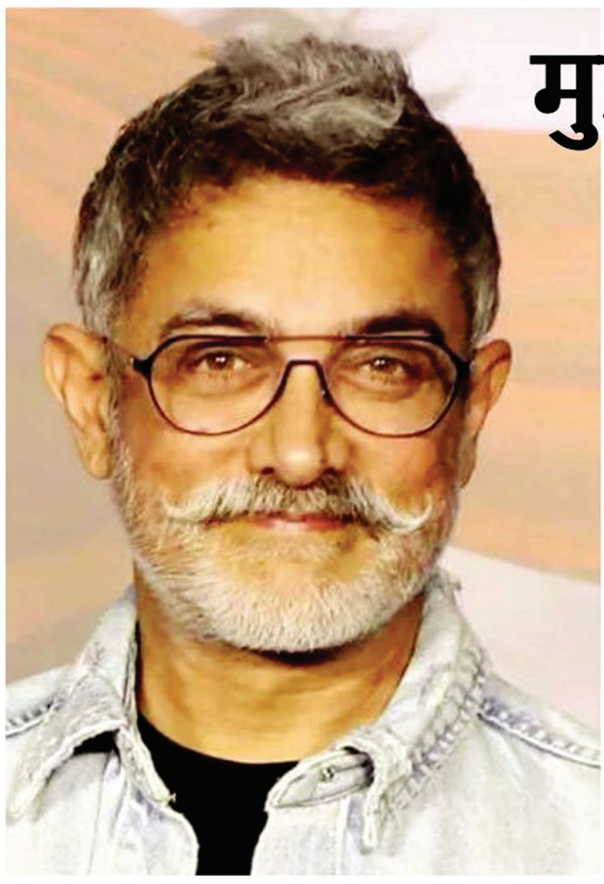

आमिर खान ने फिल्मों में ना सिर्फ अपनी अदाकारी का लोहा मनवाया बल्कि जब उन्होंने बेहतरीन फिल्में बनाईं, तो कहा जाने लगा कि आमिर हर काम बड़े तरीके से करते हैं। यहीं से उन्हें मिस्टर परफेक्शनिस्ट का टैग भी मिला। लेकिन आमिर कहते हैं कि उनके लिए सफलता का पैमाना बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने कितने करोड़ कमाए, इससे तय नहीं होता। हाल ही में इंटरनैशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ दिल्ली) में आए आमिर खान ने कहा, 'मेरे लिए पैसों की अहमियत उतनी ही रही है, जितना मैं उसको इस्तेमाल कर सकता हूं। आमिर खान कहते हैं कि मुझे उत्साह पैसों से नहीं बल्कि कहीं और से मिलता है। वह कहते हैं, 'मेरे पिता फिल्ममेकर थे, तो अक्सर लोग सोचते हैं कि एक फिल्ममेकर का बेटा है तो पैसे वाले परिवार से है। लेकिन हमारे लिए वो समय आर्थिक तौर पर बहुत मुश्किल वक्त था। मेरे पिता फिल्ममेकर बहुत अच्छे थे, लेकिन वो बिजनेसमैन अच्छे नहीं थे। इसलिए ऐसा बिल्कुल भी नहीं है कि मैं पैसे वाली फैमिली से हूं तो मेरे लिए पैसों की वैल्यू नहीं है। मुझे स्टोरी उत्साहित करती हैं, मुझे लोगों को हंसाना, अपने काम से उनकी आंखों में खुशी के आंसू देखना, उनके दिल का छूना एक्साइट करता है।'

'मैंने शेड्यूल बनाकर बचपन नहीं जीया'

आजकल के बच्चे पढ़ाई, ट्यूशन, टेनिस क्लास, म्यूजिक क्लास में ही पूरा दिन निकाल देते हैं। उनका पूरा दिन का शेड्यूल पहले से ही पैक रहता है। आमिर कहते हैं, 'मेरा क्रिकेट या फुटबॉल क्लास का कोई शेड्यूल नहीं था। मैं क्रिकेट खेलता था, मैं फुटबॉल खेलता था, उनकी क्लास नहीं लेता था। मेरी मां ने भी कभी भी मेरे लिए ऐसा करने के लिए कोई शेड्यूल नहीं बनाया था। लेकिन आज ये शेड्यूल का हिस्सा बन गया है। हमें एक तो पहले से ही पढ़ाई से तकलीफ होती थी। स्कूल से एक बजे घर आते थे, मुझे टेनिस में रुचि थी, तो मैं टेनिस खेलता था, लेकिन जैसे ही मैं फ्री हो गया और मैं टेनिस के लिए नहीं गया हूं तो मैं बिल्डिंग के नीचे जाता था, और बोलता था स्वीटी, केवल, विकी, दरअसल मैं अपने दोस्तों का नाम लेता था, और वो भी मुझे मेरे नाम से बुलाते थे (हंसते हुए) उस समय शेड्यूल फॉलो नहीं करते थे, हम एक साथ जुटते थे और खेलने लग जाते थे।'

'नॉलेज ऑनलाइन मिल रही है तो उसे क्लास में क्यों पढ़ाएं'

आमिर को लगता है कि आज की शिक्षा प्रणाली को बदलने की जरूरत है। वह कहते हैं, 'मुझे सच में लगता है कि शिक्षा के क्षेत्र में सचमुच एक बदलाव की जरूरत है। जब आप घर बैठे ही जान सकते हैं कि कितने ग्रह हैं, हमारा सौरमंडल कैसा है, राजा शिवाजी के समय क्या हुआ था, उस समय लीडर कैसे थे, ये सब चीजें हमें स्कूल में पढ़ाई जाती है। मुझे नहीं पता कि आज ये जमाने में ये कितना उपयुक्त है। आज जो नॉलेज है वो मेरी उंगलियों पर है। मुझे जानना है कि किसी व्यक्ति का जन्म कब हुआ था, तो मैं वह तुरंत देख सकता हूं। मुझे अपने दिमाग में वो नॉलेज जमा ही क्यों करनी है, जब उसकी अभी जरूरत ही नहीं है। एक जमाने में जरूरत थी, तो स्कूल में नॉलेज मिलती थी। नॉलेज तो अब फ्री हो गई है, लेकिन उस नॉलेज का प्रयोग कैसे करना है, इसकी ट्रेनिंग हम नहीं दे रहे हैं। हम स्कूल में बच्चों को चीजों को समझना नहीं सिखा रहे हैं, कैसे लोगों का ध्यान रखें और कैसे अच्छा इंसान बने ये सिखाने की जरूरत है।

आज डे ड्रीमिंग बहुत जरूरी

आमिर का कहना है कि आज के दौर में डे ड्रीमिंग बहुत जरूरी है। वह कहते हैं, 'आजकल तो हर आदमी ज्यादातर समय फोन पर ही रहता है। हम डे ड्रीमिंग की कला को खोते जा रहे हैं। जब भी हम फ्री होते हैं, हमारा फोन हमारे हाथ में आ जाता है और हम अलग-अलग एप्स पर कुछ शॉर्ट्स देखने लगते हैं। वो बहुत मजेदार भी होते हैं लेकिन वो आपके दिमाग और समय को ऑब्जर्व कर रहे होते हैं। एक वक्त था जब फोन नहीं था, तो जब हम गाड़ी में बैठे होते थे और सिर्फ सोच रहे होते थे। बाहर जिंदगी को गुजरते हुए देख रहे होते थे। ये थी डे ड्रीमिंग। मुझे लगता है कि डे ड्रीमिंग बहुत जरूरी है। यह आपके दिमाग को कई चीजों को एक्सप्लोर करने और उन्हें गहराई से समझने का मौका देता है। आज हमारे पास खुद के बारे में या किसी भी चीज के बारे में सोचने का वक्त ही नहीं है। हमारे चारों तरफ बस डेटा घूम रहा है।'

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं प्रधान संपादक- सुशील कुमार सिंह (मोबाइल न. 8077588101), एन-30 ऑफसेट रघुनाथपुर सेक्टर-22, नोएडा उत्तर प्रदेश से छपवाकर हाउस न.. - 52 , ग्रीनवुड -2 , सेक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, 201308 से प्रकाशित। (RNI No. UPHIN/2015/60949)
(समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र गौतमबुद्धनगर होगा) प्रकाशिक सामग्री या विज्ञापन में संपादक / प्रकाशक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। इससे संबंधित किसी भी प्रकार की कार्यवाही या पूछताछ प्रकाशन तिथि से तीन माह के अंदर की जा सकती है। ई-मेल-noida.morningcity@gmail.com।